



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 335]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 20, 2016/आश्विन 28, 1938

No. 335]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 20, 2016/ASVINA 28, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2016

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** बंगलादेश और नेपाल के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “जूट उत्पाद” अर्थात् – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबल्ड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच

**फा. सं. 14/19/2015-डीजीएडी.**— समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

1. यतः इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) (जिन्हें आगे याचिकाकर्ता भी कहा गया है) ने ‘पाटनरोधी नियमावली’ के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) बंगलादेश और नेपाल (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “जूट उत्पाद” अर्थात् – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबल्ड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने और उक्त आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

**2. प्रक्रिया**

नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

2. प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अधीन संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग की ओर से एक एसोसिएशन के रूप में याचिकाकर्ता से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें बंगलादेश और नेपाल के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति का आरोप लगाया गया है और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करने का अनुरोध किया गया है।

3. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जाँच की शुरुआत करने से पहले आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावासों को सूचित किया।
4. संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा कथित पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की जांच की शुरुआत की थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि “जूट उत्पाद” अर्थात् – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबल्ड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स, जिसे विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) भी कहा गया है, पर लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई ‘क्षति’ को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।
5. प्राधिकारी ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2015 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया और जिसके द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जाँच की शुरुआत की गई।
6. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना के एक-एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ता एसोसिएशनों को अग्रेषित की और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने की का निदेश दिया।
7. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुरूप संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रतियां उपलब्ध कराई थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितवद्ध पक्षकार को भी दी गई।
8. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें प्रश्नावलियां भेजीं:

कोरोफिन जूट कार्पो., बंग्लादेश	शमशेर जूट मिल्स लि. बंग्लादेश
शाइनपुकर होल्डिंग्स लि., बंग्लादेश	वर्ल्ड ट्रेडिंग कार्पो., बंग्लादेश
सोनाली आंस ट्रेडिंग (प्रा.) लि. बंग्लादेश	अबिर इंटरनेशनल, बंग्लादेश
एटीएमएमआर एंटरप्राइज, बंग्लादेश	आलम ट्रेड इंटरनेशनल बंग्लादेश
अलिफ इंटरनेशनल, बंग्लादेश	एलिस इंटरनेशनल, बंग्लादेश
अमानत इंटरनेशनल, बंग्लादेश	अंस कार्पो. (प्रा.) लि., बंग्लादेश
एबीसी एजेंसी, बंग्लादेश	एसीएमई ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
अनिका ओवरसीज डिस्कवरी सर्विस, बंग्लादेश	आरके एंड कयार एसोसिएट्स, बंग्लादेश
असिमपेक्स ट्रेडिंग कार्पो. लि. बंग्लादेश	अमिन जूट प्राइवेट्स, बंग्लादेश
बेनगल्फ ट्रेडिंग कं. लि., बंग्लादेश	बंगाल ब्रेड रग्स लि., बंग्लादेश
ब्लू बैल एंटरप्राइज, बंग्लादेश	बोनी इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश
बंगाल जूट एंड बरलप एजेंसीज, बंग्लादेश	बीबीआई जूट एंड प्राइवेट एक्सपोर्ट लि., बंग्लादेश
बैग एंड बरलप इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	बंग्लादेश अलायड बिजनेस एसो., बंग्लादेश
बी.एन. ट्रेडिंग, बंग्लादेश	बेनकोर इंटरनेशनल कार्पोरेशन, बंग्लादेश
बांग्लार अंस (प्रा.) लि., बंग्लादेश	बंग्लादेश जूट प्रोसेसिंग कं., बंग्लादेश
बीको इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	भुइयान इंटरनेशनल कार्पो., बंग्लादेश
बल्क ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश	बिजलाइन कार्पोरेट लि., बंग्लादेश
बरलप वर्ल्ड लि., बंग्लादेश	ब्रादर्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश
बंग्लादेश जूट डाइवर्सिफिकेशन सेंटर, बंग्लादेश	बंग्लादेश इंटरनेशनल ट्रेड, बंग्लादेश
बेहेष्टी एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट, बंग्लादेश	बंग्लादेश एक्सपोर्ट लिमिटेड, बंग्लादेश
सीडीआर ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश	कम्मिनपेक्स, बंग्लादेश
कांफिडेंट जूट एंड बैग लि., बंग्लादेश	कंक्रिट फाइबर्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश
कंसोलिडेटेड कमडिटीज, बंग्लादेश	क्रिएशन (प्रा.) लि., बंग्लादेश
कोर-दि जूट वर्क्स, बंग्लादेश	क्रिफू इंटरट्रेड लि., बंग्लादेश
कोरोफिन जूटेक्स कार्पोरेशन, बंग्लादेश	कोस्मोटिक, बंग्लादेश

दुबई जूट एंड बैग कार्पोरेशन, बंग्लादेश	कंटिनेंटल ट्रेड एक्सचेंज लि., बंग्लादेश
दीपाली एजेंसीज, बंग्लादेश	डेल्टा बंग्लादेश लि., बंग्लादेश
दवन एक्सपोर्ट इंटरनेशनल, बंग्लादेश	देश बिदेश एंटरप्राइज, बंग्लादेश
दीवान ट्रेड इंटरनेशनल बंग्लादेश	ईस्टर्न ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
एरंस ट्रेड इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	इकोट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
ईस्ट एशियन बिजनेस एसोसिएट्स, बंग्लादेश	एक्सिम एन. ट्रेड, बंग्लादेश
इरब लिमिटेड, बंग्लादेश	एसेस एक्सपोर्टर्स लि., बंग्लादेश
इनाम एंड संस, बंग्लादेश	ईहम इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश
एक्सट्रा पेस लाजिस्टिक्स लि., बंग्लादेश	इनम एक्सप्रेस लि., बंग्लादेश
एज ट्रेडिंग, बंग्लादेश	अर्ली बर्ड कार्पोरेशन, बंग्लादेश
फैजल ट्रेडिंग कं., बंग्लादेश	फरहाना स्टाइल लि., बंग्लादेश
फाइबर्स इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	एहसाना जूट प्रोडक्ट्स, बंग्लादेश
फूड ग्रेड जूट ट्रेडर्स, बंग्लादेश	फाइबर डील्स लिमिटेड, बंग्लादेश
फैमेक्स ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश	फेयर ट्रेडिंग कंपनी, बंग्लादेश
ग्लोबल जूट गुड्स, बंग्लादेश	ग्लोब सोलिडैरिटी लि., बंग्लादेश
गोल्डेन जूड ड्राईवरसिफिकेशन सेंटर लि., बंग्लादेश	ग्लोबल जूट ट्रेडिंग लि., बंग्लादेश
एच. एफ. एक्सपोर्टर्स, बंग्लादेश	हमोना ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंग्लादेश
हनिफ इम्पेक्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश	हुसैन जूटन ट्रेडिंग कं., बंग्लादेश
एचएन एंटरप्राइज, बंग्लादेश	इंटरनेशनल ट्रेड एक्सचेंज, बंग्लादेश
इंटरनेशनल बरलप सप्लायर, बंग्लादेश	इंडस एंटरप्राइज, बंग्लादेश
इमेंस ट्रेडिंग हाउस, बंग्लादेश	जूट एक्सपो ट्रेडिंग लि., बंग्लादेश
जूट एंड बैग्स एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंग्लादेश	जूट हेवेन, बंग्लादेश
जूटेक्स बंग्लादेश, बंग्लादेश	जूट एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंग्लादेश
जैनेक्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश	जूटेक्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश
जहां ट्रेडर, बंग्लादेश	जहां इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं., बंग्लादेश
जूट मेट पैकेजिंग कं., बंग्लादेश	जूट एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंग्लादेश
जेबीएल इंटरनेशनल, बंग्लादेश	जूपिटर जूट लैडर कार्पोरेशन, बंग्लादेश
जहां एंटरप्राइज, बंग्लादेश	किरोन एंटरप्राइज, बंग्लादेश
नाफ इंटरनेशनल, बंग्लादेश	किंगशुक लिमिटेड, बंग्लादेश
शान संस इंटरनेशनल (बीडीव्ही लि., बंग्लादेश	लुपा इंटरनेशनल, बंग्लादेश
लोटस इंटरनेशनल, बंग्लादेश	लूइस ड्रेफस कं. लि., बंग्लादेश
मेट्रोपालिटन एक्सपोर्ट कार्प, बंग्लादेश	लिप्टन जूट ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
मोनामी इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	एम.एफ इंटरनेशनल, बंग्लादेश
माइको जूट एंड बैग कार्पोरेशन, बंग्लादेश	मास्क एसोसिएट(प्रा.) लि., बंग्लादेश
मेरियम एंटरप्राइज, बंग्लादेश	मीम इंटरनेशनल, बंग्लादेश
मौलिक ट्रेड एंड सर्विसेस लि., बंग्लादेश	मोनिर ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंग्लादेश
मोहाजन ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश	एम.आर. एसोसिएट्स, बंग्लादेश
एम. रहमान एंड कं., बंग्लादेश	एम. एच ट्रेडिंग, बंग्लादेश
मिकुनी कार्पोरेशन, बंग्लादेश	मोवाडा ट्रेडर्स, बंग्लादेश
मार्ट ओवरसीज, बंग्लादेश	मंसूर एंड ब्रदर्स, बंग्लादेश
मी ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंग्लादेश	एम.एम इंटरनेशनल, बंग्लादेश
माडर्न इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट, बंग्लादेश	नेपच्यून एंटरप्राइज, बंग्लादेश

नरसिंगडी जूट ट्रेडर्स, बंग्लादेश	नैचूरल जूट प्रोडक्ट्स, बंग्लादेश
नैचूरल फाइबर सर्विसेज लि., बंग्लादेश	न्यू एजेंसीज, बंग्लादेश
ओरिएंट ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश	ओमेगा फैशन लिमिटेड, बंग्लादेश
नीटी एंटरप्राइज, बंग्लादेश	आनलाइन लिमिटेड, बंग्लादेश
प्राइम एंटरप्राइज, बंग्लादेश	रेनबो एसोसिएट्स, बंग्लादेश
पास्को जूट, बंग्लादेश	रेलिबल ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
रोज कार्नेर (प्रा.) लि., बंग्लादेश	रीमेक्स एंटरप्राइज, बंग्लादेश
रश एक्सपोर्ट इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	रीन ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
आर.ई.बी. एजेंसीज, बंग्लादेश	रफीक ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
राज फाइबर्स लि., बंग्लादेश	सीटेक्स इंटरनेशनल, बंग्लादेश
स्विफ्ट ट्रेड इम्पेक्स, बंग्लादेश	साथी एक्सपोर्ट इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश
समी एंटरप्राइज, बंग्लादेश	शेम्स ट्रेड इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश
सीलेंड एक्सपोर्ट इंटरनेशनल, बंग्लादेश	एसडब्ल्यूएसट्रेड लाइंस (प्रा.) लि., बंग्लादेश
सोनाली आंस ट्रेडिंग(प्रा.) लि., बंग्लादेश	सागरिका इंटरनेशनल, बंग्लादेश
श्यामोल बांग्ला जूटेक्स लि., बंग्लादेश	सोनाली फाइबर्स ट्रेडिंग कं., बंग्लादेश
सी-रोक कंसोर्टियम, बंग्लादेश	सोनारगांव फाइबर्स, बंग्लादेश
सोनजेस इंटरनेशनल, बंग्लादेश	एसएमएसएन ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
सादी एंटरप्राइज, बंग्लादेश	स्काइलैंड एंड फैम लि., बंग्लादेश
सादत ट्रेडिंग कं. लि., बंग्लादेश	समसेर एंटरप्राइज, बंग्लादेश
सादिया जूट ट्रेडिंग, बंग्लादेश	शुदीप्ता ट्रेड कं., बंग्लादेश
शरीफपुर ट्रेडिंग एजेंसी, बंग्लादेश	सुतापा इम्पेक्स, बंग्लादेश
सेक्स एक्सपोर्ट एंड ट्रेडिंग इंटेल, बंग्लादेश	एस. इस्लाम एंड संस, बंग्लादेश
एसएस इंजीनियरिंग वर्क्स, बंग्लादेश	एस.एस. एंटरप्राइज, बंग्लादेश
तकावा माह एंटरप्राइज लि., बंग्लादेश	दि ग्लोब ट्रेडर्स, बंग्लादेश
दि गोल्डेन फाइबर ट्रेड सेंटर लि., बंग्लादेश	ट्रेड इंटरनेशनल, बंग्लादेश
टाउरस लिमिटेड, बंग्लादेश	ट्रेड इम्पेक्स, बंग्लादेश
तमारा ट्रेडिंग एजेंसीज लि., बंग्लादेश	यूनि एक्सिम, बंग्लादेश
उजाला ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंग्लादेश	विकार इंटरनेशनल, बंग्लादेश
विक्ट्री एंटरप्राइज लि., बंग्लादेश	वैराइटी जूट ट्रेडिंग कं., बंग्लादेश
वरटैक्स इंटरनेशनल लि., बंग्लादेश	विलियम एजेंसी, बंग्लादेश
याकूब अली (फरीदपुर) लि., बंग्लादेश	विजाई इनकार्पोरेशन, बंग्लादेश
बंगाल कार्पेट लि., बंग्लादेश	सलेत कार्पेट मिल्स लि., बंग्लादेश
अर्कू इंडस्ट्रीज मैनुफेक्चरिंग लि., बंग्लादेश	बंग्लादेश एक्सपोर्ट लि., बंग्लादेश
लालमाई फुटवियर लि., बंग्लादेश	मेट्रोपालिटन एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंग्लादेश
सोनाली आंस इंडस्ट्रीज लि., बंग्लादेश	ट्रेडवाइंड, बंग्लादेश
अफजल जूट इंडस्ट्रीज लि., बंग्लादेश	बाइको इंटरनेशनल, बंग्लादेश
अलीजान जूट मिल्स लि., बंग्लादेश	बी.आर. कार्पोरेशन, बंग्लादेश
रूपसा इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट लि., बंग्लादेश	विलियम एजेंसीज, बंग्लादेश
ए.आर.ए. जूट मिल्स लि., बंग्लादेश	एबीसी एजेंसी, बंग्लादेश
अहद जूट मिल्स लि., बंग्लादेश	अकीज जूट मिल्स लि., बंग्लादेश
अल-हज अमीनुद्दीन जूट मिल्स लि., बंग्लादेश	अलीजान जूट मिल्स लि., बंग्लादेश
अनवार जूट स्पनिंग मिल्स लि., बंग्लादेश	अजीज फाइबर्स लि., बंग्लादेश

बंगलादेश जूट एसोसिएशन, बंगलादेश	बंगलादेश जूट मिल्स कार्पोरेशन, बंगलादेश
बी.एस. जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश	बंगाल जूट इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश
चटगांव जूट मेनु. कं. लि., बंगलादेश	चारमुंगरिया जूट मिल्स लि., बंगलादेश
फिरदौस जूट मिल्स लि., बंगलादेश	इस्लाम खान जूट मिल्स लि., बंगलादेश
जनता जूट मिल्स लि., बंगलादेश	जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
केरानीगंज जूट फाइबर्स लि., बंगलादेश	लिटन जूट मिल्स लि., बंगलादेश
करीम जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश	मेट्रोपालीटन एक्सपोर्ट्स कार्पोरेशन, बंगलादेश
न्यू ढाका इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	निसान जूट मिल्स लि., बंगलादेश
नवाब अब्दुल मलिक जूट मिल्स (बंगलादेश) लि., बंगलादेश	म्युचुअल जूटन स्पिनर्स लि., बंगलादेश
नार्दर्न जूट मेन्युफैक्चरिंग कं. लि., बंगलादेश	नोवापारा जूट मिल्स लि., बंगलादेश
पापुलर जूट मिल्स लि., बंगलादेश	पतुआखली जूट मिल्स लि., बंगलादेश
सादत जूट इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	सादत ट्रेडिंग कं. लि., बंगलादेश
सईद जूट स्पिनिंग लि., बंगलादेश	सागर जूट स्पिनिंग लि. बंगलादेश
सरवर जूट मिल्स लि., बंगलादेश	शमशेर जूट मिल्स लि., बंगलादेश
शरीफ जूट मिल्स लि., बंगलादेश	शिहाब जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
श्यामल बंगला जूटेक्स लि., बंगलादेश	शीनेपुकुर होल्डिंग्स लि., बंगलादेश
सिडला टेक्सटाइल (बंगलादेश) लि. बंगलादेश	सोनाली आंस इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश
स्पेशलाइज्ड जूट यार्न एंड ट्वाइन मेनु. कं. लि., बंगलादेश	सुप्रीम जूट एंड निटेक्स लि., बंगलादेश
ट्रांसओसन फाइबर्स प्रासेसर्स (बीडी) लि., बंगलादेश	ऊषा जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
वर्ल्ड ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश	विकट्री जूट प्रोडक्ट्स लि. बंगलादेश
अम्बिका, नेपाल	ट्रांस ट्रेड सर्विस, नेपाल
असाही ओवरसीज ट्रेडर्स, नेपाल	जनरल ओवरसीज एजेंसी, नेपाल
अशोक ट्रेडिंग कनसर्न, नेपाल	घोराश्यार एंटरप्राइजेज, नेपाल
अटलांटिक ट्रेडिंग कनसर्न, नेपाल	गाल्चा आर्गेनाइजेशन, नेपाल
बी.के. इंटरनेशनल, नेपाल	ग्रीनटेक्स एंटरप्राइजेस, नेपाल
बाबा एंटरप्राइजेज, नेपाल	गुप्ता एंटरप्राइजेज, नेपाल
बालाजू एंटरप्राइजेज, नेपाल	हिम इंटरनेशनल (प्रा) लि., नेपाल
भूदेव खाद्य उद्योग, नेपाल	इंद्र ट्रेड कनसर्न, नेपाल
विजय एंटरप्राइजेज, नेपाल	जालनेक्स एंटरप्राइजेज, नेपाल
विनीत एंटरप्राइजेज, नेपाल	खाटू इंटरनेशनल, नेपाल
ब्राइट इंडस्ट्रीज (प्रा) लि. नेपाल	लक्ष्मी कनसर्न, नेपाल
छगनमल ट्रेडर्स, नेपाल	मदन लाल चिरंजीबी लाल
छयाग्ले ट्रेड लिंक्स, नेपाल	महेश ओवरसीज एंटरप्राइजेज, नेपाल
डायमंड नेपाल एंटरप्राइजेज, नेपाल	नेपाल यूनाइटेड कंपनी (प्रा) लि. नेपाल
डिगो इंटरनेशनल (प्रा) लि., नेपाल	न्यू ट्रेड सेंटर, नेपाल
डुगर ब्रदर्स एंड संस, नेपाल	पवन ओवरसीज कनसर्न, नेपाल
डुगर आर्गेनाइजेशन, नेपाल	आर एंड आर एंटरप्राइजेज प्रा. लि., नेपाल
एक्सपोटेक्स ट्रेडिंग, नेपाल	राजश्री एंटरप्राइजेज, नेपाल
गौरव इम्पैक्स, नेपाल	संगम इंटरनेशनल एंटरप्राइजेज, नेपाल

9. जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में और उसके बाद बंग्लादेश के विभिन्न निर्यातकों/उत्पादकों/आयातकों और वहां की सरकार से विशिष्ट अनुरोध पर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने के बाद, कतिपय अनुरोधों के साथ निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

- (1) सिडला टैक्सटाइल्स लि.
- (2) सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.
- (3) अफील जूट विवींग मिल्स लि.
- (4) जनता जूट मिल्स लि.
- (5) आशा जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (6) प्राइड जूट मिल्स लि.
- (7) शरीफ जूट मिल्स लि.
- (8) अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.
- (9) अलीजान जूट मिल्स लि.
- (10) सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लि.
- (11) हसन जूट मिल्स लि.
- (12) रहमान जूट स्पिनर्स प्रा. लि.
- (13) नवाब अब्दुल मलिक जूट मिल्स लि.
- (14) रहमान जूट मिल्स प्रा.लि.
- (15) शमशेर जूट मिल्स
- (16) गोल्डन जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (17) पुरबी ट्रेडिंग
- (18) सोनाली अंश ट्रेडिंग (प्रा. लि.)
- (19) राजबरी जूट मिल्स लि.
- (20) नोवापारा पैकेजिंग इंडस्ट्रीज लि.
- (21) नोवापारा जूट मिल्स लि.
- (22) ऊषा जूट स्पिनर्स
- (23) बी.एस. जूट स्पिनर्स लि.
- (24) मदीना जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (25) नार्दर्न जूट मैनुफैक्चरिंग कं. लि.
- (26) जूट स्पिनर्स लि.

नेपाल से निम्नलिखित चार उत्पादकों/निर्यातकों ने कतिपय अनुरोधों के साथ प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- (1) मै. अरिहंत मल्टी-फाइबर्स लि.
- (2) मै. श्री रघुपति जूट मिल्स लि.
- (3) मै. स्वास्तिक जूट मिल्स प्रा. लि.
- (4) मै. बाबा जूट मिल्स प्रा. लि.

मै. नेपाल जूट मिल्स और मै. चन्द्र शिवा जूट मिल्स प्रा. लि. ने नेपालके निर्यातकों के स्थल पर सत्यापन के बाद प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह काफी देरी से किया गया और वह भी स्थल पर सत्यापन के काफी बाद में किया गया था।

10. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को प्रश्नावली भेजी गई थी:

अहमद एक्पोर्ट, पश्चिमी बंगाल	के. एल. जूट प्रोडक्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
	आर. हरीलाल एंड कं. (कलकत्ता), पश्चिमी बंगाल
कमल कुमार गोयल पश्चिमी बंगाल	जे. के. संस एंड कं., पश्चिमी बंगाल
नवीन गुप्ता पश्चिमी बंगाल	शिव कुमार अग्रवाल पश्चिमी बंगाल
अशीम कार एंड इंडस्ट्रीज प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल	कोस्टल पैकेजर्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
नरेश कुमार अग्रवाल, पश्चिमी बंगाल	चुरीवाल कमर्शियल कं. (प्रा.) लि. पश्चिमी बंगाल
एआई चंपडनी इंडस्ट्रीज लि. पश्चिमी बंगाल	गंगेज जूट प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
मोहन जूट लि. पश्चिमी बंगाल	युकान एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
एच.आर. इंटरनेशनल लि., पश्चिमी बंगाल	भगवती सेल्स एजेंसी, महाराष्ट्र
एस एल पैकेजिंग प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल	तराई ओवरसीज लि., पश्चिमी बंगाल
तरुण दोकानिया, पश्चिमी बंगाल	जी एम जूट एक्सपोर्ट्स कं. पश्चिमी बंगाल
जयवर्धन बंसल, पश्चिमी बंगाल	संडोज मर्चेन्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रमीज़ अहमद, पश्चिमी बंगाल	निर्मल खंडेलवाल, पश्चिमी बंगाल
सारदा ट्रेडिंग कं., पश्चिमी बंगाल	हुगली इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
विजयकुमार एंड कं. जूट प्रा. पश्चिमी बंगाल	आदित्य ट्रांसलिक प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रोमी एंटरप्राइज, महाराष्ट्र	
राजेश ट्रेडिंग कं. हरियाणा	नरेन्द्र कुमार रूइया हफ, पश्चिमी बंगाल
कृष्णा ट्रेडिंग कं., हरियाणा	रामसरन एंड संस, पश्चिमी बंगाल
अनिल ट्रेडर्स, हरियाणा	राम किशोर लुहारीवाला एंड अदर्स, पश्चिमी बंगाल
एल जी डब्लू लि., पश्चिमी बंगाल	खंडेलवाल जूटेक्स प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल
गोल्डेन फ्लोर फर्निशिंग प्रा. लि., नई दिल्ली	मैग्नम मार्केटिंग, पश्चिमी बंगाल
शिल्पी साहा, पश्चिमी बंगाल	श्री उद्योग, पश्चिमी बंगाल
मीरा गोयल, पश्चिमी बंगाल	इंडस्ट्रीज एसोसिएट्स (जूट) प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
गोपीराम गुप्ता एंड कं. प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल	कैलाश ट्रेडर्स, कर्णाटक
प्रताप कुमार बनर्जी, पश्चिमी बंगाल	जिंदल फाइबर्स लि., पंजाब
मोहन जूट बैग्स मेनु कं., पश्चिमी बंगाल	बर्धमान प्लास्टिक्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
गणपति रोप वर्क्स, पश्चिमी बंगाल	इंडो काटस्पिन लि. हरियाणा
श्री गिरीराजजी एंड कंपनी, पश्चिमी बंगाल	अब्दुल मजीद सरदार, पश्चिमी बंगाल
श्री बजरंग जूट मिल्स लि., पश्चिमी बंगाल	हरियाणा बारदाना ट्रेडिंग कं., हरियाणा
इम्पैक्स प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल	राधा कृष्णा जूट प्राडक्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
श्रीनिवास जूट मिल्स (प्रा.) लि., आंध्र प्रदेश	एसडीजे इंटरनेशनल, पश्चिमी बंगाल
विवेक एंड कंपनी, पश्चिमी बंगाल	नार्थब्रुक जूट कंपनी लि., पश्चिमी बंगाल
गोयल ट्रेडिंग कंपनी, पश्चिमी बंगाल	जैन एसोसिएट, असम
एम. एन. एसोसिएट्स, मध्य प्रदेश	रमेश चन्द्र अग्रवाल, पश्चिमी बंगाल
मेघराज मदनलाल गढ़ानी, राजस्थान	जेके संस जूट कं. प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
ग्लोबल एक्सिम प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल	फ्रेंकटैक्स एंटरप्राइजेस प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
एमएमबी जूट उद्योग, मध्य प्रदेश	जय वर्धन बंसल, पश्चिमी बंगाल

प्रवीर मित्रा, पश्चिमी बंगाल	श्री आनंद जूट सेंटर, हरियाणा
सैफुद्दीन अहमद, पश्चिमी बंगाल	विशाल जूट प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल
शिफा इम्पेक्स, गुजरात	तिरूपति पैकेजर्स, कर्णाटक
मनोज कुमार बजोरिया, पश्चिमी बंगाल	विवेक गुप्ता, पश्चिमी बंगाल
सत्येन्द्र पैकेजिंग प्रा. लि., गुजरात	कैम वर्थ, पश्चिमी बंगाल
तराई ओवरसीज प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल	एस.एन. ब्रदर्स. केरल
छाजू राम नितिन कुमार, हरियाणा	बालकृष्ण गुप्ता, पश्चिमी बंगाल
रिवेरा होम फर्निशिंग, दिल्ली	जीएमजूट एक्पोर्ट्स कं., पश्चिमी बंगाल
जयकृष्णदास मल जूट प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि., ओडिशा	जागृति ट्रेड सर्विसेज प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रिलायंस जूट मिल्स (इंटरनेशनल) लि., पश्चिमी बंगाल	भागतारा जूट इंडस्ट्रीज(प्रा.) लि., महाराष्ट्र
हावड़ा मिल्स कं. लि. पश्चिमी बंगाल	रामदेव इंडस्ट्रीज लि., आंध्र प्रदेश
रामा ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली	राजधानी बारदाना कार्पोरेशन, राजस्थान

आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के संबंध में जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों ने उत्तर/आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

- (1) मै. गनिराम अग्रवाल एंड कंपनी (लक्ष्मी कुमारन एंड श्रीधरन के द्वारा)
- (2) मै. कोस्टल पैकेजर्स (प्रा) लि. (लक्ष्मी कुमारन एंड श्रीधरन के द्वारा)
- (3) मै. सत्येन्द्र पैकेजिंग प्रा. लि.
- (4) मै. उन्नति ओवरसीज
- (5) मै. सर्वमंगला प्रतिष्ठान
- (6) मै. नवीन इंटरनेशनल
- (7) मै. एलजीडब्लू लिमिटेड
- (8) मै. श्री उद्योग
- (9) मै. मेघराज मदन लाल गढ़ानी
- (10) मै. रामसरन एंड संस
- (11) मै. इंडस्ट्रियल एसोसिएट्स
- (12) मै. गुरुदयाल एंटरप्राइजेज
- (13) मै. चिरंजीलाल गौरीशंकर एंड कं.
- (14) मै. एसएल पैकेजिंग लि.

11. अतिरिक्त कानूनी अनुरोध निम्नलिखित द्वारा प्रस्तुत किए गए थे:

- i. जूट प्रोडक्ट्स इम्पोर्टर्स एसोसिएशन, इंडिया
- ii. एपी मेस्टा ट्वाइन मिल्स एसोसिएशन
- iii. इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन

12. विभिन्न निर्यातकों/आयातकों, बंगलादेश की सरकार द्वारा किए गए इस अनुरोध कि काफी आकड़े संकलित किए जाने हैं, को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय को पर्याप्त रूप से बढ़ाया है।

13. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा एक सार्वजनिक फाइल के रूप में निरीक्षण हेतु खुला रखा। सार्वजनिक फाइल का अनेक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनेक बार निरीक्षण किया गया। ऐसे हितबद्ध पक्ष जिन्होंने निरीक्षण करने और सार्वजनिक फाइल से दस्तावेजों की प्रतियों हेतु अनुरोध किया उन्हें वह उपलब्ध कराये गये।



14. प्राधिकारी ने जॉच के बाद जहां आवश्यक हुआ आवश्यक जॉच करने के बाद गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध कराएं, जिसे सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा गया।

15. आवश्यक समझी गई सीमा तक याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षों से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी। वर्तमान जॉच के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का सत्यापन किया गया था। बंगलादेश और नेपाल के उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का स्थल पर सत्यापन भी अगस्त, 2016 में किया गया था।

16. यह जॉच 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 की अवधि (जिसे आगे जॉच अवधि या पीओआई कहा गया है) के लिए की गई है और क्षति विश्लेषण में 2011-12 से पीओआई की अवधि शामिल है।

17. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जॉच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्योरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया और उक्त सूचना डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त हुई थी और उसे वर्तमान जॉच के प्रयोजनार्थ अपनाया गया है।

18. प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार संभव सीमा तक जॉच की है ताकि भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत ज्ञात की जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

19. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 26 जुलाई, 2016 को आयोजित आम सुनवाई में अपना दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया जिसमें बंगलादेश और नेपाल की सरकार के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न पक्षों ने भाग लिया था। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने अनुरोध और उनके बाद खंडनों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के परस्पर आदान-प्रदान के लिए लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

20. उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने संबंधित हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष दिनांक 11 अक्टूबर, 2016 को अनिवार्य तथ्य प्रकट कर दिए थे। उनसे अनुरोध किया गया था कि वे अपनी टिप्पणियां 17 अक्टूबर, 2016 तक प्रस्तुत कर दें। प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा जितना प्रासंगिक समझा गया था, इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया है।

21. पीओआई के लिए विभिन्न औसत विनिमय दर को निम्नानुसार माना गया है

1 अम. डा. = 61.69 रुपये

1 अम. डा. = 77. बीडीटी

1 रूपया = 1.6 एनआरएस

#### क. विचाराधीन वस्तु और समान वस्तु

22. \*\*\* चिन्ह हितबद्ध पक्षकार/किसी अन्य पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का परिचायक है तथा प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत उसे गोपनीय माना गया है।

23. वर्तमान जॉच में विचाराधीन उत्पाद "जूट उत्पाद" हैं जिसमें – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबलड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स शामिल हैं।

#### घरेलू उद्योग के विचार

24. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. विचाराधीन उत्पाद "जूट उत्पाद" हैं जिसमें – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबलड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स शामिल हैं। जूट के अन्य प्रकार के सामान वर्तमान जॉच के दायरे से बाहर हैं।
- ख. उत्पाद के आयात की खुले सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के अधीन अनुमति है और संबद्ध वस्तु के आयातों पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं है।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु के बीच कोई अंतर नहीं है। ये दोनों तुलनीय हैं और तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इनका एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग करते हैं।

- घ. केवल इसलिए कि तीन जूट उत्पादों को अलग-अलग सीमाशुल्क वर्गीकरण के अधीन वर्गीकृत किया जाता है, उन्हें तीन भिन्न पीयूसी नहीं माना जा सकता है। जॉच में सरलता के लिए उत्पाद के तीन प्रकारों के लिए क्षति संबंधी सूचना अलग-अलग दी गई है। तथापि इन तीनों को एक उत्पाद माना जाना चाहिए। ये उत्पाद एक से दूसरे तक केवल वृद्धिकारी प्रक्रिया बनते हैं।
- ङ. हितबद्ध पक्षों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि माप की इकाई से किसी प्रकार से जॉच में पक्षपात हो सकता है। इस यार्न को मीटर में नापा जाता है जबकि फेब्रिक को वर्गमीटर में इसलिए एकरूपता के लिए किग्रा. का प्रयोग किया गया है।
- च. पीयूसी को सही ढंग से परिभाषित किया गया है। इस आरोप के विरोध में कि पीयूसी में कच्ची सामग्री और मूल्य श्रृंखला में उच्चतर उत्पादों को शामिल नहीं किया जा सकता है, यह बताया गया है कि सभी तीन उत्पादों के लिए कच्ची सामग्री कच्चा जूट है, जो पीयूसी का हिस्सा नहीं है। विचाराधीन उत्पाद जूट उत्पाद हैं जिसके तीनों प्रकारों में समान विनिर्माण प्रक्रिया है जो कच्चे जूट से निकलती है। मामूली अनुवर्ती प्रक्रिया वर्तमान परिस्थितियों में उन्हें तीन भिन्न-भिन्न उत्पाद नहीं बना सकती है।

इसके अलावा, कच्ची सामग्री और अंतिम उत्पाद को एक पी यू सी को बनाने वाला हिस्सा नहीं माना जा सकता है। उदाहरण के लिए, चिकन मीट और चिकन उत्पाद के डब्लूटीओ मामले में, दोनों चिकन अर्थात् कच्ची सामग्री और उत्पाद पीयूसी का हिस्सा हैं।

### **निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

25. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. याचिका में कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि सभी आयात मात्राओं और कीमतों में इकाई के रूप में 'किलोग्राम'(भार) का प्रयोग क्यों किया गया है जबकि अधिनियम की पहली अनुसूची के अनुसार माप के मानक के रूप में 'वर्गमीटर' (क्षेत्रफल) का प्रयोग होता है।
- ख. पीयूसी को गलत ढंग से एक उत्पाद के रूप में परिभाषित किया गया है अर्थात् जूट यार्न अन्य दो अर्थात् हेसियन फेब्रिक्स और जूट सेकिंग बैगों के लिए कच्ची सामग्री हैं। पीयूसी में कच्ची सामग्री और मूल्य श्रृंखला में उच्चतर उत्पादों दोनों को शामिल नहीं किया जा सकता है। यह अभूतपूर्व और अनुचित है। प्राधिकारी को पीयूसी को पुनः परिभाषित करना चाहिए।
- ग. बंगलादेश से विचाराधीन उत्पाद के आयात पाटित नहीं किए जा रहे या क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं। संबद्ध आयात घरेलू उद्योग के पूरक हैं और बाजार के उस क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं जिनमें भारतीय जूट उद्योग क्षमता संबंधी बाधाओं के कारण प्रवेश करने में अक्षम है।
- घ. याचिकाकर्ता ने क्षति विश्लेषण करते समय सीबीसी को शामिल नहीं किया है जबकि इस उत्पाद का भारत में नियमित रूप से आयात किया जा रहा है।

### **प्राधिकारी द्वारा जॉच**

26. वर्तमान जॉच में विचाराधीन उत्पाद "जूट उत्पाद" हैं जिसमें – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबल्ड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स शामिल हैं। जॉच शुरुआत के समय, 1975 के अधिनियम के अध्याय 53 और 63 के अंतर्गत और इसके अलावा सीमाशुल्क शीर्षों 5301, 5307, 5310 और 6305 के अंतर्गत उप-वर्गीकृत किये जाने पर विचार किया गया था। यह बताया गया था कि उक्त सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जॉच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। तथापि, बाद में नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आकड़ों से यह नोट किया गया कि सीमाशुल्क शीर्ष सं. 5607 जिसमें ट्वाइन, कोर्डेज, रस्सी और केबल, चाहे प्लेटेड या ब्रेडेड हो अथवा नहीं और चाहे रबड़ और प्लास्टिक से इम्प्रेगनेटेड, कोटेड, कवर्ड या शीथ्ड हो अथवा नहीं, शामिल हैं।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जूट एक प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल फाइबर है, जो पौधों की आंतरिक छाल से बनता है। जूट के व्यापक प्रयोगों में पैकेजिंग, जिओ-टेक्सटाइल, रूटिंग पौधों के संरक्षण, कपड़ों, थैले, आवरण, बूट और जूते की लाइनिंग, फ्यूज यार्न, अप्रेन, कैनल और मोटर लाइनिंग, रस्सी, धागे, अपहोल्स्टरी फाउंडेशन, परदे और सजावटी वस्त्र बनाना आदि शामिल हैं। इसके अलावा जूट को उत्तम यार्न और वस्त्र उत्पादन के लिए ऊन के साथ मिलाया भी जा सकता है।

28. गांठों के रूप में कच्चे जूट को जूट यार्न/ट्वाइन, हेसियन वस्त्र, बोरों, और अन्य उत्पादों जैसे उत्पादों के उत्पादन के लिए जूट मिलों में तैयार किया जाता है। जूट की विनिर्माण प्रक्रिया में विभिन्न स्तर जैसे किसी बैच के लिए जूट का चयन, उसे काटना, मुलायम बनाना और लुब्रिकेट करना, कडीशनिंग या पाइलिंग, ब्रेकर कार्डिंग, फिनिशर कार्डिंग, फर्स्ट ड्राइंग, सेकंड ड्राइंग, थर्ड ड्राइंग और कटाई शामिल हैं।

29. विचाराधीन उत्पाद को कच्चे जूट की अलग-अलग गुणवत्ता/ग्रेड द्वारा उत्पादित किया जा सकता है, जिसमें पाउंड/प्लाई विनिर्देशन के रूप में उल्लिखित विभिन्न काउंट हो सकते हैं और उसमें माप की अलग-अलग इकाई भी हो सकती है। हितबद्ध पक्षों को भेजे गए पत्र में यह बताया गया था कि वर्तमान जॉच में माप की इकाई भार है। यदि सूचना माप की इकाई के रूप में संख्या में भेजी जाती है तो उसे

समतुल्य भार में परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए। किग्रा./एमटी में समान अंकन की उक्त नीति से सभी उत्पाद प्रकारों की कीमत के मूल्यांकन और उचित तुलना में आसानी होती है। अतः माप की इकाई अर्थात् एमटी उचित है।

30. विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीयूसी के अधीन सभी तीन उत्पाद प्रकारों की कच्ची सामग्री कच्चा जूट है। कच्चे जूट से सबसे पहले जूट यार्न/ट्वाइन उत्पादित की जाती है। इस जूट यार्न को या तो बाजार में बेचा जा सकता है या आगे कपड़ा और बैग बनाने के लिए प्रसंस्कृत किया जा सकता है। भारत, नेपाल और बंगलादेश में उत्पादक कच्चे जूट से सूतर से उत्पादों की भारी मात्रा का निर्माण करते हैं। कुछ उत्पादक खरीदे गए यार्न से कपड़ा या बैग बनाते हैं जबकि कुछ ने पूर्ववर्ती प्रक्रिया का समेकन कर लिया है।

31. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

*“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं।*

32. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि संबद्ध देशों से भारत में निर्यातित संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु से तुलनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित जूट उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित जूट उत्पाद भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर सकते और कर रहे हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत इन्हें ‘समान वस्तु’ माना जाना चाहिए। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी भारत में याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के ‘समान वस्तु’ मानते हैं।

33. पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद प्रकारों के बीच परिकलित सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की गई है। इसी नीति नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रश्नावली के उत्तर और कार्यस्थल पर सत्यापन में उपलब्ध कराई गए सूचना के आधार के रूप में अपनाया गया है।

#### **ख. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति**

34. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

*“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।*

#### **घरेलू उद्योग के विचार**

35. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. याचिकाकर्ता 17 याचिकाकर्ता कंपनियों की ओर से इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन है। याचिका दायर किए जाने के समय 15 याचिकाकर्ता कंपनियां थीं जिनका 36 प्रतिशत बाजार हिस्सा बनता था। उसके बाद, दो अन्य कंपनियों अर्थात् ईस्ट इंडिया कमर्शियल कं. लि. और गोंडलपारा जूट मिल (मुरलीधर रतनलाल एक्सपोर्ट्स लि. की इकाई) की क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की गई। अतः इन याचिकाकर्ता कंपनियों का पीयूसी के कुल उत्पादन में हिस्सा 42 प्रतिशत हो जाता है।
- ख. याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है।
- ग. कानून की सुस्थापित स्थिति के अनुसार, प्राधिकारी अपने स्वविवेक से ऐसे किसी उत्पादक जो या तो संबद्ध वस्तु के उत्पादक/निर्यातक से संबंधित हो या उसने संबद्ध वस्तु का आयात किया हो, को घरेलू उद्योग के दायरे में शामिल कर सकते हैं।
- घ. दिनांक 11 जून, 2015 की स्थिति के अनुसार निम्नलिखित उन्नीस कंपनियां बंद हो गई हैं:
  - i. डेल्टा लिमिटेड (यूनिट: डेल्टा मिल)-डेल्टा जूट मिल्स लि.
  - ii. नेशनल जूट मेनू कं. लि. (यूनिट : खारदा)
  - iii. एसेम जूट इंडस्ट्रीज लि.

- iv. तिरुपति जूट इंडस्ट्रीज लि.
- v. दि कलकत्ता जूट मेनु कं. लि.
- vi. प्रवारतक जूट मिल्स लि.
- vii. आरडीबी टैक्सटाइल्स लि. (यूनिट : विक्टोरिया जूट वर्क्स)
- viii. कंकनराह कं. लि.
- ix. नफर चन्द्र जूट मिल्स लि.
- x. डब्लू बी एगो टैक्ट कार्पो. लि. (यूनिट: भारत जूट मिल्स)
- xi. हुगली मिल्स कं. लि. (यूनिट: हुगली जूट मिल्स)
- xii. न्यू सेंट्रल जूट मिल्स कं. लि.
- xiii. दि नैहाटी जूट मिल्स कं. लि.
- xiv. आदित्य ट्रांसलिक प्रा. लि.
- xv. वीवरली जूट मिल्स प्रा. लि.
- xvi. एआई चंपडनी इंडस्ट्रीज लि. (यूनिट: एंग्लो इंडिया जूट मिल्स कं. लि.)
- xvii. मुरलीधर रतनलाल एक्सपोर्ट्स लि. (यूनिट : हेस्टिंग्स जूट मिल)
- xviii. नार्थब्रुक जूट कं. लि.
- xix. मुरलीधर रतनलाल एक्सपोर्ट्स लि.(यूनिट: इंडिया जूट मिल)

ड. याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है। प्रमुख हिस्सा एक पर्याप्त और महत्वपूर्ण हिस्सा होता है और इसका 50 प्रतिशत से अधिक होना आवश्यक नहीं है। ऐसा विभिन्न मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी की परिपाटी से साक्ष्यांकित होता है।

च. कोई चयन नहीं किया गया है। पर्याप्त उत्पादन वाली कंपनियों को याचिकाकर्ता कंपनियां माना गया है।

छ. प्रमुख हिस्सा को केवल याचिकाकर्ता के हिस्से के आधार पर समर्थकों के हिस्से को छोड़कर सिद्ध किया जा रहा है। समर्थकों की जानकारी यह देखने के लिए दी गई है कि कौन समर्थन कर रहा है और क्या समर्थन विरोध से अधिक है अथवा नहीं। अनुच्छेद 5.4 के अधीन यह विशिष्ट कानूनी अपेक्षा है।

#### **निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

36. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- (क) आयातों के परिणामस्वरूप बंद हुई उन्नीस कंपनियों के नाम और प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।
- (ख) अधिकतर याचिकादाता आयातक हैं और इसलिए उनका कोई आधार नहीं है। बाजार आसूचना से पता चलता है कि सिवाए हुकुमचंद जूट मिल्स कंपनी लिमिटेड, बोवरिहा जूट मिल प्राइवेट लिमिटेड, मुरलीधर रतनलाल एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (यूनिट: इंडिया जूट मिल्स) और मुरलीधर रतनलाल एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (यूनिट: हेस्टिंग्स जूट मिल्स), सभी अन्य आयातक हैं।
- (ग) याचिकादाताओं ने गलती से उल्लेख किया है कि केवल ग्लोस्टर और बज बज ने ही आयात किया है। इन दोनों कंपनियों को हटाने के बाद आधार का पुनःविश्लेषण किया जाना चाहिए।
- (घ) याचिकादाताओं के आयातों की मात्रा और उत्पादन में उनके हिस्से का भी प्रकटन किया जाना चाहिए।
- (ङ) नियम 2 (ख) के अनुसार 36% प्रमुख अंश नहीं बनता है।
- (च) याचिकादाताओं ने इच्छा से चुनाव किया (चैरी पिकिंग की) है क्योंकि उन्होंने केवल 15 कंपनियों को चुना है, जब कि याचिकादाताओं की एसोसिएशन में 91 मिलें और 31 सदस्य हैं।
- (छ) उत्पादन के प्रमुख अंश का निर्धारण करते समय याचिकादातों में से समर्थकों का विशेष रूप से श्रेणीबद्ध किया जाना चाहिए।
- (ज) 10 से अधिक याचिकादाता कंपनियां, बंगलादेश से विचाराधीन उत्पाद के सीधे आयात करती हैं और याचिकादाता ने स्वयं स्वीकार किया है कि उसने दो कंपनियों से आयात किए हैं।

- (झ) याचिकादाता का कोई आधार नहीं है और विश्व व्यापार संगठन की पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार उसका 36% का कुल उत्पादन होना, उसे घरेलू उद्योग होने के लिए अयोग्य बनाता है।

#### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदन पत्र, विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उद्योग की ओर से इंडियन मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया है। विचाराधीन उत्पाद के 34 सदस्य उत्पादक थे। याचिका दायर करते समय 15 कंपनियों ने भी पाटन-रोधी शुल्क लगाने की मांग की थी और उन्होंने अपनी क्षति संबंधी सूचना प्रदान की थी। इसके अतिरिक्त विचाराधीन उत्पाद के 14 उत्पादकों ने याचिका और पाटन-रोधी शुल्क लगाने का समर्थन किया है। इन 15 याचिकादाता कंपनियों का उत्पादन, संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन का 36% भाग बनता है।

38. विचाराधीन उत्पाद के भारतीय उत्पादन में इन 15 कंपनियों का उत्पादन का हिस्सा, 14 समर्थक कंपनियों के साथ 56% बनता है।

39. दो अन्य उत्पादक, नामतः मेसर्स ईस्ट इंडिया कमर्शियल कंपनी लिमिटेड और मेसर्स गोंडापारा जूट मिल्स ने आगे लागत और क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। उपरोक्त दोनों कंपनियों को शामिल करने के बाद घरेलू उद्योग का हिस्सा 42% बनता है। इनके ब्यौरे निम्नानुसार है:-

क्रमांक	याचिकादाता कंपनियां	क्रमांक	समर्थक कंपनियां
1.	बिरला कार्पोरेशन लिमिटेड	1.	अगरपारा
2.	बज बज कंपनी लिमिटेड	2.	जगतदल
3.	ग्लोस्टर लिमिटेड	3.	सनबीम वेनियत प्राईवेट लिमिटेड (एसबीपीएल)
4.	हुगली इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राईवेट लिमिटेड	4.	दि एम्पायर जूट कंपनी (ईजेसी)
5.	लुडले जूट एंड स्पेसिएलिटीज लिमिटेड	5.	दि हुगली मिल्स कंपनी लिमिटेड
6.	दि नाईहाटी जूट मिल्स कंपनी लिमिटेड	6.	ऑकलैंड इंटरनेशनल लिमिटेड
7.	बल्ली जूट कंपनी लिमिटेड	7.	ईस्ट इंडिया कमर्शियल कंपनी लिमिटेड
8.	बोवरिहा जूट मिल्स प्राईवेट लिमिटेड	8.	श्री बजरंग जूट मिल्स लिमिटेड
9.	इंडिया जूट मिल्स	9.	छत्तीसगढ़ जूट इंडस्ट्रीज
10.	रिलायन्स जूट मिल्स (आईएनटीएल) लिमिटेड	10.	विजय श्री लिमिटेड
11.	केलेडानियन जूट एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	11.	नेल्लीमरला जूट मिल्स कंपनी लिमिटेड
12.	हेस्टिंग्स	12.	महादेव जूट
13.	विक्टोरिया-आरडीबी- आधुनिक	13.	एआई चम्पडेनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
14.	कमारहट्टी कंपनी लिमिटेड	14.	दि महावीर जूट मिल्स लिमिटेड
15.	चेविओट कंपनी लिमिटेड		

40. प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं कि :-

(क) ऐसी स्थिति में जहां घरेलू उत्पादक ने विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है अथवा वह विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित है, ऐसे घरेलू उत्पादक को "घरेलू उद्योग" माने जाने के लिए के लिए नियम 2 (ख) के अंतर्गत स्वतः वर्जन है। ऐसे मामलों में प्राधिकारी अपने विवेक का प्रयोग करके घरेलू उत्पादक को एक घरेलू उद्योग माने जाने के लिए अलग-अलग मामले के आधार पर निर्णय ले सकते हैं।

(ख) प्राधिकारी ने अकेले जांच अवधि के दौरान (जो कि अप्रैल, 2014 - मार्च, 2015 तक की है) किए गए आयातों पर विचार किया है, जो कि नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग की पात्रता पर निर्णय लेने के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक है।

- (ग) प्राधिकारी यह मानते हैं कि यदि घरेलू उत्पादक ने एक व्यापारी से पटसन यार्न खरीदा है और उस व्यापारी ने उस घरेलू उत्पादक को बंगलादेश अथवा नेपाल में विनिर्मित पटसन यार्न प्रदान किया है, तो ऐसे उत्पादक को यार्न की ऐसी अधिप्राप्ति करने से नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने से अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है, यदि वह उस व्यापारी से संबंधित नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब कि कुछ उत्पादक, कच्चे पटसन की स्थिति से पूर्णतया पिछड़े हुए हैं, कुछेक आंशिक रूप से और कुछेक उत्पादक फैब्रिक का उत्पादन करने के लिए खरीदे गए यार्न पर ही पूर्णतया निर्भर रहते हैं।
- (घ) संबद्ध देशों में विनिर्मित तथा घरेलू बाजार से उत्पादकों द्वारा अधिप्राप्त किए गए पटसन यार्न की मात्रा, किसी भी स्थिति में बहुत कम है और उसके लिए उन्हें घरेलू उद्योग माने जाने की उनकी हकदारी से अयोग्य नहीं किया जाना चाहिए।
- (ङ) प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान 3 याचिकादाता कंपनियों नामतः कमारहट्टी कंपनी लिमिटेड, लुडलो जूट एंड स्पेशियलिटीज लिमिटेड अज़ैर चेवियोट कंपनी लिमिटेड ने क्रमशः 90, 25.42 और 1225 मी. टन मात्रा में पटसन यार्न के आयात किए थे। ऐसे आयात, उनके उत्पाद के क्रमशः 0.01%, .0001% और 14% भाग बनते हैं। एआई - चम्पदानी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, समर्थक कंपनी द्वारा 668 मी. टन के आयात किए गए हैं, लेकिन ये आयात विचाराधीन उत्पाद के नहीं हैं। आयातों की ऐसी मात्रा अत्यधिक न्यूनतम है और इसके लिए 3 याचिकादाता कंपनियों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने अथवा चौथी कंपनी नामतः एआई - चम्पदानी इंडस्ट्रीज लिमिटेड को एक समर्थक कंपनी के रूप में नहीं माना जाना, यथोचित नहीं है। मेसर्स ग्लोस्टर और बज बज ने भी विचाराधीन उत्पाद के छोटे और कम आयात किए हैं, लेकिन ऐसे आयात जांच अवधि से बाहर हैं। इसलिए किसी भी याचिकादाता कंपनी को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा गया है।
- (च) नियम 2 (ख) में समग्र घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग के रूप में परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने भारत में समान उत्पाद के अधिकतर उत्पादकों को यथा संभव शामिल किया है। इस कारण मात्र से कि एक उत्पादक ने कुछ फैब्रिक थैलों का उत्पादन, संबद्ध देशों में विनिर्मित पटसन यार्न से किया है, उसे घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के अयोग्य नहीं माना जाना चाहिए।
41. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने किसी भी घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के लिए महज इस कारण से कि ऐसी कंपनी ने घरेलू बाजार से संबद्ध देशों में विनिर्मित पटसन यार्न की कुछ मामूली मात्रा खरीदी है, अयोग्य नहीं माना है।
42. जांच शुरू किए जाने के चरण में याचिकादाता का आधार निम्नानुसार था :-

	उत्पादकों की संख्या	उत्पादन (मी.टन)	भारतीय उत्पादन में अंशदान
क्षति संबंधी सूचना देने वाली कंपनियां	15	436017	36%
शुल्क लगाने का समर्थन करने वाली कंपनियां	14	232463	19%
अन्य उत्पादक	64	535220	45%
कुल	93	1203700	

43. जांच शुरू किए जाने के बाद दो कंपनियों ने अपनी क्षति संबंधी संपूर्ण सूचना प्रस्तुत की है। इस प्रकार क्षति संबंधी सूचना प्रदान करने वाली याचिकादाता कंपनियों का अंश, याचिकादाता कंपनियों का समर्थन करने वाली कंपनियों का अंश तथा अन्य उत्पादकों का अंश निम्नानुसार है :-

	उत्पादकों की संख्या	उत्पादन (मी.टन)	भारतीय उत्पादन में अंशदान
क्षति संबंधी सूचना देने वाली कंपनियां	17	514985	42.78 %
शुल्क लगाने का समर्थन करने वाली कंपनियां	13	195473	16.24 %
अन्य उत्पादक	63	493242	40.98 %
कुल	93	1203700	100

44. इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि भारतीय उत्पादन में, क्षति संबंधी सूचना प्रदान करने वाली याचिकादाता कंपनियों का अंशदान 42.78 % बनता है। इसके अतिरिक्त भारतीय उत्पादन में, याचिकादाता कंपनियों का समर्थन करने वाली कंपनियों का अंश 16.24% बनता है। इस प्रकार याचिका को अब उन उत्पादकों का समर्थन प्राप्त हो गया है, जिनका समग्र उत्पादन भारतीय उत्पादन का 59.02 % बनता है। इसी प्रकार ही क्षति संबंधी सूचना प्रदान करने वाली कंपनियों का अंश 42.78% बनता है, जो कि विचाराधीन उत्पाद के भारतीय उत्पादन के रूप में अत्यधिक अंश है। इस तरह से ये कंपनियां सामूहिक रूप से नियम 2 (ख) के अंतर्गत भारतीय उद्योग बनती हैं। प्राधिकारी की सुसंगत विगत प्रथा के अनुसार तथा प्राधिकारी के रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को परिभाषित किया गया है।

45. घरेलू उद्योग के संविधान का इच्छा से चुनाव (चैरी पिकिंग) करने के कथित आरोप के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग समग्र उद्योग का प्रतिनिधिक है और यह आवश्यक नहीं है कि वह समग्र भारतीय उत्पादन बने। इस समय 17 याचिकादाता कंपनियां हैं जिन्होंने अपनी क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए हैं तथा इन्हें घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र के भीतर शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है कि याचिकादाता ने कुछ कंपनियों के चुनिन्दा रूप से आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और ऐसे आंकड़ों का इच्छा से चुनाव (चैरी पिकिंग) करने का रास्ता अपनाया है।

46. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए और कानूनी प्रावधानों पर ध्यान पूर्वक विचार करने के बाद प्राधिकारी का यह मानना है कि याचिकादाता कंपनियां, पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) नियम 5 (3) घरेलू उद्योग नियम 2 (ख) में उल्लिखित प्रावधानों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, अर्थात् नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के आधार और कार्य-क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करती हैं। इसलिए याचिकादाता कंपनियां, नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनती हैं।

47. आवेदन का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का अंश, घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन का पच्चीस प्रतिशत से भी अधिक है। इसके अतिरिक्त ऐसा माना जाता है कि आवेदन पत्र घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत किया गया है क्योंकि इसका समर्थन उन घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया है, जिनका सामूहिक उत्पादन, ऐसे घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित समान वस्तु के कुल उत्पादन का पचास प्रतिशत से भी अधिक है, जिसने आवेदन का, जैसी भी स्थिति हो, समर्थन अथवा विरोध किया है। याचिकादाताओं ने ऐसी आवश्यकता को स्पष्ट रूप से पूरा किया है।

#### ग. गोपनीयता

48. नियम 7 में सूचना की गोपनीयता के बारे में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है :-

**"7. गोपनीय सूचनाएं-** (1) नियम 6 के उप-नियम (1), (2), (3) और (7) और नियम 12 के उप-नियम (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उप-नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।"

#### घरेलू उद्योग के विचार

49. गोपनीयता के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(क) याचिकादाताओं ने केवल ऐसी गोपनीय सूचना की गोपनीयता का दावा किया है जो कि विधि के अंतर्गत सुरक्षित है।

(ख) वार्षिक रिपोर्टें सुलभता से उपलब्ध हैं तथा उन्हें बेवसाइट्स पर देखा जा सकता है।

(ग) याचिकादाताओं ने गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रस्तुत किए हैं सिवाए उनको छोड़ कर जिनका संक्षिप्त विवरण अतिसंवेदनशील हैं, जबकि इसके विपरीत हितबद्ध पक्षकारों ने सूचना की अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी है।

### निर्यातकों, आयातकों, ग्राहकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

50. गोपनीयता के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) आईवीए प्राचल गोपनीय हैं अथवा बिल्कुल नहीं दिए गए हैं अथवा सूचीबद्ध रूप में दिए गए हैं।
- (ख) वार्षिक रिपोर्टें जो कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध नहीं हैं, नहीं दी गई हैं।
- (ग) अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखी गई है, जो कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7 और व्यापारिक नोट्स 1 के अंतर्गत गोपनीयता की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करती है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

51. प्राधिकारी यह मानते हैं कि गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना, गोपनीयता के दावे की आवश्यकता को पर्याप्त रूप से पूरा करती है और जहां कहीं भी आवश्यक हुआ है, वहां गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया गया है। गोपनीय मानी गई किसी सूचना को अन्य हितबद्ध पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के ऐसे अगोपनीय वृत्तान्त, सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराए हैं।

### घ. विविध मुद्दे

#### घरेलू उद्योग के विचार

52. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना से यह प्रमाणित होता है कि समस्त आवश्यकताएं पूरी कर दी गई थीं।
- (ख) विचाराधीन उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए क्षति सूचना प्रदान करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- (ग) किसी भी परिस्थिति में प्रतिवादी ऐसी एक्सिल फाईलों का अभिगमन करने के लिए प्राधिकृत नहीं हैं। इसके बजाय ऐसे आयात के आंकड़े, एसोसिएशन से निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदान किए जाने चाहिए।
- (घ) आयातों के पृथक्कीकरण के लिए प्रयुक्त कार्य प्रणाली यह है कि -  
"विचाराधीन उत्पाद को अभिज्ञात किया गया है, जिसमें मद का विवरण हैसियन फैब्रिक, सैकिंग बैग्स और पटसन यार्न के रूप में पठित है, जो कि विचाराधीन उत्पाद के भीतर आते हैं, जहां कहीं भी मापन का यूनिट वर्ग मीटर है, वहां इसे भार (कि.ग्राम या मी.टन) में परिवर्तित कर दिया गया है, और वर्ग मीटर अथवा भार से भिन्न मापन के यूनिट को गैर-विचाराधीन माना गया है।"
- (ङ) प्रपत्र 4 क भाग 2 अर्थात् पटसन उत्पाद से, सरकार की अधिप्राप्ति को छोड़ कर, स्पष्टतया केवल खुले प्रचालनों का पता चलता है।
- (च) सरकारी संरक्षण से संबंधित सभी प्राचल, केवल विचाराधीन उत्पाद के एक भाग के रूप में लागू होते हैं।
- (छ) ऐसा कोई प्रमाण नहीं है जिससे यह सिद्ध होता हो कि बंगलादेश में रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जबकि भारतीय पटसन क्षेत्र के रोजगार पहले से ही प्रतिकूल रूप से प्रभावित है।
- (ज) बंगलादेश के लेखाकरण के मानक सुव्यवस्थित ढंग से विकसित हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ बंगलादेश (आईसीएबी) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स ऑफ बंगलादेश (आईसीएमएबी) देश के लेखाकरण मानकों को प्रतिबिंबित करते हैं। ऐसा कहा जा सकता है कि आईसीएमएबी की परीक्षा, अन्य परीक्षाओं में से सबसे कठिन परीक्षा होती है। आईसीएमएबी अपने पाठ्यक्रमों में लेखाकरण के सिद्धांत, कारोबार संप्रेषण और कार्यालय प्रबंधन, मध्यवर्ती वित्तीय लेखाकरण, लागत लेखाकरण आदि विषय भी शामिल करता है जो कि भारतीय प्रणाली के समान हैं।
- (झ) वास्तव में आईसीएमएबी, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एकाउंटेंट्स (आईएफएसी), कन्फेडरेशन ऑफ पेसिफिक एकाउंटेंट्स (सीएपीए), साउथ इंडियन फेडरेशन ऑफ एकाउंटेंट्स (एसएएफए) और इंटरनेशनल एकाउंटिंग स्टैंडर्ड बोर्ड (आईएसएबी) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण निकायों का सदस्य है।
- (ञ) इसके अतिरिक्त डीजीएडी नए किस्म की वित्तीय अथवा लेखाकरण सूचना की मांग नहीं करता है। डीजीएडी द्वारा अपेक्षित प्रपत्रों को, कंपनी की पहले से विद्यमान कॉस्टिंग और वित्तीय सूचना की श्रेष्ठ पुनर्व्यवस्था के रूप में माना जा सकता है। गुणवत्ता संबंधी आंकड़ों के प्रस्तुतीकरण की प्रवचना के लिए बंगलादेश सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।



- (ट) एसएएफटीए के अनुच्छेद 11 (क) के अनुसार संरचनात्मक उपायों में विशेष रूप से परामर्श और वचन शामिल हैं। परामर्श किए गए थे और संबद्ध देश द्वारा कीमत के वचन का कोई अनुरोध नहीं किया गया था और इसलिए इस पर विचार नहीं किया जा सकता है।
- (ठ) पाटन-रोधी शुल्क लागू करने से व्यवसाय करने का समानान्तर क्षेत्र सुनिश्चित होगा।
- (ड) व्यवसाय करने का समानान्तर क्षेत्र स्थापित करने से बेहतर कीमतें सुनिश्चित होंगी और किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा।
- (ढ) पाटित आयातों के संबंध में आपत्तियां हैं और न कि स्वतः आयातों से।
- (ण) हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई कारण नहीं बताया है या प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे यह पता चलता हो कि उक्त नियमों का किस तरह से उल्लंघन किया गया है।
- (त) निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े निरंतर जांच अवधि से संबंधित नहीं हैं क्योंकि निर्यातकों का लेखाकरण वर्ष 16 जुलाई से 15 जुलाई (नेपाल) तथा 1 जुलाई से 30 जून तक का होता है। कुछ "घटा" और "जमा" करके वित्तीय विवरण संरचित किए गए हैं और न कि लेखाकरण सिद्धांतों का अनुसरण करके ऐसा किया गया है।

### निर्यातकों, आयातकों, ग्राहकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

53. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना विधि की दृष्टि से निकृष्ट है और इस आधार पर जांच को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।
- (ख) याचिकादाताओं ने उत्पादों की तीन श्रेणियों के बाजार के हिस्से, घरेलू बिक्रियों और आयातों की मात्रा से संबंधित पृथक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं।
- (ग) प्रतिवादियों के लिए एमएस-एक्सिल प्रपत्र में अपरिष्कृत और छंटाई किए गए आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं।
- (घ) अपरिष्कृत आयात के आंकड़ों में से आंकड़ों की छंटाई करने की विधि के बारे में कोई कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है और जबकि कच्चे पटसन के आयात के बारे में इस प्रकार का स्पष्टीकरण दिया गया है।
- (ङ) अतिरिक्त संरक्षण देने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत सरकार कच्चे पटसन की कीमतों का निर्धारण करके, जेपीएमए के अंतर्गत अनिवार्य रूप से पटसन पेकेजिंग प्रक्रिया के अनुसरण में खाद्य मदों की पेकेजिंग करने के लिए देश में निर्मित पटसन बोरो का सांविधिक रूप से अनिवार्य प्रयोग करके तथा लागत जमा सूत्र पर आधारित कीमत का निर्धारण करे देश में निर्मित सैकिंग बैग्स की बलक अधिप्राप्ति करके, पटसन वस्तुओं के भारतीय उत्पादकों को पहले से सक्रिय रूप से संरक्षण प्रदान कर रही है।
- (च) बंगलादेश में पटसन क्षेत्र के निर्यात निष्पादन में किसी भी प्रकार का आघात पहुंचाने से उसकी रोजगार की स्थिति में गिरावट आएगी।
- (छ) प्रश्नावली में गुणवत्ता संबंधी आंकड़े इसलिए नहीं दिए जा सकते हैं क्योंकि बंगलादेश की लेखाकरण और वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणालियां, डीजीएडी के अनुसार अभी सुव्यवस्थित ढंग से विकसित नहीं है। बंगलादेश का पाटन-रोधी जटिल क्षेत्र में सीमित अनुभव है।
- (ज) एसएएफटीए के अनुच्छेद 11 (क) के अनुसार संरचनात्मक उपायों पर विचार किया जाना चाहिए।
- (झ) व्यापार का संतुलन अत्यधिक भारत के पक्ष में झुका हुआ है और पाटन-रोधी शुल्क लगाने से स्थिति और भी बदतर होगी।
- (ञ) व्यापार में व्याप्त अंतर की स्थिति बदतर होगी क्योंकि भारत के आयात बंगलादेश के आयातों से अधिक हैं।
- (ट) शुल्कों से उचित प्रतिस्पर्धा प्रभावित होगी और इनसे ग्राहकों को क्षति होगी।
- (ठ) किसान इस पर्यावरण अनुकूल उत्पाद की फसल को लगाने में हतोत्साहित होंगे।
- (ड) बंगलादेश ने भारत द्वारा उठाई गई मैत्रीपूर्ण चिंताओं पर पटसन उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध को तुरत हटा दिया है। इसके बदले प्रतिकारी उपयुक्त कार्रवाई की जानी चाहिए।
- (ढ) याचिकादाताओं ने आम सुनवाई में सामान्य निवेदन किए हैं और प्रतिवादियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर कोई विशिष्ट निवेदन नहीं किया है।
- (ण) नियम 8 और 9 (2) का अनुपालन नहीं किया गया है।

- (त) अनुचित लाभ मार्जिन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मिल्स बंगलादेश के कम गुणवत्ता युक्त पटसन का अत्यधिक मात्रा में आयात कर रही हैं, जिसका उपयोग सैकिंग का उत्पादन करने के लिए किया जा रहा है। इसलिए ऐसे आयात, भारतीय पटसन मिलों को सहायता दे रहे हैं।
- (थ) पटसन भारत और बंगलादेश दोनों की सामान्य परम्परा है तथा पाटन-रोधी शुल्क लगाने से इस उद्योग की संवृद्धि अवरूद्ध होगी।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

54. जांच शुरू करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी संबद्ध प्रक्रियाओं को पूरा किया गया था तथा वर्तमान मामले में जांच शुरू करने के संबंध में निर्धारित समस्त अपेक्षाओं का अनुसरण किया गया था। विचाराधीन उत्पाद पटसन उत्पाद है और याचिकादाताओं ने क्षति का निर्धारण करने के लिए ऐसी 3 किस्मों के उत्पादों की सूचना प्रदान की है, जिन्हें घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और बेची जाने वाली समान वस्तु माना जाए।

55. इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाताओं द्वारा अपरिष्कृत और छांटे गए आयात के आंकड़े, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराए जाने के लिए एमएस एक्सिल प्रपत्र में प्रदान किए जाने चाहिए थे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े, सार्वजनिक फाईल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

56. याचिकादाता द्वारा आंकड़ों की छंटाई करने की विधि के बारे में स्पष्टीकरण देने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकादाता ने अपने लिखित निवेदनों में इसका स्पष्टीकरण दे दिया है। जिस पर किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की गई है। प्राधिकारी ने उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर विशिष्ट पृथक निर्धारण का विश्लेषण किया है।

57. इस तर्क के संबंध में कि खुले बाजार प्रचालनों के लिए घरेलू उद्योग की लाभ/हानि की स्थिति में कोई स्पष्टता नहीं है, प्राधिकारी ने इस परिणाम में पृथक और विस्तृत विश्लेषण किया है। इसके अतिरिक्त याचिका में विभिन्न बाजार खंडों के संबंध में पृथक सूचना निहित है।

58. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को कोई अतिरिक्त संरक्षण देने की आवश्यकता नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क केवल अनुचित व्यापार प्रथा को सुधारने के लिए व्यापार करने का समान क्षेत्र सुनिश्चित करते हैं। इसे स्वतः एक संरक्षण के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

59. इस तर्क के संबंध में कि पाटन-रोधी शुल्क का बंगलादेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, यदि कोई भी शुल्क लागू किया जाता है, तो वह संबद्ध देशों से स्वतः आयात प्रतिबंधित नहीं हो जायेंगे, प्राधिकारी का यह मानना है कि इससे केवल आयात उचित कीमत पर होने लगेंगे।

60. बंगलादेश के लेखाकरण और वित्तीय रिपोर्टिंग प्रणालियों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध निर्यातकों ने संबद्ध सूचना प्रदान की है, जिसकी जांच प्रतिदर्श निर्यातकों के लिए भी की गई है। प्राधिकारी से जब कभी भी अनुरोध किया गया है, उन्होंने समय को पर्याप्त रूप से आगे बढ़ाया है और मार्गनिर्देशन किया है ताकि उत्पादक/निर्यातक सूचना प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकें।

61. संरचनात्मक उपाय करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जितना संभव हो सका है, एसएएफटीए में सुझाए गए संरचनात्मक उपायों पर विचार किया गया है।

62. व्यापार के संतुलन की चिंताओं के संबंध में प्राधिकारी यही दोहराते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने का प्रयास यही होता है कि समान स्तर का कार्य-क्षेत्र प्रदान किया जाए और उचित प्रतिस्पर्द्धी प्रथाओं को कायम किया जाए।

63. नियम 8 और 9 का अनुपालन करने के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की परिशुद्धता पर प्राधिकारी ने स्वतः संतुष्ट होने पर ही उसके आधार पर वर्तमान प्रकटन किया है।

64. प्राधिकारी ने संबंधित निर्यातकों के परिसरों पर जा कर मौके पर जांच की है, जिसके लिए संबंधित व्यक्तियों से सहमति प्राप्त की गई थी।

### **ड सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन**

65. धारा 9 क (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:-

*व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा*

जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा
- (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

### **घरेलू उद्योग के विचार**

66. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) संबद्ध उपयुक्त प्रयास करने के बाद भी याचिकादाता संबद्ध देशों से कीमत की कोई दस्तावेजी सूचना/प्रमाण प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सके हैं। इसलिए संरचित मूल्य उपागम पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है।
- (ख) डीजीसीआईएंड एसे के कारोबार-वार आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य को ध्यान में रखते हुए निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाओं के आधार पर विनिमय दर पर विचार किया गया है। उचित तुलना करने के लिए निर्यात कीमत को, समुद्री भाड़े, कमीशन, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों, अंतर-देशीय भाडों और बीमा जैसे व्यय के लिए समायोजित किया गया है।
- (ग) ऐसे समायोजन बाजार सूचना और अधिकतर संतुलित प्राक्कलनों के आधार पर सामान्य अनुभव के आधार पर किए गए हैं।
- (घ) पाटन मार्जिन का निर्धारण सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के अनुसार किया गया है तथा यह न केवल न्यूनतम है बल्कि अत्यधिक और पर्याप्त भी है।
- (ङ) चूंकि सामान्य मूल्य घरेलू खपत के मानदंडों के आधार पर संरचित किया जाता है, इसलिए खपत मानदंड व्यवसाय के प्रति संवेदी सूचना होते हैं, जो कि गोपनीय होती है तथा इसका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया जाना उपयुक्त नहीं है। घरेलू उद्योग के खपत के मानदंड कभी भी अगोपनीय वृत्तान्त में प्रकट नहीं किए जाते हैं।
- (च) प्रदत्त की गई निर्यात कीमत, निर्दिष्ट प्राधिकारी की सुसंगत प्रथा के अनुकूल है।
- (छ) "श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना" मानक, बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश पर भी लागू होगा। भारत और बंगलादेश विश्व भर में पांच शीर्ष पटसन उत्पादक देशों में से हैं। इसलिए वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य की संरचना करना अधिक उपयुक्त है।
- (ज) ऐसा कोई कानूनी आधार नहीं है कि किए गए प्रयासों को विस्तार से प्रमाणित किया जाए। तथापि, प्राधिकारी को यदि आवश्यकता होगी, तो याचिकादाता किए गए अपने प्रयासों के बारे में स्पष्टीकरण दे सकते हैं और यह बता सकते हैं कि वे कैसे विफल रहे।
- (झ) प्राधिकारी "श्रेष्ठ उपलब्ध सूचना" के आधार पर खपत मानदंडों को ले सकते हैं।
- (ञ) हेसियन फैब्रिकों के लिए कच्चे माल की अत्यधिक लागत होने के आरोप के संबंध में प्राधिकारी जैसा भी उचित समझे उसकी जांच कर सकते हैं।
- (ट) बांग्लादेश की कीमतें सामान्य मूल्य से बहुत अधिक हैं, ऐसा कहने मात्र से ही उसकी संपुष्टि नहीं हो जाती है।
- (ठ) बंगलादेश से पटसन उत्पादों के आयातों पर प्रतिकारी शुल्क के लिए याचिका के संबंध घरेलू उद्योग को प्राधिकारी के दिनांक 11 अप्रैल, 2016 का एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें यह बताया गया है कि बंगलादेश की सरकार के साथ जांच शुरू करने संबंधी परामर्श के आधार पर यह सहमति हुई थी कि उपरोक्त प्रतिकारी शुल्क याचिका को आस्थगित रखा जाए। सतत पाटन-रोधी जांच के निष्कर्ष के आधार पर इस पर पुनर्विचार करने के लिए इसे आस्थगित रखा गया था। इसलिए बंगलादेश के पटसन निर्यातकों को प्राप्त होने वाली सब्सिडी के संबंध में इसे शामिल किया जाना चाहिए।

**निर्यातकों, आयातकों, ग्राहकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

67. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) याचिकादाताओं ने सामान्य मूल्य के लिए खपत के मानदंड प्रदान नहीं किए हैं।
- (ख) जैसा दावा किया गया है, निर्यात कीमत के समायोजन किए जाने का कोई प्रमाण नहीं है।
- (ग) बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए सामान्य मूल्य संरचित नहीं किया जा सकता है।
- (घ) लागतों को अपनाए जाने के आधार के लिए कोई सार्थक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है तथा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए कथित प्रयासों और वे कैसे विफल रहे हैं, कोई महत्व नहीं रखते हैं।
- (ङ) सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय सहभागी निर्यातकों की खपत के मानदंडों पर विचार किया जाना चाहिए।
- (च) हेसियन फैब्रिक के लिए कच्चे माल की अत्यधिक लागत होने के कारण ही अत्यधिक पाटन मार्जिन हुआ है। हेसियन फैब्रिकों के लिए संरचित सामान्य मूल्य को अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।
- (छ) निर्यात कीमत का निर्धारण करने का आधार त्रुटिपूर्ण है और ये बिना किसी प्रमाण के है।
- (ज) निर्यातक ने दो मामलों का उल्लेख किया है अर्थात् आंध्र प्रदेश सरकार और अन्य बनाम के. ब्रह्मानंदम और अन्य तथा ग्वाटेमाला-पाटनरोधी जांच जोकि मैक्सिको से पोटलैंड सीमेंट के बारे में है।
- (झ) चूंकि भारत की तुलना में बंगलादेश में कच्चे पटसन, श्रमिक की लागतें और लागत के अन्य कारक निम्नतर हैं, इसलिए याचिका के अनुसार सामान्य मूल्य के दावे झूठे हैं।
- (ट) बंगलादेश की कीमतें सामान्य मूल्य से अधिक हैं।

**प्राधिकारी द्वारा जांच**

68. पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने उत्पाद की किस्मों अर्थात् पटसन यार्न/ट्वाईन (मल्टीपल फोल्डिड/केबिल्ड और एकल) हेसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स के स्तर पर अलग-अलग मद-वार तुलना करने पर विचार करने के साथ-साथ इनको पृथक रूप से स्वीकृत किया है।

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :-

*"व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा*

*जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-*

- (ग) *समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो ; अथवा*
- (घ) *उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;*

*परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।"*

70. चूंकि बंगलादेश के अधिकतर उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रतिवाद किया है, प्राधिकारी ने विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 6.10 और सीमा-शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के नियम 17 (3) के अनुसार प्रतिदर्श से संबंधित संबद्ध प्रावधानों के अनुसार प्रतिदर्श प्राप्त करने की कार्यवाही शुरू की है। संबद्ध प्रावधान निम्नानुसार हैं:-

**अनुच्छेद 6.10 :** "नियमत: प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद से संबंधित ज्ञात निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन का विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करेंगे। ऐसे मामलों में जहां शामिल निर्यातकों, उत्पादकों और आयातकों अथवा वस्तुओं की किस्मों की संख्या इतनी अधिक है कि उनका निर्धारण किया जाना अव्यवहारिक होता है, तो ऐसी स्थिति में प्राधिकारी सांख्यिकीय रूप से वैध प्रतिदर्शों का

उपयोग करके अपने निष्कर्षों में उसकी सीमा, हितबद्ध पक्षकारों अथवा वस्तुओं की उचित संख्या तक तय कर सकते हैं, जो कि ऐसे चयन के समय उपलब्ध सूचना के आधार पर होगी अथवा संबंधित देश से निर्यातों की मात्रा के सबसे अधिक प्रतिशत पर ऐसा चयन कर सकते हैं, जिसकी उचित रूप से जांच की जा सकती हो।

**अनुच्छेद 6.10.1:** इस पैराग्राफ के अंतर्गत निर्यातकों, उत्पादकों अथवा उत्पादों की किस्मों का किया गया चयन, अधिमानतः संबंधित निर्यातकों, उत्पादकों अथवा आयातकों के परामर्श से और सहमति से होगा।

**अनुच्छेद 6.10.2:** ऐसे मामलों को छोड़ कर जिनमें प्राधिकारियों ने अपनी जांच सीमित कर दी है, जैसा कि इस पैरा में दिया गया है, वे फिर भी किसी भी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन के विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करेंगे, जो कि जांच की प्रक्रिया के दौरान विचार करने के लिए समय पर आवश्यक सूचना प्रस्तुत कर देता है। लेकिन इनमें ऐसे मामले शामिल नहीं हैं, जिनमें निर्यातकों अथवा उत्पादकों की संख्या इतनी अधिक होती है कि प्राधिकारियों के लिए उनकी पृथक जांच कर पाना अत्यधिक भार युक्त कार्य होता है और ऐसा करने से जांच को समय पर पूरा करने में रूकावट आती है।"

**नियम 17 (3):** "निर्दिष्ट प्राधिकारी, जांच अधीन वस्तु से संबंधित ज्ञात निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन का विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करेंगे ;

बशर्ते कि ऐसे मामलों में जहां शामिल निर्यातकों, उत्पादकों और आयातकों अथवा वस्तुओं की किस्मों की संख्या इतनी अधिक है कि उनका निर्धारण किया जाना अव्यवहारिक होता है, तो ऐसी स्थिति में वह सांख्यिकीय रूप से वैध प्रतिदर्शों का उपयोग करके अपने निष्कर्षों में उसकी सीमा, हितबद्ध पक्षकारों अथवा वस्तुओं की उचित संख्या तक तय कर सकते हैं, जो कि ऐसे चयन के समय उपलब्ध सूचना के आधार पर होगी अथवा संबंधित देश से निर्यातों की मात्रा के सबसे अधिक प्रतिशत पर ऐसा चयन कर सकते हैं, जिसकी उचित रूप से जांच की जा सकती हो और इस परन्तुक के अंतर्गत निर्यातकों, उत्पादकों अथवा वस्तुओं की किस्मों का किया गया चयन, अधिमानतः संबंधित निर्यातकों, उत्पादकों अथवा आयातकों के परामर्श से किया जाए।

बशर्ते कि निर्दिष्ट प्राधिकारी, ऐसे मामले को छोड़ कर जहां निर्यातकों अथवा उत्पादकों की संख्या इतनी अधिक है कि उनकी उनकी जांच कर पाना अत्यधिक भार युक्त कार्य है और ऐसा करने से जांच को समय पर पूरा करने में रूकावट आती है, किसी भी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए पाटन के विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करेंगे, हालांकि जिसका चयन प्रारंभ में नहीं किया गया है, लेकिन जो समय पर सूचना प्रस्तुत कर देता है।"

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने 21.10.2015 को शुरू की गई पाटन-रोधी जांच के प्रत्युत्तर में बंगलादेश से विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावलियों के उत्तरों में से 26 निर्यातकों की प्रश्नावलियों के उत्तरों के नमूने लिए थे। ऐसे नमूनों का चयन, भारत में विभिन्न मात्राओं में निर्यात करने वाले निर्यातकों में से किया गया है। सभी संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों के विचार प्राप्त करने के बाद इन प्रतिदर्शों के आधार पर निम्नलिखित 12 उत्पादकों/निर्यातकों को एक प्रतिदर्श के बतौर निश्चित किया गया है। अगस्त, 2016 के दौरान इन सभी 12 प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों की स्थल पर जांच की गई है।

#### **प्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक**

1. सिडला टेक्सटाईल्स लिमिटेड
2. सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड
3. आफिल जूट बीविंग मिल्स लिमिटेड
4. जनता जूट मिल्स लिमिटेड
5. आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
6. प्राईड जूट मिल्स लिमिटेड
7. शरीफ जूट मिल्स लिमिटेड
8. अनवर जूटस्पिनिंग मिल्स लिमिटेड
9. अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड
10. सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड
11. हसन जूट मिल्स लिमिटेड
12. रहमान जूट स्पिनर्स प्राईवेट लिमिटेड

मेसर्ज एफिल जूट वीविंग मिल्स लिमिटेड और मेसर्ज रहमान जूट स्पिनर्स प्रा0 लिमिटेड ने हालांकि सत्यापन के लिए अपने आंकड़े प्रस्तुत किए थे, लेकिन उन्होंने सत्यापन के लिए लागत संबंधी रिकार्ड प्रस्तुत नहीं किए थे और इसलिए उन्हें अवशिष्ट श्रेणी में रखा गया है।

71. प्राधिकारी ने सभी प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों को विशिष्ट पृथक मार्जिन स्वीकृत किया है। नेपाल के मामले में सभी 4 सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों को विशिष्ट पृथक मार्जिन स्वीकृत करने पर विचार किया गया है। अप्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के भारित औसत पाटन मार्जिन की स्वीकृति, 3 किस्मों के उत्पादों के लिए पृथक रूप से अप्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रदान की गई है। अवशिष्ट श्रेणी के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए यह प्रस्ताव है कि प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के लिए किए गए विशिष्ट पृथक मूल्यांकन में से सर्वाधिक पाटन मार्जिन पर अथवा सर्वाधिक सामान्य मूल्य के साथ उनके लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों से निर्यात की न्यूनतम कीमत पर विचार किया गया है। अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक निम्नानुसार हैं:-

- (1) रहमान जूट स्पिनर्स प्राईवेट लिमिटेड
- (2) शमशेर जूट मिल्स
- (3) गोल्डन जूट मिल्स
- (4) पूरबी ट्रेडिंग
- (5) सोनाली अंश ट्रेडिंग (प्राईवेट लिमिटेड)
- (6) राजबाडी जूट मिल्स लिमिटेड
- (7) नोवापारा पैकेजिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (8) नोवापारा जूट मिल्स लिमिटेड
- (9) ऊषा जूट स्पिनर्स
- (10) बीएस जूट स्पिनर्स लिमिटेड
- (11) मदीना जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (12) नादर्नन जूट
- (13) जूट स्पिनर्स लिमिटेड
- (14) मेसर्ज नबाव अब्दुल मालिक जूट मिल्स (बीडी) लिमिटेड। हालांकि इस उत्पादक/निर्यातक ने ढाका के दौरे के दौरान स्थल पर सत्यापन करने के समय प्रतिदर्श का एक भाग बनाए जाने का अनुरोध किया था तथा उसके आंकड़ों का स्थल पर सत्यापन कर दिया गया था, लेकिन प्राधिकारी ने इस उत्पादक/निर्यातक को प्रतिदर्श में शामिल किए जाने के लिए उपयुक्त नहीं पाया है। इसलिए उसे अप्रतिदर्श श्रेणी में शामिल किया हुआ माना है।

72 क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए प्राधिकारी ने 3 किस्मों के उत्पादों नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन (मल्टीपल फोल्डड/केबिल्ड और एकल), हैसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स के लिए पृथक से औसत निर्यात कीमत का परिकलन करने पर विचार किया है। इन तीनों किस्मों के उत्पादों के लिए पहुंच मूल्य की तुलना पृथक रूप से 3 क्षतिरहित कीमत के साथ अलग-अलग वस्तु की तुलना करके की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि प्रतिदर्श में लगभग सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कोई घरेलू बिक्री नहीं है, इसलिए पाटन मार्जिन का निर्धारण, उत्पादन की सत्यापित लागत पर मूल्यांकित सीएनवी के आधार पर किया गया है।

#### **बंगलादेश के सभी प्रतिदर्श निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

नीचे \$ का तात्पर्य अमरीकी डालर से है।

#### **1. प्राईड जूट मिल**

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 2355 मी. टन का निर्यात, \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन, भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (व्याज का निवल) को जोड़ कर किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिद्वंद्वी निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	10-20

## 2. आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 915 मी. टन का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिद्वंद्वी निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	0-10

## 3. सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमि.

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 789 मी. टन का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिद्वंद्वी निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के

आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	0-10

#### 4. अलिजन पटसन मिल्स लिमि.

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 27 मी. टन का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा रेंज %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	0-10

उत्पादक/निर्यातक मै0 सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड से संबंधित है, और इसलिए इन दोनों को \*\*\*डालर/मी.टन (0-10%) का वही भारित औसत पाटन मार्जिन स्वीकार किया गया है।

#### 5. शरीफ पटसन मिल्स लिमि.

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 1295 मी. टन का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-



विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	20-30

#### 6. अनवर पटसन स्पिननिंग मिल्स लिमि.

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न की 1572 मी. टन का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	10-20

#### 7. हसन पटसन मिल्स लिमि.

उत्पादक/निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान भारत में पटसन यार्न और सेकिंग थैलों का निर्यात किया और उसे घरेलू बाजार में बेचा भी।

#### भारत में निर्यात

उत्पाद	मात्रा (मि. टन)	सकल ई पी (डॉ./ मि. टन)
यार्न	870	***
थैले	935	***
कुल	1,805	***

#### घरेलू बाजार में बिक्री

कोई तीसरे देश की बिक्री नहीं है बल्कि घरेलू बाजार में इसकी बिक्री नीचे दिए अनुसार हुई है :

उत्पाद	मात्रा/ मि. टन	सकल एस पी (डॉ. मि. टन)
यार्न	378	***
थैले	756	***

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन और सैकिंग बैग्स की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि भारत और घरेलू बाजार को की गई बिक्रियां समान नहीं हैं, इसलिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का उल्लेख किया गया है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन पाटन मार्जिन रेंज %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	-0 से -10
सैकिंग बैग्स	***	***	***	-20 से -30

## 8. जनता पटसन मिल्स लिमि.

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को 1312 मी.टन पटसन यार्न और 6.996 मी. टन हैसियन फ़ैब्रिक के निर्यात किए हैं, जिनकी क्रमशः एफओबी कीमत \*\*\*डालर/मी.टन और \*\*\*डालर/मी.टन है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन और हैसियन फ़ैब्रिक की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न और हैसियन फ़ैब्रिक के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत क्रमशः \*\*\* डालर/मी.टन और \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि क्रमशः \*\*\* डालर/मी.टन और \*\*\* डालर/मी.टन है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	0-10
हैसियन फ़ैब्रिक	***	***	***	-0 से -10

**9. सिडलॉ टेक्सटाइल्स लिमि.**

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को पटसन यार्न (7473 मी.ट.) और सैकिंग बैग्स (2758 मी.ट.) के निर्यात क्रमशः \*\*\* डालर/मी.टन और \*\*\* डालर/मी.टन की भारित औसत एफओबी कीमत पर किए हैं।

कोई घरेलू बिक्रियां नहीं हुई हैं।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन और सैकिंग बैग्स की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न और सैकिंग बैग्स के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण क्रमशः \*\*\* डालर/मी.टन और \*\*\* डालर/मी.टन किया गया है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जोकि क्रमशः \*\*\* डालर/मी.टन और \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा%
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	0-10
सैकिंग बैग्स	***	***	***	10-20

**10. सागर पटसन स्पिनिंग मिल्स लिमि.**

जांच अवधि के दौरान उत्पादक/निर्यातक ने भारत को 6068 मी. टन पटसन यार्न का निर्यात \*\*\*डालर/मी.टन की औसत एफओबी कीमत पर किया है।

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद नामतः पटसन यार्न/ट्वाइन की सभी कोटियों और किस्मों के लिए उत्पादन की लागत पर समेकित आंकड़े प्रदान किए हैं। तदनुसार निर्यातित विचाराधीन उत्पाद, नामतः पटसन यार्न के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का निर्धारण किया गया है जो कि \*\*\* डालर/मी.टन है।

भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन की भारित औसत लागत में \*\*\* लाभ (ब्याज का निवल) को जोड़ कर भारित औसत सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है, जो कि \*\*\* डालर/मी.टन बनता है।

प्राधिकारी मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स और एडवोकेट्स द्वारा बंगलादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से किए गए इस आशय के निवेदनों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को समान स्तर पर, सामान्यतः कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना करनी चाहिए। चूंकि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय आंकड़े, उत्पादन की कारखाना-गत लागत का आकलन करने में समर्थ नहीं हैं, इसलिए जैसा कि प्रकटन में पहले से ही संप्रेषित किया गया है, उत्पादन की लागत के आधार पर अर्थात् बिक्रियों की लागत के आधार पर स्थापित सामान्य मूल्य की तुलना भारत के सकल निर्यात कीमत से की गई है तथा इस अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन में उपयुक्त रूप से संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	20-30

चूंकि मै0 सिडला टेक्सटाइल्स लिमिटेड और सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड सामान्य निर्देशकों के कारण परस्पर रूप से संबंधित हैं, इसलिए उन्हें समान भारित औसत पाटन मार्जिन स्वीकृत किया गया है। यदि किसी प्रकार के उत्पाद नामतः यार्न/ट्वाइन, सैकिंग बैग अथवा हैसियन फैब्रिक का निर्यात किसी प्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक द्वारा नहीं किया गया है, तो उत्पादकों/निर्यातकों की अपशिष्ट श्रेणी के लिए यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित ऐसी उत्पाद की किस्म के लिए ऐसे उत्पादक/निर्यातक को स्वीकृत किया गया है।

ऐसा कोई भी उत्पादक/निर्यातक, जिसने जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार पुनरीक्षा करने के लिए आवेदन कर सकता है।

#### 11. अप्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों की श्रेणी

प्राधिकारी ने प्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक श्रेणी के लिए निर्धारित विशिष्ट पृथक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के आधार पर मूल्यांकित भारित औसत पाटन मार्जिन पर विचार किया है। इस भारित औसत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक श्रेणी के लिए यार्न/ट्वाइन और सैकिंग बैग के लिए स्वीकृत किया गया है। हैसियन फैब्रिक के मामले में निवेदन है कि चूंकि एक उत्पादक/निर्यातक का निर्यात न्यूनतम है, इसलिए प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखित कार्य प्रणाली के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अवशिष्ट उत्पादक/निर्यातक श्रेणी के लिए यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन स्वीकृत किया है।

विचाराधीन उत्पाद	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (अम.डॉ./मी.ट.)	पाटन मार्जिन सीमा (%)	क्षति मार्जिन सीमा (%)
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	10 - 20	20 - 30
सैकिंग बैग	***	***	10 - 20	10 - 20
हैसियन फैब्रिक	***	***	60 - 70	40 - 50

#### 12. बंगलादेश के अवशिष्ट/असहयोगी उत्पादक/निर्यातक

कमतर शुल्क नियम के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने के लिए प्राधिकारी ने पटसन यार्न/ट्वाइन और सैकिंग बैग्स के संबंध में प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के बीच अत्यधिक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन स्वीकृत करने का उल्लेख किया है। हैसियन फैब्रिक के मामले में प्रतिदर्श श्रेणी में एकमात्र उत्पादक/निर्यातक का निर्यात न्यूनतम है और बाकी प्रतिदर्श श्रेणी में शामिल उत्पादकों/निर्यातकों ने भारत को जांच अवधि के दौरान हैसियन फैब्रिक का निर्यात नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर अवशिष्ट/असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए हैसियन फैब्रिक के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है, क्योंकि वह बंगलादेश से केवल प्रतिदर्श निर्यातक के सामान्य मूल्य से भी सहयोजित हैं। जांच अवधि के दौरान डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार भारत को हैसियन फैब्रिक की भारित औसत निर्यात कीमत को, अवशिष्ट उत्पादक/निर्यातक श्रेणी के लिए इस किसम के उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ अपनाया गया है।

विचाराधीन उत्पाद	भारित औसत सामान्य मूल्य (\$/मी.टन)	भारित औसत सकल एफओबी निर्यात कीमत (\$/मी.टन)	पाटन मार्जिन सीमा (\$/मी.टन)	क्षति मार्जिन सीमा %
पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	20 - 30	30 - 40
सैकिंग बैग	***	***	10 - 20	10 - 20
हैसियन फैब्रिक	***	***	60 - 70	40 - 50

#### नेपाल के उत्पादकों/निर्यातकों का सामान्य मूल्य

##### 1. अरिहंत मल्टी-फाइबर लिमि.

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स अरिहंत मल्टी-फाइबर लिमि. ने भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी तीन उत्पाद प्रकारों का निर्यात किया है। इसके अलावा, घरेलू बाजार में सभी तीन उत्पाद प्रकारों की बिक्री तथा तीसरे देशों में दो उत्पाद प्रकारों अर्थात् यार्न/ट्वाइन तथा हैसियन फैब्रिक की कुछ मात्राओं का निर्यात भी हुआ है। तीन उत्पाद प्रकारों अर्थात् यार्न/ट्वाइन, सैकिंग थैले और हैसियन फैब्रिक के उत्पादन की औसत भारित लागत का मूल्यांकन क्रमशः \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन पर किया गया है। चूंकि उत्पाद के प्रकार बिलकुल अलग-अलग हैं और इसे ध्यान रखकर कि बिक्री की मात्राएं घरेलू बाजार और तीसरे देश दोनों में कम हैं,

प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य तय करने के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत पर \*\*\* का उचित लाभ (ब्याज का निवल) लागू किया है जो क्रमशः \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन होता है। उत्पादक/ निर्यातक द्वारा जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री का ब्यौरा तथा समायोजन नीचे दिया गया है :

#### भारत को बिक्रियां

पी यू सी	भारत	
	मात्रा (मि. टन)	कीमत (एन आर एस/ कि. ग्रा)
ट्वाइन/ यार्न	1117.4	***
सेकिंग थैले	12694.721	***
हेसियन (समग्र)	5403.18	***

प्राधिकारी नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना करने के संबंध में किए गए निवेदनों को नोट करते हैं, जिनमें यह बताया गया है कि समायोजन की दोहरी गणना की गई है। प्राधिकारी ने उस पर विचार किया है तथा जांच अवधि के दौरान भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत सहित उपयुक्त प्रतिलाभ के साथ बिक्रियों के स्तर की लागत पर उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर संरचित सामान्य मूल्य की तुलना की है। तदनुसार, पाटन मार्जिन में संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है :-

उत्पाद	एन वी (डॉ./ मि. टन)	भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत डी एम डॉ./ मि. टन	डी एम डॉ./ मि. टन	पाटन मार्जिन सीमा %
यार्न	***	***	***	0 - 10
हेसियन	***	***	***	-0 से -10
सेकिंग थैले	***	***	***	0 - 10

## 2. श्री रघुपति पटसन मिल्स लिमि.

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स रघुपति पटसन मिल्स लिमि. ने भारत में विचाराधीन उत्पाद के सभी तीन उत्पाद प्रकारों का निर्यात किया है। इसके अलावा, घरेलू बाजार में सभी तीन उत्पाद प्रकारों की बिक्री तथा तीसरे देशों में दो उत्पाद प्रकारों अर्थात यार्न/ ट्वाइन तथा हेसियन फेब्रिक की कुछ मात्राओं का निर्यात भी हुआ है। तीन उत्पाद प्रकारों अर्थात यार्न/ ट्वाइन, सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक के उत्पादन की औसत भारित लागत का मूल्यांकन क्रमशः \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन पर किया गया है। चूंकि उत्पाद के प्रकार बिलकुल अलग-अलग हैं और इसे ध्यान रखकर कि बिक्री की मात्राएं घरेलू बाजार और तीसरे देश दोनों में कम हैं, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य तय करने के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत पर \*\*\* का उचित लाभ (ब्याज का निवल) लागू किया है जो क्रमशः ट्वाइन, सेकिंग थैले तथा हेसियन फेब्रिक के लिए \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन होता है। उत्पादक/ निर्यातक द्वारा जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री का ब्यौरा तथा समायोजन नीचे दिया गया है :

#### भारत में बिक्रियां

पी यू सी	भारत	
	मात्रा (मि. टन)	कीमत (एन आर एस/ कि. ग्रा)
ट्वाइन/ यार्न	1467.6	***
सेकिंग थैले	8554.5	***
हेसियन (समग्र)	3253.03	***

प्राधिकारी नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना करने के संबंध में किए गए निवेदनों को नोट करते हैं, जिनमें यह बताया गया है कि समायोजन की दोहरी गणना की गई है। प्राधिकारी ने उस पर विचार किया है तथा जांच अवधि के दौरान भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत सहित उपयुक्त प्रतिलाभ के साथ बिक्रियों के स्तर की लागत पर

उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर संरचित सामान्य मूल्य की तुलना की है। तदनुसार, पाटन मार्जिन में संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है :-

उत्पाद	एन वी (डॉ./ मि. टन)	भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत डी एम डॉ./ मि. टन	डी एम डॉ./ मि. टन	पाटन मार्जिन सीमा %
यार्न	***	***	***	0-10
हेसियन	***	***	***	0-10
सेकिंग थैले	***	***	***	0-10

मैसर्स अरिहंत मल्टी-फाइवर्स लिमि. मैसर्स श्री रघुपति पटसन मिल्स लिमि. में प्रधान शेयर धारक हैं और वे दोनों उत्पादक/ निर्यातक से संबंधित हैं, अतः दोनों के लिए समान भारित औसत पाटन मार्जिन स्वीकृत किया गया है।

### 3. स्वास्तिक जूट मिल्स प्रा. लिमि.

प्राधिकारी नोट करते हैं उत्पादक/ निर्यातक ने भारत को विचाराधीन उत्पाद के 3 किस्मों के 5688.26 मि. ट. निर्यात किया है, जिसमें 1995.2 मि. ट. सेकिंग थैले, 2519.8 मि. ट. हेसियन फेब्रिक और 1173.26 मि. ट. यार्न/ ट्वाइन शामिल है।

उत्पाद	मात्रा मि. टन	एफ ओ बी डॉ./ मि. टन
यार्न	1,173.26	***
हेसियन	2,519.80	***
सेकिंग थैले	1,995.20	***

जांच की अवधि में उत्पादक/ निर्यातक की घरेलू बिक्री केवल \*\*\* एन आर ए है। चूंकि घरेलू बिक्री बहुत कम है और तीसरे देश को कोई बिक्री नहीं की गई है। अतः तय की गई सामान्य मूल्य पद्धति को अपनाया गया है।

तीन उत्पाद प्रकारों अर्थात् यार्न/ ट्वाइन, सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का मूल्यांकन \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन के रूप में किया गया है तथा \*\*\* लाभ को भारित औसत सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए क्रमशः \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन के रूप में जोड़ा गया है। उपर्युक्त के आधार पर पाटन मार्जिन का मूल्यांकन नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :

प्राधिकारी नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना करने के संबंध में किए गए निवेदनों को नोट करते हैं, जिनमें यह बताया गया है कि समायोजन की दोहरी गणना की गई है। प्राधिकारी ने उस पर विचार किया है तथा जांच अवधि के दौरान भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत सहित उपयुक्त प्रतिलाभ के साथ बिक्रियों के स्तर की लागत पर उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर संरचित सामान्य मूल्य की तुलना की है। तदनुसार, पाटन मार्जिन में संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है :-

उत्पाद	एन वी (डॉ./ मि. टन)	भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत डी एम डॉ./ मि. टन	डी एम डॉ./ मि. टन	पाटन मार्जिन सीमा %
यार्न	***	***	***	0 - 10
हेसियन	***	***	***	0 - 10
सेकिंग थैले	***	***	***	0 - 10

### 4. बाबा पटसन मिल्स प्रा. लिमि.

उत्पादक/निर्यातक ने भारत में सभी 3 उत्पाद प्रकारों अर्थात् ट्वाइन, सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक का निर्यात किया है। उत्पादक/ निर्यातक ने उल्लेख किया है कि उन्होंने ट्वाइन/ एच वी सी का निर्यात किया है न कि यार्न का। घरेलू बाजार में ट्वाइन और

एच वी सी की घरेलू बिक्री भारत में क्रमशः 768.18 मि. टन तथा 1520.500 मि. टन है। घरेलू बाजार में सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक की घरेलू बिक्री बहुत कम अर्थात् क्रमशः 8.7 मि. टन तथा 15.32 मि. टन भारत में क्रमशः 586.4 मि. टन तथा 909.5 मि. टन की तुलना में है और इस प्रकार से यह तुलना के लिए बहुत कम है। प्राधिकारी दो उद्देश्यों से घरेलू और निर्यात बाजार में इन उत्पादों की असमानता को देखते हुए सभी तीन उत्पाद प्रकारों, हेसियन फेब्रिक, ट्वाइन और सेकिंग थैले के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत पर \*\*\* लाभ को जोड़कर अलग-अलग रूप से गणना करने के लिए 'सामान्य मूल्य' अपनाया है। एन वी ट्वाइन, सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक के लिए क्रमशः \*\*\* डॉ./ मि. टन, \*\*\* डॉ./ मि. टन तथा \*\*\* डॉ./ मि. टन होता है। भारत में निर्यात कीमत पर समायोजनों के संबंध में टिप्पणियों के बारे में, उसका उपयुक्त रूप से समाधान कर लिया गया है और नीचे तालिका में दिया गया है :

उत्पाद	मात्रा मि. टन	एफ ओ बी डॉ./ मि. टन
यार्न	1,520.50	***
हेसियन	909.50	***
सेकिंग थैले	586.41	***

प्राधिकारी नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना करने के संबंध में किए गए निवेदनों को नोट करते हैं, जिनमें यह बताया गया है कि समायोजन की दोहरी गणना की गई है। प्राधिकारी ने उस पर विचार किया है तथा जांच अवधि के दौरान भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत सहित उपयुक्त प्रतिलाभ के साथ बिक्रियों के स्तर की लागत पर उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर संरचित सामान्य मूल्य की तुलना की है। तदनुसार, पाटन मार्जिन में संशोधन किया गया है, जोकि निम्नानुसार है :-

उत्पाद	एन वी (डॉ./ मि. टन)	भारत को सकल एफओबी निर्यात कीमत डी एम डॉ./ मि. टन	डी एम डॉ./ मि. टन	पाटन मार्जिन %
यार्न	***	***	***	0 - 10
हेसियन	***	***	***	0 - 10
सेकिंग थैले	***	***	***	0 - 10

मैसर्स नेपाल पटसन मिल्स और मैसर्स चन्द्र शिवा पटसन मिल्स प्रा. लिमि. ने नेपाल के निर्यातकों का मौके पर सत्यापन करने के बाद प्रश्नावली का उत्तर देने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है क्योंकि यह अनुरोध जांच के अंतिम चरण में किया गया था और वह भी मौके पर सत्यापन के बाद। मैसर्स नेपाल पटसन मिल्स और मैसर्स चन्द्र शिवा पटसन मिल्स प्रा. लिमि. को इस कारण से शेष श्रेणी में रखा गया है।

#### 5. नेपाल के अवशिष्ट/सहयोगी उत्पादक/निर्यातक

कमतर शुल्क नियम के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने के लिए यार्न/ट्वाइन, सेकिंग बैग और हेसियन फेब्रिक में अवशिष्ट श्रेणी में उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के आंकड़ों से अत्यधिक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को अपनाया है। पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.ट.)	क्षति मार्जिन (अम.डॉ./मी.ट.)	पाटन मार्जिन सीमा (प्रतिशत)	क्षति मार्जिन सीमा (प्रतिशत)
जूट यार्न/ट्वाइन	***	***	0 - 10	40 - 50
सेकिंग बैग	***	***	0 - 10	10 - 20
हेसियन फेब्रिक	***	***	0 - 10	0 - 10

#### क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

73. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू

उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क को लगाने के लिए आवेदन भारतीय पटसन मिल्स एसोसिएशन (आई जे एन ए) द्वारा अपने सदस्य की ओर से दायर की गई है, जिसका भारत संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है। नियमावली के नियम 2(ख) के संबंध में याचिकाकर्ता कंपनियों को इस जांच के उद्देश्य से घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। इस कारण से इस निर्धारण के उद्देश्य से, की याचिकाकर्ता जो नियम 2(ख) में दी गई परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग हैं, की क्षति और लागत की सूचना की जांच की गई है।

#### **घरेलू उद्योग का विचार :**

75. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के निर्धारण के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
- क. विचाराधीन उत्पाद का एक बहुत बड़े हिस्से की खपत सरकारी क्षेत्र द्वारा की जाती है, जिसमें आयात किये गए उत्पाद घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। अतः याचिकाकर्ताओं ने घरेलू उद्योग द्वारा सरकारी क्षेत्र को की गई बिक्री को अलग कर दिया है।
  - ख. संबद्ध देशों से आयातों में इस देश में उत्पाद की मांग में गिरावट के बावजूद बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
  - ग. आयातों में स्वतंत्र रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना वृद्धि हुई है।
  - घ. ये आयात कीमत वृद्धि को रोक रहे हैं, जो पाटित आयातों के न होने की स्थिति में हुई होती।
  - ङ. संबद्ध वस्तुओं की मांग में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है। हालांकि संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है।
  - च. घरेलू उद्योग की बिक्री में जांच की अवधि में बहुत अधिक गिरावट आई है।
  - छ. उत्पादन और क्षमता का उपयोग वस्तुओं की मांग के अनुरूप रही है। उत्पादन में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है।
  - ज. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति की अवधि में बहुत अधिक गिरावट आई है और यह 2013-14 और जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक रही थी।
  - झ. उपर्युक्त कारकों के कारण, निवेश पर आय तथा घरेलू उद्योग की नकद लाभ में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है और यह जांच की अवधि में नकारात्मक हो गई है।
  - ञ. घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है। आयातों की अवतरित मूल्य लागत के स्तर से कम है और इस कारण से यह घरेलू उद्योग को लागतों में वृद्धि के स्तर तक अपनी कीमतों को बढ़ाने से रोक रहा है।
  - ट. घरेलू उद्योग द्वारा तथा संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा दी जा रही कीमतों के बीच बहुत अधिक अंतर है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को बिक्री की मात्रा में बहुत अधिक कमी का सामना करना पड़ा जो संबद्ध देशों से पाटित आयातों का प्रत्यक्ष परिणाम है।
  - ठ. आयात किए गए उत्पाद से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को लागत वृद्धि की सीमा तक अपनी कीमतों को बढ़ाने से रोका गया है।
  - ड. लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में गिरावट पाटित आयातों का परिणाम है।
  - ढ. संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
  - ण. घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में पाटित आयातों के मौजूद रहने के कारण गिरावट आई है।
  - त. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कीमत दबाव के प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को बहुत अधिक घाटा हुआ है।
  - थ. घरेलू उद्योग की वृद्धि अनेक मानदंडों के कारण नकारात्मक हो गई।



- द. विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति, खपत के पैटर्न, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं, प्रौद्योगिकी के विकास में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- ध. यद्यपि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है फिर भी इसने घरेलू बिक्री के लिए अलग से लागत और कीमत के संबंध में सूचना नहीं दी है। ऐसे निर्यातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।
- न. आयातों का बढ़ा हुआ हिस्सा बंगलादेश में प्रतिकूल बाजार स्थिति के कारण हुई है। बंगलादेश के मामले में 8 मार्च, 2015 और 11 जुलाई, 2016 के दो प्रैस रिपोर्ट स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि बंगलादेश में प्रतिकूल बाजार स्थितियों तथा वैश्विक मांग में कमी के कारण भारत जैसे देशों में बहुत अधिक निर्यात किया जा रहा है। ये रिपोर्ट भारतीय बाजार में 300 करोड़ रुपये के मूल्य वस्तुओं की बिक्री को दर्शाते हैं और बंगलादेश द्वारा भारत में संकेंद्रित पाटन को सिद्ध करते हैं।
- प. नेपाल में खपत बहुत अधिक सीमित है और इन क्षमताओं की स्थापना केवल भारतीय बाजार को लक्ष्य बनाकर की गई है।
- फ. अरिहंत मल्टी फाइबर्स का निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर नेपाल सरकार से प्राप्त विभिन्न छूट और आर्थिक सहायता को दर्शाता है। उन्हें आयकर में बहुत अधिक छूट मिलती है, बिजली में आर्थिक सहायता मिलती है तथा पटसन मिल मशीनरी के स्टोर स्पेयर्स पार्ट्स के आयातों पर आयकर तथा मूल्यवर्धित कर के संबंध में आर्थिक सहायता मिलती है।
- ब. याचिका के चरण में क्षति मार्जिन दिए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- भ. एन सी वी का अनुबंध यह दर्शाता है कि उसे सभी तीन मानदंडों पर घाटा हुआ है। इस कारण से लेखांकन संबंधी कोई त्रुटि नहीं हुई है, जैसा की आरोप लगाया गया है।
- म. सरकारी खरीद के कारण किसी क्षति को अलग नहीं किया गया है, जो कानून द्वारा अपेक्षित है। भ्रष्टाचार के किसी मुद्दे का वर्तमान मामले में क्षति के निर्धारण पर कोई प्रभाव नहीं है।
- य. जब क्षति के अन्य कारण हों, तब पाटन क्षति का एकमात्र अथवा प्रमुख कारण नहीं हो सकता है। ई सी में, ब्रदर इण्डस्ट्रीज बनाम काउंसिल के मामले में कोर्ट ऑफ जस्टिस ने यह कहा है कि किसी उद्योग की दिक्कतों के लिए पाटन को छोड़कर कोई अन्य कारण आंशिक रूप से जिम्मेदार हो सकता है, यह इसे पाटित आयातों द्वारा हुई क्षति के विरुद्ध संरक्षण से वंचित करने का कोई कारण नहीं माना जा सकता है। विभिन्न मामलों में जैसे सिनोचेम बनाम काउंसिल, पेट्रो रब तथा रिपब्लिका बनाम काउंसिल, मोजर बेयर बनाम काउंसिल में यूरोपीय समुदाय ने इस दृष्टिकोण को अपनाया है कि अन्य कारकों में से एक अथवा उससे अधिक ऐसे कारक न हों, जिससे पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध टूट सकें। वास्तव में व्यापक रूप से यह माना जाता है कि यदि पाटित आयात और किसी उद्योग को पर्याप्त क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध हो, तब यह स्पष्ट नहीं होता है कि किस प्रकार से उस संबंध को अन्य क्षतिकारक कारणों के होने मात्र से तोड़ा जा सकता है।
- र. यद्यपि मांग और आपूर्ति में अंतर है फिर भी उसे पाटित आयातों से पूरा नहीं किया जा सकता है।
- ल. संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है यह 700 करोड़ का है, जो बहुत बड़ा बाजार हिस्सा होता है।
- व. कीमत में कटौती के संबंध में केवल एक रेंज दिया गया है। यह मानने का कोई कारण नहीं है कि हितबद्ध पक्षकारों के आरोप सही हैं।
- श. घरेलू उद्योग कुल भारतीय उत्पादन नहीं हो सकता है।
- ष. सिंथेटिक थैलों द्वारा प्रतिस्थापन मांग में गिरावट के लिए जिम्मेदार है। हालांकि, आयातों ने मौजूदा मांग का एक बहुत बड़ा हिस्सा ले लिया है।
- स. मजदूरी में वृद्धि सामान्य मजदूरी वृद्धि का हिस्सा है और यह किसी खास कंपनी अथवा उद्योग के लिए नया नहीं है। यदि उत्पादन की लागत प्राकृतिक कारणों जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि अथवा मजदूरी में वृद्धि के कारण बढ़ी है, तब याचिकाकर्ता से अनुरोध है कि वे उस अनुपात में अपनी बिक्री की कीमत में वृद्धि करें। वास्तव में नियमावली स्पष्ट रूप से इस बात को मान्यता देती है और इसमें यह उपबंध है कि प्राधिकारी इस बात का परीक्षण करेंगे कि आयात से कीमत में वृद्धि रुक रही है। कीमतों में वृद्धि का तार्किक कारण अनेक हो सकते हैं जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि, यूटिलिटी की कीमतों में वृद्धि, मजदूरी में वृद्धि, ब्याज दरों में वृद्धि आदि। उत्पादन की लागत में वृद्धि के कारण चाहे जो भी हों, यह नियमावली स्पष्ट रूप से इस बात को मानती है और इससे संबंधित इसमें प्रावधान है कि क्या आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को बढ़ाने से रोका है। यदि ऐसा है तब इस पर अवश्य विचार किया जाना चाहिए पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

- ह. यदि उत्पाद की कीमतों में लागत में वृद्धि के बावजूद वृद्धि हो सकती है, तब यह अवश्य माना जाना चाहिए कि आयात बाजार में कीमत की वृद्धि को रोक रहा है।
- क्ष. घरेलू उद्योग द्वारा निर्यातों में बहुत अधिक कटौती नहीं की गई है।
- त्र. बंगलादेश का लागत लाभ अपने आप में पाटन को न्यायोचित नहीं ठहराता है। लागत लाभ होने के बावजूद बंगलादेश पटसन मिल्स को बहुत अधिक आर्थिक सहायता मिल रही है, जो घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति को और अधिक बढ़ा रहा है।
- ज्ञ. यदि विनियम दर में कोई उतार-चढ़ाव हुआ है तब यह कच्चे माल तथा तैयार उत्पाद दोनों के लिए सही है। जब कि तैयार उत्पाद पूर्णरूप से विनियम दर में उतार-चढ़ाव से प्रभावित हो सकता है, कच्चे माल की कीमत घरेलू उद्योग की सिर्फ उस सीमा तक विनियम दर में उतार चढ़ाव से प्रभावित हो सकता है, जितना की उसके द्वारा आयात किया जा रहा है। हालांकि, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत का एक बहुत बड़े हिस्से पर विनियम दर में उतार-चढ़ाव का प्रभाव नहीं पड़ा है।
- कक. किसी भी याचिकाकर्त्ता कंपनी पर भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा दंड नहीं लगाया गया है।
- खख. सरकारी कोटे पर क्षति की अवधि के दौरान कोई प्रतिबंध नहीं लगा था। वर्तमान मामले में भविष्य में ऐसा होने की संभावना निराधार है।
- गग. याचिकाकर्त्ताओं ने भाग लेने वाली कंपनियों के आर्थिक कार्य निष्पादन के आधार पर क्षति का दावा किया है। उस पर पंजाब में छापे मारी से संबंधित ऐसे कारणों से कोई प्रभाव नहीं पड़ा था।
- घघ. सरकार द्वारा तथाकथित संरक्षण एक सीमित क्षेत्र में है और यह विचाराधीन उत्पाद पर समतुल्य रूप से प्रभाव नहीं डालता है।
- ङङ. सरकारी खरीद ऑर्डर आधार पर होती है जिसे घरेलू उद्योग पूरा करने में सक्षम है। जहां तक सेकिंग थैलों का प्रश्न है, खुले बाजार में इसकी बहुत अधिक बिक्री होती है।
- च. जांच की अवधि में नेपाल का प्रतिशत 26 प्रतिशत है, जो बहुत मामूली है।

#### निर्यातको, आयातों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

76. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. याचिका में क्षति मार्जिन का कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है।
- ख. याचिका में कोई लेखांकन त्रुटि नहीं है क्योंकि कुल लाभ/ हानि लाभ को दर्शाता है जबकि ब्याज और कर पूर्व नकद लाभ घाटे को दर्शाता है। यह एक त्रुटि है क्योंकि बाद वाले दो लाभ मात्रा में अधिक हैं क्योंकि इसे वास्तविक लाभ में जोड़ा गया है।
- ग. घरेलू उद्योग को क्षति के लिए अन्य कारक जिम्मेदार हैं। सरकार को बिक्री तथा याचिकाकर्त्ताओं में भ्रष्टाचार के कारण क्षति हुई है और इसे समान भार दिया जाना चाहिए। जापान से हॉट रॉल्ल्ड वाली स्टील उत्पाद पर इस संबंध में विश्वास नहीं किया गया है।
- घ. आयात की सभी मात्रा घरेलू मांग के अनुरूप है।
- ङ. संबद्ध देशों से आयात का एक सीमित बाजार हिस्सा है और इस कारण से वे क्षति नहीं कर सकते हैं।
- च. एक समान कीमत कटौती से घाटों में इतना अधिक उतार-चढ़ाव नहीं हो सकता है।
- छ. प्राधिकारी को उस आंकड़े के बजाय घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर क्षति का निर्धारण करना चाहिए जो समान उत्पाद के घरेलू उत्पादों के केवल एक हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है।
- ज. लाभ/ हानि की तुलनात्मक प्रवृत्ति तथा आयात की मात्रा यह दर्शाती है कि संबद्ध देशों के लिए आयातों के परिणामस्वरूप कोई क्षति नहीं हुई है तथा अन्य बाजार कारण प्रभावी हैं।
- झ. प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा सेकिंग थैलों के प्रतिस्थानापन के रूप में सिंथेटिक्स थैलों का अधिक उपयोग होता है, जिसे बिरला कारपोरेशन और चेवियट कंपनी के लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्टों में देखा जा सकता है।
- ञ. यदि बिरला कारपोरेशन लूडलो जूट एंड स्पेशलिटी लिमि. की लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्टों को देखा जाए, तब मजदूरी में अचानक और अधिक वृद्धि हुई है।

- ट. बिरला कारपोरेशन, ग्लोस्टर लिमि., नेहाटी जूट मिल्स कंपनी लिमि., लूडलो जूट और स्पेस्पेशलिटी लिमि. की लेखा परीक्षा संबंधी रिपोर्ट दर्शाती है कि कच्चे पटसन के उत्पादन में गिरावट आई है, जिसके फलस्वरूप कीमतों में वृद्धि हुई है और लागतों और घाटों में वृद्धि हुई है।
- ठ. यह क्षति जूट पेकेजिंग सामग्री अधिनियम, 1987 (वस्तुओं की पेकेजिंग अनिवार्य प्रयोग) (जे पी एम ए) की शर्तों में शिथिलता की वजह से हुई है क्योंकि इससे घरेलू उद्योग के एकाधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि प्रयोक्ता वस्तुओं की पैकिंग के लिए अन्य विकल्पों का उपयोग करना शुरू कर दिया है।
- ड. घरेलू उद्योग निर्यात में घरेलू उद्योग द्वारा बहुत अधिक कमी को मानता है।
- ढ. बंगलादेश पटसन मिल्स को लागत का लाभ मिलता है।
- ण. क्षति विनियम दर की जोखिम में उतार-चढ़ाव तथा उसे कम करने के उपायों के कारण ही है।
- त. 2014 में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए पटसन मिलों तथा गनी व्यापार निकायों पर जुर्माना भी लगाया है।
- थ. सरकारी कोटे में पटसन क्षेत्र पर प्रतिबंध का खतरा है।
- द. मिलों पर पंजाब में छापेमारी पटसन उद्योग द्वारा सामाना किये जा रहे संकट के महत्वपूर्ण कारणों में से एक है।
- ध. घरेलू उद्योग को सरकार द्वारा नियंत्रित कीमतों पर बिक्री करने के कारण क्षति हो रही है।
- न. भारत सरकार पटसन के भारतीय उत्पादकों का संरक्षण कर रही है और किसी प्रकार का शुल्क मुक्त बाजार क्रियाकलापों के लिए धक्का साबित होगा।
- प. भारतीय पटसन मिलें सरकार की संपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं और इस कारण से वे खुले बाजार में सेकिंग थैलों का विक्रेता नहीं हैं।
- फ. यह क्षति अन्य कारकों जैसे कच्चे पटसन की अपर्याप्त आपूर्ति, कुशल जनशक्ति की कमी, श्रमिक की मजदूरी में वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक कर तथा ह्रास, सरकारी खरीद में कमी, सरकार की पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थता के कारण है तथा घरेलू बिक्री का 70 प्रतिशत से अधिक सरकार द्वारा नियंत्रित कीमतों पर होता है।
- ब. नेपाल से आयातों का प्रतिशत बहुत कम है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।
- भ. नेपाल भारत को पटसन यार्न का निर्यात नहीं करता है इसलिए नेपाल से यार्न के संबंध में कोई संचयी आकलन नहीं होना चाहिए।
- म. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है।
- य. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में (क) पाटित वस्तुओं की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए मूल्यों पर पाटित आयात का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों कि वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा के प्रभाव की जांच करते समय प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस बात की जांच करें कि भारत में उत्पादन अथवा खपत के मामले में या तो पूर्ण रूप में अथवा उसके सापेक्ष पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के मूल्य के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस बात की जांच करे कि भारत में समान उत्पादों के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक मूल्य में कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से मूल्यों में काफी हद तक गिरावट होनी है अथवा मूल्य में वृद्धि में रुकावट आयेगी जो काफी हद तक अन्य प्रकार से हो गया होता।
- र. आयातों का ऐतिहासिक विश्लेषण केवल 9 महीने (अप्रैल 2014 से दिसंबर 2014) पर विचार करने के बजाय 5 वर्षों के लिए किया जाना चाहिए।
- ल. जांच की अवधि में भारत में सरकारी खपत में कमी कम घरेलू बिक्री का कारण है।
- व. संबद्ध देशों में पी यू सी की लागत और सामान्य मूल्य, भारत और अन्य बाजारों में पी यू सी की निर्यात कीमत, उस कीमत जिस पर पी यू सी को भारतीय घरेलू बाजार में बेचा जा रहा है, भारत द्वारा इन सामानों का आयात शुरू करने तथा भारत द्वारा बंगलादेश से इन सामानों का आयात करना शुरू करने के बाद आई जे एम ए सदस्यों द्वारा पी यू सी के घरेलू उत्पादन के संबंध में ऐतिहासिक विश्लेषण, भारत द्वारा बंगलादेश से इन सामानों का आयात करने के पूर्व और उसके बाद आई जे

एम ए द्वारा पी यू सी की घरेलू बिक्री, सभी पी यू सी का अलग-अलग उत्पाद विशिष्ट विश्लेषण, आई जे एम ए के सभी सदस्यों का ऐतिहासिक उत्पाद विशिष्ट लाभ और घाटे का विश्लेषण तथा ऐतिहासिक लेखा परीक्षित तुलन पत्र तथा अन्य वित्तीय विवरण के संबंध में सूचना नहीं दी गई है।

- श. बंगलादेश से आयात इतना कम है कि यह भारत में घरेलू बाजार पर कीमत के संबंध में प्रभाव नहीं डाल सकता।
- ष. घरेलू उद्योग को कोई क्षति बंगलादेश में उपलब्ध आयात उत्कृष्ट यार्न और हेसियन के लिए ही नए बाजार मांगों के उत्पन्न होने तथा क्षमता में कमी के कारण और न कि पाटित आयातों के कारण हुई है।
- स. भारतीय उत्पादन का 70 प्रतिशत अनिवार्य रूप से सरकार द्वारा आश्वस्त होता है तथा इस कारण से बंगलादेश का पी यू सी घरेलू उद्योग पर कीमत अथवा लाभ अथवा वित्तीय रूप से प्रभाव नहीं डाल रहा है।
- ह. बंगलादेश से पी यू सी के निर्यातकों द्वारा कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है। कीमतें बंगलादेश में श्रम की अपेक्षाकृत कम लागत तथा उत्कृष्ट कच्चे माल की अपेक्षाकृत कम कीमत के कारण प्रतिस्पर्धी है।
- क्ष. जे पी एम ए को आई जे एम ए तथा गैर-आई जे एम ए विनिर्माताओं की घरेलू मांग को पूरा करने में असमर्थता और अक्षमता के कारण कम किया गया है।
- त्र. पंजाब सरकार द्वारा 7,00,000 गांठ के स्थान 300,000 गांठ का आदेश देने के निर्णय के कारण क्षति हुई है क्योंकि भारतीय मिलों द्वारा घटिया, अपेक्षाकृत निम्न कोटि के और पुराने थैलों की आपूर्ति की गई थी।
- ज. पाटनरोधी शुल्क लगाने से व्यापार असंतुलन और बढ़ेगा।
- कक. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा (iv) में निम्नलिखित उल्लेख किया है :-

खख. (iv) "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

- गग. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड गिरावट को दर्शाते हों। कुछ मानदंड गिरावट दर्शा सकते हैं जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति संबंधी सभी मानदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं।
- घघ. प्राधिकारी ने अनुरोध में दिए गए तथ्यों और तर्कों पर विचार करने के बाद वस्तुपरक ढंग से क्षति संबंधी मानदंडों का परीक्षण किया है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

77. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए अनुरोधों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग को क्षति की जांच की है।
78. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में (क) पाटित वस्तुओं की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए मूल्यों पर पाटित आयात का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों कि वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा के प्रभाव की जांच करते समय प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस बात की जांच करें कि भारत में उत्पादन अथवा खपत के मामले में या तो पूर्ण रूप में अथवा उसके सापेक्ष पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के मूल्य के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस बात की जांच करे कि भारत में समान उत्पादों के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक मूल्य में कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से मूल्यों में काफी हद तक गिरावट होनी है अथवा मूल्य में वृद्धि में रुकावट आयेगी जो काफी हद तक अन्य प्रकार से हो गया होता।
79. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-11 के पैरा (iv) में निम्नलिखित उल्लेख किया है :-

- (iv) "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

80. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड गिरावट को दर्शाते हों। कुछ मानदंड गिरावट दर्शा सकते हैं जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति संबंधी सभी मानदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं।
81. प्राधिकारी ने अनुरोध में दिए गए तथ्यों और तर्कों पर विचार करने के बाद वस्तुपरक ढंग से क्षति संबंधी मानदंडों का परीक्षण किया है।

### संचयी आकलन

82. संचयी आकलन के संबंध में नियमावली के अनुबंध- II (iii) में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद का आयात उसी समय पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन हो तब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा 3 प्रतिशत से कम है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3 प्रतिशत से कम हो, आयात समग्र रूप से समान वस्तु के आयातों का 7 प्रतिशत से अधिक है और (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए उपयुक्त हो।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयात संबंध देशों से भारतीय बाजार में उसी समय हो रहे हैं। अतः घरेलू उद्योग को इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण हुई क्षति का संचयी आकलन के मुद्दे की जांच इस नियमावली के अनुबंध II (iii) में मानदंडों के संबंध में किया गया है। यह देखा गया था कि :

- क. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ख. संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ग. संबद्ध देशों से आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।
- घ. नेपाल से यार्न/ ट्वाइन के निर्यात के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के प्रारंभन के समय जबकि नेपाल से यार्न/ ट्वाइन के निर्यात की सूचना घरेलू उद्योग द्वारा नहीं दी गई थी, जांच प्रारंभन संबंधी अधिसूचना में यार्न/ ट्वाइन को बाहर नहीं रखा गया। नेपाल के सहयोगी निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यार्न/ ट्वाइन की मात्रा का उल्लेख किया है, जिसका सत्यापन प्राधिकारी द्वारा मौके पर किया गया था। यह नोट किया गया था कि पी यू सी के उत्पाद प्रकार के रूप यार्न/ ट्वाइन का निर्यात विभिन्न सीमा शुल्क मदों के अंतर्गत किया गया था। प्राधिकारी ने जांच के क्षेत्र के भीतर पी यू सी के अंतर्गत उत्पाद के सभी प्रकारों पर विचार किया है।
- ङ. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच प्रारंभन की सूचना में इस बात का स्पष्ट उल्लेख था कि सीमा शुल्क का वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। यदि एक प्रकार के उत्पाद के आयात की सूचना विभिन्न वर्गीकरण में दिया गया है तब उसे केवल वर्तमान उद्देश्य से बाहर नहीं रखा जा सकता है क्योंकि इस याचिका में इस विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत आयातों का शामिल नहीं किया गया था, विशेषकर जब उत्तर देने वाले निर्यातकों की प्रश्नावली का उत्तर तथा प्राधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन भारत में पटसन यार्न के आयात को दर्शाता है।

84. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि आयात किए गए उत्पाद और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करना उपयुक्त होगा।

### क. मुक्त बाजार में घरेलू उद्योग को क्षति

85. प्राधिकारी संरक्षित सरकारी बाजार में बिक्री को शामिल न कर क्षति का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करते हैं क्योंकि इस क्षेत्र में आयातों द्वारा कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में कुछ गिरावट आई है। इस तथ्य की जांच की जानी आवश्यक कि क्या गिरती हुई मांग के साथ घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा वही है अथवा बहुत अधिक परिवर्तन हुआ है।

मुक्त बाजार में मांग में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है लेकिन आयातों के बाजार हिस्सा में क्षति अवधि के आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। संबद्ध देशों से आयात क्षति अवधि के आधार वर्ष से बढ़ी है यद्यपि इसमें पूर्ववर्ती जांच अवधि की तुलना में गिरावट आई है। सेकिंग थैले की कीमत में कटौती बंगलादेश से मुक्त बाजार में घनात्मक रही है लेकिन जांच की अवधि में नेपाल के मामले में यह आंशिक रूप से नकारात्मक रही है। यद्यपि यह पूर्व की जांच की अवधि में घनात्मक रही है।

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार इस पर सहमत हैं कि विचाराधीन उत्पाद विशेषकर सेकिंग थैले के आयात केवल मुक्त बाजार में सीमित हैं। जहां तक सरकारी खरीद का प्रश्न है संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा नहीं करती है। इस कारण से पूर्ववर्ती पैरा के अनुसार प्राधिकारी समग्र कार्य निष्पादन पर विचार करते हुए तथा मुक्त बाजार तक इसे सीमित रखते हुए घरेलू उद्योग के क्षति की जांच करने पर विचार करते हैं।

#### ख. मांग का आकलन

87. इस उद्देश्य से, भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को सभी स्रोतों से आयातों तथा भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री के योग्य के रूप में लिया जाता है। यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। हालांकि आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग भारत में संबद्ध वस्तुओं की समग्र मांग को पूरा कर सकते हैं।

#### (i) भारतीय मांग (सरकार की अधिप्राप्ति सहित)

पटसन उत्पाद की कुल मांग	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
संबद्ध देशों से आयात	मि. टन	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
अन्य देश	मि. टन	64	2,299	1,250	170
घरेलू उद्योग की बिक्री	मि. टन	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मि. टन	7,40,580	7,11,510	7,24,885	8,15,541
मांग	मि. टन	14,32,360	14,92,084	14,69,694	14,78,961
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	103	103

#### (ii) भारतीय मांग (सरकारी खरीद को छोड़कर)

कुल मांग - को छोड़कर	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
संबद्ध देशों से आयात	मि. टन	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
अन्य देश	मि. टन	64	2,299	1,250	170
घरेलू उद्योग की बिक्री	मि. टन	2,92,395	2,62,713	2,58,755	2,17,077
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मि. टन	4,48,003	3,59,061	3,33,642	2,40,789
मांग	मि. टन	8,66,506	8,07,607	7,55,840	6,30,442
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	87	73

88. यह देखा गया है कि देश में उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान कमी आई है। वर्तमान जांच की अवधि में विरोधीन उत्पाद की मांग में दृष्टिगत गिरावट आई है। इसके अलावा क्या सरकारी खरीद को शामिल किया गया है अथवा शामिल नहीं किया गया है, मांग में गिरावट का वही पैटर्न देखा गया है।

#### पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव - आयात की मात्रा तथा संबद्ध देश का हिस्सा

89. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि पाटित आयातों में पूर्ण रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा दिए गए लेन-देन वार आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों और अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा की जांच की है। क्षति की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की आयात की मात्रा तथा पाटित आयात का हिस्सा नीचे दिया गया है :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
संबद्ध देश से आयात	मि. टन	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
बंगलादेश	मि. टन	78,032	1,38,442	1,06,713	1,21,470
नेपाल	मि. टन	48,013	45,092	55,480	51,069
अन्य देश	मि. टन	64	2,299	1,250	170
कुल आयात	मि. टन	1,26,108	1,85,833	1,63,443	1,72,709
भारत में संबद्ध देशों का हिस्सा					
बंगलादेश	%	62%	74%	65%	70%
नेपाल	%	38%	24%	34%	30%
मांग की तुलना में आयात		9%	12%	11%	12%
भारतीय उत्पादन की तुलना में आयात	%	21%	30%	27%	34%

कुल मांग - पटसन उत्पाद	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
संबद्ध देशों से आयात	मि. टन	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
अन्य देश	मि. टन	64	2,299	1,250	170
घरेलू उद्योग की बिक्री	मि. टन	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मि. टन	7,40,580	7,11,510	7,24,885	8,15,541
मांग	मि. टन	14,32,360	14,92,084	14,69,694	14,78,961
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	103	103
मांग में हिस्सा					
बंगलादेश	%	5.45%	9.28%	7.26%	8.21%
नेपाल	%	3.35%	3.02%	3.77%	3.45%
अन्य देश	%	0.00%	0.15%	0.09%	0.01%
घरेलू उद्योग					
भारतीय उद्योग	%	39.49%	39.86%	39.56%	33.18%
अन्य उत्पादक	%	51.70%	47.69%	49.32%	55.14%

90. उपर्युक्त का विश्लेषण निम्नलिखित को दर्शाता है :

- क. आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में पूर्णरूप से बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- ख. पूर्णरूप से आयातों में वृद्धि जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक है।
- ग. संबद्ध देशों से आयात जांच की अवधि के दौरान संचयी रूप से 99 प्रतिशत आयात है।
- घ. जबकि संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है, तीसरे देशों से आयात बहुत मामूली रहे हैं।
- ङ. संबद्ध देशों से आयातों में भारत में उत्पादन की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- च. आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों में भारत में उत्पाद की खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

**घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की कीमत का प्रभाव**

91. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस नियमावली के अनुबंध ॥ (ii) में निम्नलिखित निर्धारित है :

"नियम 18 के उप नियम (2) में यथा-उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में व्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में दबाव पड़ेगा अथवा कीमत की वृद्धि में रुकावट आयेगी जो अन्य प्रकार से काफी अधिक सीमा तक बढ़ गई होती।"

92. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत पर दबाव तथा कीमत में रुकावट, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है।

**कीमत में कटौती**

93. यह निर्धारण करने के उद्देश्य से की क्या बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में आयातों से कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से आयातों की पहुंच मूल्य की तुलना की है। इस संबंध में संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से इस उत्पाद की पहुंच मूल्य तथा व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और करों को निकाल कर घरेलू उद्योग निवल औसत बिक्री कीमत के बीच एक तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। यह तुलना दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध देशों के मूल के संबद्ध वस्तुओं का आयात भारतीय बाजार में उन कीमतों पर किया गया था जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की तुलना में बहुत कम थी। नीचे दी गई तालिका दर्शाती है कि संबद्ध देशों में प्रत्येक देश से कीमत में कटौती का स्तर कितना रहा है :

बंगलादेश - हेसियन फेब्रिक					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	43715	61640	50130	44097
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	18	93	138
कीमत में कटौती %	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	रैंज	30-40	5-15	20-30	30-40

बंगलादेश - सेकिंग थैले					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	48078	51580	49118	50380
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	102	105
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	44	27	-6
कीमत में कटौती %	%	****	****	****	(***)
कीमत में कटौती	रैंज	10-20	5-10	2-12	(0-10)



बंगलादेश - पटसन यार्न					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	38144	40000	42378	43463
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	111	114
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	104	182
कीमत में कटौती %	%	****	****	****	****
कीमत में कटौती	रैंज	10-20	10-20	10-20	15-25

नेपाल - हेसियन फेब्रिक					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	59113	93639	59463	64162
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158	101	109
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-560	193	182
कीमत में कटौती %	%	****	(***)	****	****
कीमत में कटौती	रैंज	10-20	(30-40)	10-20	15-25

नेपाल - सेकिंग थैले					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	47391	55411	47932	51574
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	101	109
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-13	41	-22
कीमत में कटौती %	%	****	(***)	****	(***)
कीमत में कटौती	रैंज	10-20	(1-10)	10-20	(1-10)

नेपाल - पटसन यार्न					
कीमत में कटौती		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	34,454	35,070	39,881	44,899
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	116	130
कीमत में कटौती	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	92	114
कीमत में कटौती %	%	****	****	****	****
कीमत में कटौती	रैंज	20-30	20-30	20-30	20-30

#### कम कीमत पर बिक्री

94. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा की जा रही कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है। इस उद्देश्य से घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित बिक्री की लागत की तुलना आयात की पहुंच कीमत से की गई है। कीमत में कटौती के उद्देश्य से विचार किए गए आयातों की पहुंच कीमत को भी कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण करने के उद्देश्य से अपनाया गया है। आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की बिक्री की भारित औसत लागत की तुलना निम्नलिखित दर्शाती है :

हेसियन फेब्रिक - बंगलादेश					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	111	118
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	43715	61640	50130	44097
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	115	101
सेकिंग थैला - बंगलादेश					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	115	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	48078	51580	49118	50380
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	102	105

पटसन यार्न - बंगलादेश					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	110	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	38,144	40,000	42,378	43,463
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	111	114
हेसियन केब्रिक - नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	111	118
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	59,113	93,639	59,463	64,162
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158	101	109
सेकिंग थैला - नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	115	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	47,391	55,411	47,932	51,574
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	101	109
पटसन यार्न - नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	110	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	34,454	35,070	39,881	44,899
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	116	130

**कीमत पर दबाव एवं कीमत स्थिरीकरण एवं कीमत में कटौती**

95. यह निर्धारण करने के उद्देश्य की क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक दबाव पड़ेगा अथवा कीमत में वृद्धि रुकेगी जो अन्य प्रकार से काफी हद तक बढ़ गई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका में दर्शायी गई है। यह देखा गया है कि जबकि उत्पादन की लागत और बिक्री की कीमत में इस अवधि के दौरान वृद्धि, उत्पादन की लागत में वृद्धि बिक्री की कीमत की तुलना में बहुत अधिक थी। इस प्रकार से आयातों का बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ रहा था।

**हेसियन फेब्रिक**

<b>हेसियन फेब्रिक - कुल</b>					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	111	118
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	43715	61640	50130	45160
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	141	115	103
सेकिंग थैला - कुल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	115	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	104	113
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	48078	51580	49118	50380
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	102	105
<b>कीमत पर दबाव तथा स्थिरीकरण (मुक्त बाजार) - सेकिंग थैला - बंगलादेश</b>					
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	115	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	48,078	51,580	49,118	50,380
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	102	105

कीमत पर दबाव तथा तथा कीमत में कटौती - (पटसन यान) बंगलादेश					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	110	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	38,144	40,000	42,378	43,463
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	111	114
कीमत पर दबाव तथा तथा कीमत में कटौती (हेसियन फेब्रिक) नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	111	118
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	108	114
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	59,113	93,639	59,463	64,162
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	158	101	109
कीमत पर दबाव तथा तथा कीमत में कटौती (सेकिंग थैला मुक्त बाजार) नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	115	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	93	91
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	47,391	55,411	47,932	51,574
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	101	109
कीमत पर दबाव तथा तथा कीमत में कटौती (पटसन यान) नेपाल					
विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	110	122
बिक्री कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	110	126
पहुंच मूल्य	रु./ मि. टन	34,454	35,070	39,881	44,899
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	116	130

**जांच की अवधि में क्षति मार्जिन**

बंगलादेश	पहुंच मूल्य	एन आई पी	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
क्षति मार्जिन	डॉ/ मि. टन	डॉ/ मि. टन	डॉ/ मि. टन	%
पटसन यार्न /ट्वाइन	*****	*****	*****	25-35
सेकिंग थैला	*****	*****	*****	0-10
हेसियन फेब्रिक	*****	*****	*****	45-55

नेपाल	पहुंच मूल्य	एन आई पी	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
क्षति मार्जिन	डॉ/ मि. टन	डॉ/ मि. टन	डॉ/ मि. टन	%
पटसन यार्न /ट्वाइन	*****	*****	*****	20-30
सेकिंग थैला	*****	*****	*****	0-10
हेसियन फेब्रिक	*****	*****	*****	0-10

**आयातों की मात्रा और कीमत के प्रभाव के संबंध में निष्कर्ष**

96. क्षति के अवधि के दौरान पाटित आयातों में पूर्ण रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हुई है। कीमत में कटौती के फलस्वरूप कीमत न्यूनीकरण हुआ है। जबकि उत्पादन की लागत और बिक्री की कीमत दोनों में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, फिर भी उत्पादन की लागत में वृद्धि बिक्री कीमत में वृद्धि से बहुत अधिक थी। इस प्रकार से घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हो रहा था और इस प्रकार, आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण कर रहे थे जिसके फलस्वरूप लाभ में गिरावट आई।

**घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों पर प्रभाव**

97. पाटन रोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षा है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। इस नियम में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का वस्तुपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को व्याप्त क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति संबंधी प्राचलों की चर्चा की नीचे की गई है :

**क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता का उपयोग और बिक्री**

98. घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता एवं क्षमता उपयोग के संबंध में नीचे दिया गया है :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
क्षमता - संयंत्र	मि. टन	8,37,872	8,48,613	8,77,962	8,95,411
सूचीबद्ध		100	107	112	112
उत्पादन - संयंत्र	मि. टन	6,32,756	6,33,803	6,35,169	5,23,458
सूचीबद्ध		100	102	104	86
उत्पादन - पी यू सी	मि. टन	601,774	628,289	608,154	514,985
क्षमता उपयोग	%	76%	75%	72%	58%
बिक्री की कुल मात्रा	मि. टन	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
बिक्री की मात्रा - मुक्त बाजार	मि. टन	2,51,873	2,12,879	2,30,405	1,91,400

99. यह देखा गया है कि :

- क. घरेलू उद्योग के उत्पादन में जांच की अवधि के दौरान तीव्र गिरावट आई है।
- ख. उत्पादन में गिरावट के फलस्वरूप, घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है।
- ग. घरेलू उद्योग की बिक्री में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है। इसके अलावा चूंकि घरेलू उद्योग ने मुक्त बाजार तथा सरकारी खरीद दोनों में विचाराधीन उत्पाद को बेचा है और आगे चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयात सीधे सरकारी खरीद के लिए नहीं किए गए हैं। अतः, घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा की जांच मुक्त बाजार के लिए अलग से नहीं की गई है। यह देखा गया है कि मुक्त बाजार घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में बहुत अधिक गिरावट आई थी।
100. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता के उपयोग के संबंध में और खराब हो गया है।

**क) लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ - कुल**

101. घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत, बिक्री की कीमत, लाभ/ हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय का विश्लेषण नीचे दिए अनुसार किया गया है :

घरेलू कार्य		2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
बिक्री की लागत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
बिक्री की कीमत	रु./ मि. टन	****	****	****	****
लाभ/ (हानि) प्रति इकाई	रु./ मि. टन	***	(****)	(****)	(****)
लाभ/ (हानि) - कुल	रु. लाख में		(****)	(****)	(****)
नकद लाभ	रु. लाख में	****	****	(****)	****
ब्याज एवं कर पूर्व लाभ	रु. लाख में	****	****	(****)	****
निवेश पर आय	%	****	****	(****)	****

102. प्राधिकारी नोट करते हैं :

- क. बिक्री की लागत तथा बिक्री की कीमत दोनों में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई।
- ख. बिक्री की कीमत में वृद्धि लागत में वृद्धि की तुलना में कम थी जिसके फलस्वरूप आधार वर्ष की तुलना में लाभप्रदता में गिरावट आई।
- ग. वर्ष 2011-12 के दौरान घरेलू उद्योग लाभ अर्जित कर रहा था।
- घ. क्षति की अवधि के दौरान निवेश पर आय ने वही प्रवृत्ति दर्शायी है जैसी की लाभ की थी। वर्ष 2013-14 तक निवेश पर लाभ में गिरावट आई थी तथा बाद में जांच अवधि में वह मामूली सकारात्मक बन गया।
- ङ. नकद लाभ में भी वही प्रवृत्ति दर्शायी है जोकि 2013-14 में घट गया था और बाद में जांच अवधि में सकारात्मक बन गया था।

**ख) बाजार हिस्सा**

103. घरेलू उद्योग की मांग में बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच नीचे दिए अनुसार की गई है :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
घरेलू उद्योग	%	39.49	40.06	40.24	33.30
संबद्ध देश - आयात	%	8.80	11.86	9.50	11.35
अन्य घरेलू उत्पादक	%	51.70	47.93	50.18	55.34

104. उपर्युक्त तालिका से यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और आधार वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। समग्र घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।

ग) रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता

105. रोजगार, मजदूरी एवं उत्पादकता के संबंध में स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
कर्मचारियों की सं.	सं.	*****	*****	*****	*****
सूचीबद्ध		100	109	116	111
मजदूरी	रु. लाख में	*****	*****	*****	*****
सूचीबद्ध		100	106	122	112
मजदूरी / इकाई	रु./ मि. टन	*****	*****	*****	*****
सूचीबद्ध		100	109	119	136
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मि. टन	***	***	***	***
प्रतिदिन उत्पादकता	मि. टन	***	***	***	***

106. यह नोट किया गया है कि वर्ष 2013-14 की तुलना में उद्योग के पास रोजगार में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में उद्योग के रोजगार में गिरावट आई है। क्षति अवधि के दौरान भुगतान किए गए वेतनों में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में प्रतिदिन उत्पादकता में गिरावट आई है।

घ) माल भंडार

107. संबद्ध वस्तुओं के माल भंडार से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गए हैं :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
प्रारंभिक भंडार	मि. टन	***	***	***	***
अंतिम भंडार	मि. टन	***	***	***	***
औसत भंडार	मि. टन	30,484	26,145	29,786	32,290
सूचीबद्ध		100	86	98	106

108. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के माल भंडार में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

ङ) पाटन का आकार

109. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयात इस देश में पाटित कीमतों पर हो रहे हैं तथा पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

च) पूंजी निवेश प्राप्त करने की क्षमता

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस देश में उत्पाद की गिरती हुई मांग को देखते हुए उद्योग में और आगे निवेश नहीं हुआ है। इसके अलावा, वर्तमान निवेश अपने आप में सही रूप से परिणाम नहीं दे रहा है और घरेलू उद्योग को निवेश पर नकारात्मक आय का सामना करना पड़ रहा है।



**छ) वृद्धि**

111. घरेलू उद्योग की वृद्धि से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गए हैं :

वृद्धि	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	पी ओ आई
उत्पादन	वाई/वाई		4%	-3%	-15%
घरेलू बिक्री	वाई/वाई		5%	-2%	-16%
बिक्री की लागत	वाई/वाई		7%	6%	8%
बिक्री कीमत	वाई/वाई		2%	4%	9%
लाभ/ हानि	वाई/वाई		-116%	-321%	-41%
निवेश पर आय	वाई/वाई		-15.14%	-5.74%	5.90%
नकद लाभ	वाई/वाई		-93%	-514%	-103%

112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का विकास मात्रा और कीमत दोनों मानदंडों में प्रतिकूल था। बिक्री, उत्पादन, लाभ, निवेश पर आय और नकदी का प्रवाह के संबंध में वृद्धि जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक थी।

**ज) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

113. संबद्ध देशों से आयात की कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों को छोड़कर वे कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते थे, की जांच करने पर यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात की गई सामग्री का पहुंच मूल्य बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है, जिसके कारण भारतीय बाजार में कीमत में कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री हो रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर विचाराधीन उत्पाद की कीमतें प्रमुख कच्चे मालों की कीमतों के अनुरूप होनी चाहिए और घरेलू उद्योग इन इनपुट कीमतों तथा आयातों की पहुंच कीमत पर विचार करते हुए अपनी कीमतों का निर्धारण करती रही है।

114. जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	प्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक	विचाराधीन उत्पाद	एनआईपी	पहुंच कीमत	क्षति मार्जिन		
					राशि	%	सीमा
			(अम.डॉ./मी.ट.)	(अम.डॉ./मी.ट.)	(अम.डॉ./मी.ट.)		%
बंगलादेश							
1	प्राइड जूट मिल	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	40 - 50
2	आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	30 - 40
3	सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	40 – 50
4	अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	40 – 50
5	शैरिफ जूट मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	30 – 40
6	अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	20 – 30
7	हसन जूट मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	35 – 45

		सैकिंग बैग्स	***	***	***	***	15 – 25
8	जनता जूट मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	0 – 10
		हैसियन फैब्रिक	***	***	***	***	-40 से – 50
9	सिदवाह टैक्सटाइल लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	5 – 15
		सैकिंग बैग्स	***	***	***	***	10 – 20
10	सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	20-30
11	अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	20 - 30
		सैकिंग बैग्स					10 – 20
		हैसियन फैब्रिक	***	***	***	***	40 – 50
12	अवशिष्ट उत्पादक/निर्यातक	पटसन यार्न/ट्वाइन	***	***	***	***	30 – 40
		सैकिंग बैग्स	***	***	***	***	10 – 20
		हैसियन फैब्रिक	***	***	***	***	40 - 50
नेपाल							
1	अरिहंत मल्टी फाइबर लिमिटेड	यार्न	***	***	***		30- 40
		हैसियन	***	***	***		5 - 15
		सैकिंग बैग्स	***	***	***		-0 से – 10
2	श्री रघुपति जूट मिल्स लिमिटेड	यार्न	***	***	***		25 - 35
		हैसियन	***	***	***		0 - 10
		सैकिंग बैग्स	***	***	***		0 - 10
3	स्वास्तिक जूट मिल्स लिमिटेड	यार्न	***	***	***		40 - 50
		हैसियन	***	***	***		5 - 15
		सैकिंग बैग्स	***	***	***		0 - 10
4	बाबा जूट मिल्स प्रा0 लिमिटेड	यार्न	***	***	***		15 - 25
		हैसियन	***	***	***		5 – 15
		सैकिंग बैग्स	***	***	***		0 - 10
5	अवशिष्ट उत्पादक/निर्यातक	यार्न	***	***	***		40 - 50
		हैसियन	***	***	***		10 – 20
		सैकिंग बैग्स	***	***	***		0 – 10

### क्षति के संबंध में निष्कर्ष

115. प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के फलस्वरूप घरेलू उद्योग पर मात्रा और कीमत संबंधी दोनों प्रभाव पड़े हैं। कीमत हास होने और कीमत में कटौती होने के फलस्वरूप लाभ की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

**कारणात्मक संबंध**

116. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारकों की जांच की है, जो घरेलू उद्योग को पाटन और पर्याप्त क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता था।

**तृतीय देशों से आयात**

117. प्राधिकारी ने लेन देन वार आधार पर डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त संबद्ध वस्तुओं के आयात संबंधी आंकड़ों की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि तृतीय देशों से आयात मामूली हैं और इससे घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति नहीं हो सकती थी।

**मांग में कमी**

118. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग ने क्षति की अवधि के दौरान कुछ गिरावट दर्शायी है। हालांकि, जबकि विचाराधीन उत्पाद की मांग में गिरावट आई है, संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है।

**विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिसपर्धा तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं**

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

**प्रौद्योगिकी में विकास**

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई मौजूदा प्रौद्योगिकी तथा प्रक्रिया अंतिम उत्पाद के उत्पादन के संबंध में विदेशी उत्पादकों से तुलनीय नहीं है।

**खपत की पद्धति में परिवर्तन**

121. घरेलू उद्योग उन संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है, जिसे भारत में आयात किया गया है। खपत के पैटर्न में संभावित परिवर्तन एक कारक नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति हो सकती थी।

**निर्यात निष्पादन**

122. घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन उत्पाद का पर्याप्त निर्यात नहीं है। किसी भी स्थिति में, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार किया है। इस प्रकार से क्षति की जांच के लिए विचार किए गए घरेलू उद्योग से संबंधित सूचना केवल घरेलू प्रचालन के कारण हुई है।

**अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन**

123. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की जा रही तथा बेची जा रही अन्य उत्पादों के कार्य निष्पादन से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी द्वारा किये गये आकलन प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुए हैं। प्राधिकारी द्वारा विचार की गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में है।

**घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता ने उत्पादन जैसी ही प्रवृत्ति का पालन किया है। उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

**कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक**

125. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में संबंध देशों से पाटित आयातों के कारण गिरावट आई है। पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध किया गया है।

- क. आयात की मात्रा में पूर्ण रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- ख. इन आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही थी जबकि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत तथा बिक्री कीमत में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई लेकिन बिक्री की कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि की तुलना में कम थी। इस प्रकार से इन आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव पड़ रहा था।
- ग. विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कीमत न्यूनीकरण हो रहा है तथा यह घरेलू उद्योग को कीमतें बढ़ाने से रोक रहे हैं। इसके फलस्वरूप लाभ, नकदी का प्रवाह तथा निवेश पर आय में गिरावट आई है।

- घ. विचाराधीन उत्पाद के आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री की मात्रा, क्षमता का उपयोग और बाजार हिस्से को क्षति हुई है।
- ङ. घरेलू उद्योग की वृद्धि कीमत और मात्रा से संबंधित अनेक आर्थिक मानदंडों के संबंध में नकारात्मक हो गई।
- च. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। इस उद्देश्य से प्राधिकारी ने कच्चे माल एवं उपयोगिता के सर्वोत्तम खपत मानदंडों पर विचार किया है। प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुबंध III के प्रावधानों के अनुसार अन्य कारणों से घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति को अलग किया है और उसे शामिल नहीं किया है।

## 126. प्रकटन पर टिप्पणियां

### (क) निर्यातकों/संबद्ध देशों के विचार

- (1) बांग्लादेश सरकार ने यह उल्लेख किया है कि टैरिफ और व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 के अनुच्छेद-6 के क्रियान्वयन पर करार के अनुच्छेद-4(1) (1) और भारत की पाटनरोधी नियमावली के नियम-2 (ख) के अनुसार "जब निर्यातक अथवा आयातकों से संबंधित उत्पादक कथित पाटित उत्पाद के स्वयं आयातक होते हैं" तो ऐसी स्थिति में उन्हें बाकी उत्पादकों के रूप में माना जा सकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उक्त प्रकटन विवरण के पैरा-38 में यह उल्लेख किया है कि जांच अवधि के दौरान 3 याचिकादाता कंपनियों नामतः कमरहट्टी कं. लि0, लूडलो जूट एंड स्पेशलिटीज लि0 तथा चेविओट कं0 लि0 ने बांग्लादेश से पटसन यार्न के आयात किए हैं। इसलिए इन तीन याचिकादाता कंपनियों को घरेलू उद्योग बनने वाली कंपनियों की सूची से बाहर कर दिया जाना चाहिए।
- (2) पाटन मार्जिन के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई तुलना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-6 में उल्लिखित प्रावधान का उल्लंघन है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना उसी स्तर पर सामान्यतः कारखानागत स्तर पर करनी चाहिए। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सकल आधार पर भारत को निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की भारित औसत लागत के 5 प्रतिशत लाभ को जोड़कर सामान्य मूल्य का आकलन किया है, जबकि निर्यात कीमत का आकलन कारखानागत आधार पर किया गया है। यह विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 से असंगत है। प्रकटन विवरण के अनुसार पाटन मार्जिन तय करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना नहीं की है। इसलिए अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को सामान्य स्तर पर तुलना करके अंतिम जांच परिणाम देने के लिए अपने कार्यचालन में आवश्यक संशोधन करने चाहिए।
- (3) बांग्लादेश से पटसन उत्पादों के आयात और भारतीय पटसन उद्योग को हुए लाभ हानि के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। जांच अवधि के बाद बांग्लादेश से आयातों में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है लेकिन विगत दो वर्षों में भारतीय पटसन उद्योग को कोई घाटा नहीं हुआ है। प्राधिकारी को आयातों में वृद्धि होने के बावजूद भी विगत दो वर्षों में भारतीय पटसन मिलों की लाभप्रदता पर विचार करना होगा।
- (4) मेसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसलटेंट्स एंड एडवोकेट्स (डब्ल्यूटीसी) ने प्राईड जूट मिल लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बांग्लादेश, सोनाली अंश इंडस्ट्रीज, मेसर्स अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स शरीफ जूट मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स हसन जूट मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स जनता जूट मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स सिडला टेक्सटाईल्स लिमिटेड, बांग्लादेश, मेसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश की ओर से यह निवेदन किया है कि उपरोक्त 10 उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन तय करने के प्रयोजन से निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य का परिकलन किया है तथा कार्यप्रणाली का प्रयोग किया है, जैसा कि उक्त प्रकटन विवरण के पैरा 71 में स्पष्ट किया गया है।
- (5) उक्त पैरा में प्राधिकारी ने यह स्पष्ट किया है कि 10 प्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत का आकलन, पैकिंग लागत, अंतर-देशीय भाड़े, हैंडलिंग प्रभारों, क्रेडिट लागत और बैंक प्रभारों (जहां कहीं भी ये संबंधित निर्यातक पर लागू होते हैं) को घटाने के बाद कारखाना-गत आधार पर किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण, उत्पादन की भारित औसत लागत के आधार पर उसमें संबंधित निर्यातक के 5% लाभ को जोड़ कर किया गया है। प्रकटन विवरण के गोपनीय वृत्तान्त से यह स्पष्ट पता चलता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की सकल लागत को अपनाया है और उसमें 5% लाभ को जोड़ा है। उसमें (पैकिंग, अंतर-देशीय भाड़े, हैंडलिंग प्रभारों, क्रेडिट लागत और बैंक प्रभारों) के लिए आवश्यक समायोजन करने के बाद उसकी तुलना कारखाना-गत निर्यात कीमत के साथ की गई है। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई ऐसी तुलना, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 (1) में उल्लिखित प्रावधान का उल्लंघन है।

- (6) प्राधिकारी को निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना समान स्तर पर सामान्यतया कारखाना-गत स्तर पर करनी चाहिए। इस संबंध में प्राधिकारी ने भारत में निर्याति विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की भारित औसत लागत में 5% लाभ को जोड़ कर सामान्य मूल्य सकल आधार पर तय किया है, जबकि निर्यात कीमत कारखाना-गत आधार पर तय की गई है। यह विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुच्छेद 2.4 से असंगत है। प्रकटन विवरण के अनुसार पाटन मार्जिन तय करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच तुलना की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि उन्हें समान स्तर पर तुलना करने के लिए अंतिम परिणाम के स्तर पर अपनी कार्य प्रणाली में आवश्यक संशोधन करने चाहिए।
- (7) निर्यातों को प्रोत्साहन देने और उत्पादकों को सहायता देने के लिए बंगलादेश सरकार पटसन उत्पादों के निर्यातों पर सब्सिडी प्रदान करती है जो कि यार्न/ट्वाइन पर 7% और सैकिंग बैग्स पर 10% की दर से होती है। ऐसी नकदी सब्सिडी के प्रभाव को कंपनियों की लखा-परीक्षा रिपोर्टों में आय के भाग के रूप में लाभ/हानि में विधिवत् माना गया है। सत्यापन के समय इस मुद्दे पर परिचर्चा की गई थी और विस्तार से स्पष्ट किया गया था तथा सत्यापन दल को संबद्ध सहायक आंकड़ों/सूचना प्रदान की गई थी। प्रकटन विवरण में ऐसी सब्सिडी के प्रभाव पर न तो लागत में और न ही कारखाना-गत निर्यात कीमत का आक्कलन करने पर विचार किया गया है। सब्सिडी को लागत के भाग के रूप में माना जा सकता है और तदनुसार सब्सिडी के लिए लागत का समायोजन किया जा सकता है अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी कारखाना-गत निर्यात कीमत तय करने के लिए निर्यात कीमत के रूप में सब्सिडी का जोड़ सकते हैं। पाटन-रोधी जांच एक सीवीडी (सब्सिडी-रोधी जांच) नहीं है, इसलिए लागत या निर्यात कीमत में सब्सिडी के प्रभाव पर विचार नहीं करना, डीजीएडी की प्रथाओं और विश्व व्यापार संगठन के करार का स्पष्ट उल्लंघन है। विगत में प्राधिकारी ने कभी भी कारखाना-गत निर्यात कीमत में सब्सिडी के प्रभाव की अनदेखी नहीं की है।
- (8) सहयोगी प्रतिदर्श निर्यातार्थ के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करते समय उपरोक्त दोनों मुद्दों का समाधान किया जा सकता है तथा संशोधित प्रकटन विवरण जारी किया जा सकता है ताकि हम उस पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने में समर्थ हो सकें।
- (9) मै0 सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लि0, बंगलादेश ने दिनांक 17.10.2016 के पत्र द्वारा संशोधित परिशिष्ट-5, 6, 7, 8, 8क, 8ख प्रस्तुत किए हैं साथ ही उन्हें स्वीकार करने का अनुरोध किया है।
- (10) मै0 अहियान जूट मिल्स लिमिटेड, बंगलादेश ने यह उल्लेख किया है कि उन्होंने अपने वकील के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत किए हैं, लेकिन उन्हें हितवद्ध पक्षकारों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।
- (11) नेपाल के उत्पादकों/निर्यातकों ने यह बताया है कि प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का गलत मूल्यांकन किया है क्योंकि कारखानागत निर्यात कीमत का मूल्यांकन करने के लिए किए गए समायोजन को उत्पादन की भारित औसत लागत में भी शामिल किया गया है। संशोधन करने के बाद पाटन मार्जिन न्यूनतम हो जाएगा और जांच को समाप्त कर दिया जाए। उत्पादन की भारित औसत लागत पर माना गया प्रतिशत का लाभ अनुचित है और अनपयुक्त है जोकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-4 में उल्लिखितानुसार वास्तविक आंकड़ों के अनुसार होना चाहिए।
- (12) क्षतिरहित कीमत का गलत परिकलन किया गया है और इसे गोपनीय रखा गया है तथा इसलिए इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। यार्न/ट्वाइन, हैसियन क्लॉथ और सैकिंग बैग के क्रमशः 5.8 प्रतिशत, 5.72 प्रतिशत और 2.64 प्रतिशत के आयातों के मामूली स्तर पर घरेलू उद्योग को कोई क्षति होने की संभावना नहीं है। इसके अतिरिक्त भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन ने यार्न/ट्वाइन के पाटन पर कोई आरोप नहीं लगाया है, फिर भी इसे जांच की शुरुआत में शामिल किया गया है। नेपाल के उत्पादक/निर्यातक द्वारा पहले भी इसे बाहर रखे जाने का निवेदन किया है। अधिकतर याचिकादाता कंपनियों ने आयात किए हैं और इसलिए वे घरेलू उद्योग का भाग नहीं बन सकती हैं।
- (13) नेपाल का पटसन उद्योग विद्युत कठिनाइयों तथा हड़तालों के कारण पहले से ही नुकसान उठा रहा है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से नेपाल का पटसन उद्योग समाप्त हो जाएगा।

#### **आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों के निवेदन**

- (1) पटसन उत्पाद आयातक एसोसिएशन की ओर से मै0 एल.के.एस. ने यह निवेदन किया है कि प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद को पुनः परिभाषित करना चाहिए क्योंकि विचाराधीन उत्पाद में कच्ची सामग्री और उत्पादों, दोनों को एक साथ उच्चतर मूल्य श्रृंखला में शामिल नहीं किया जा सकता।
- (2) उत्पादन और आयात के आंकड़ों पर आधारित घरेलू उद्योग का दर्जा विशेषकर अन्यो में लूडलो, कामथ, बजबज, बल्ली, ग्लोस्टर और आर डी बी का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। “प्रत्यक्ष आयात करने” और “अप्रत्यक्ष आयात करने” के बीच कोई अंतर नहीं है, जैसा कि प्रकटन विवरण में उल्लेख किया गया है।

- (3) पहले उत्पादन के 42.78 प्रतिशत का हिस्सा मुख्य अंश नहीं बनता है और दूसरे क्या हिस्सा उत्पादों की सभी तीन श्रेणियों का सम्मिश्रित प्रतिनिधिक है, जोकि अनपयुक्त है, क्योंकि हिस्से का निर्धारण सभी तीन उत्पाद श्रेणियों के लिए पृथक रूप से किया जाना चाहिए।
- (4) याचिकादाता ने कार्य निष्पादन के आधार पर कंपनियों को चुनने का रास्ता चुना है। इसके अतिरिक्त, उत्पादन के प्रमुख अंशदान का निर्धारण करते समय समर्थक कंपनियों पर विचार नहीं करना चाहिए।
- (5) हितबद्ध पक्षकारों को अपरिष्कृत और छंटाई के रूप में आयात के आंकड़ों पर कारोबार-वार विश्वसनीय आंकड़े प्रदान नहीं करना, मापन के अन्य यूनितों के परिवर्तन के लिए प्रयुक्त मानक भार को भार में परिवर्तित करना तथा आंकड़ों की छंटाई का आकार सैंडसिक कॉर्पोरेशन में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ है, जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह सभी सामग्री की सूचना हितबद्ध पक्षकारों को दें।
- (6) प्रतिलाभ की दर ऐतिहासिक दर पर आधारित होनी चाहिए और प्राधिकारी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने उसे कैसे तय किया है।
- (7) घरेलू उद्योग अपने इस दावे को सिद्ध करने में असमर्थ है कि वह भारत की समग्र मांग को पूरा कर सकता है।
- (8) भारतीय मांग के परिसंघ में आयातों में बमुश्किल कोई वृद्धि हुई है।
- (9) कीमत न्यूनीकरण खुले बाजार के मामले में स्वतः सृजित किया गया है और यह पटसन यार्न के मामले में विद्यमान नहीं है। बंगलादेश से सैकिंग बैग्स के संबंध में कीमत न्यूनीकरण का कुल और खुले दोनों बाजारों में मूल्यांकन किया गया है, लेकिन नेपाल के मामले में नहीं, इसका निदान किया जाना चाहिए।
- (10) प्राधिकारी को आर्थिक प्राचलों के निर्धारण के सूचीबद्ध आंकड़े प्रकट करने चाहिए तथा प्रतिवादियों को उन पर टिप्पणियां देने की अनुमति देनी चाहिए।
- (11) उद्योग की मांग के अनुरूप आयातों की मात्रा है।
- (12) आयातों का बाजार का हिस्सा बहुत कम है और वे घरेलू उत्पादकों पर नकारात्मक प्रभाव डालने में अक्षम हैं।
- (13) घरेलू उत्पादकों और घरेलू उद्योग के बीच पारस्परिक प्रतिस्पर्धा भी क्षति का एक कारण है, जिस पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया गया है।
- (14) घरेलू उत्पादकों को होने वाली क्षति का कारण अन्य कारक हैं जैसे कि सरकार को बिक्रियां, कथित भ्रष्टाचार तथा मजदूरियों में वृद्धि। प्राधिकारी द्वारा इन सभी का पर्याप्त रूप से निदान नहीं किया गया है और न ही इसके बारे में स्पष्ट किया गया है।
- (15) इतनी अधिक मात्रा में अधिप्राप्ति करने के लिए बाजार में सरकार की उपस्थिति मात्र से बाजार को बिक्रित कर देती है और व्यापारी के बाजार प्रचालनों के लिए कीमत निर्धारित करती है।
- (16) मै0 मेघराज मदनलाल गट्टानी ने यह निवेदन किया है कि प्रकटन के बिन्दु 33 के उप-बिन्दु (घ) के अनुसार 11 जून, 2015 की स्थिति के अनुसार उन्नीस कंपनियों को बंद कर दिया गया है, लेकिन पटसन उद्योग ने ऐसा कह कर प्राधिकारी को गुमराह किया है क्योंकि उक्त तारीख से ले कर वर्ष के अंत तक हमने ऐसी अनेक कंपनियों से पटसन उत्पादों को खरीदा है, जिन्हें बंद हुआ दर्शाया गया है। क्रय बिल इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।
- (17) भारत में कोई भी पटसन उद्योग मल्टीपल फोल्ड (28 एलबीएस X 3 पीएलवाई) में पटसन ट्वाईन विनिर्मित नहीं करता है। कुछ पटसन उद्योग केवल 8 एलबीएस से 20 एलबीएस तक के मल्टीफोल्ड में पटसन ट्वाईन का उत्पादन करते हैं और साथ ही नेपाल में भी मल्टीपल फोल्ड (28 एलबीएस X 3 पीएलवाई) में पटसन ट्वाईन विनिर्मित नहीं की जाती है। इसलिए हमें केवल बंगलादेश के पटसन उद्योगों से ही इनको खरीदना पड़ता है।
- (18) भारत में पटसन उद्योगों को उनकी कुल एक तिहाई (1/3) वार्षिक क्षमता में मल्टीपल फोल्ड (28 बी एलबीएस X 3 पीएलवाई) में पटसन ट्वाईन का उत्पादन करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए अथवा अनुरोध है कि विशेष कर मल्टीपल फोल्ड (मुख्यतया 28 बी एलबीएस X 3 पीएलवाई) में पटसन ट्वाईन पर पाटन-रोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।
- (19) यदि मल्टीपल फोल्ड (28 बी एलबीएस X 3 पीएलवाई) में पटसन ट्वाईन पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो इससे बाजार में तबाही मच जाएगी क्योंकि इसका 80 प्रतिशत उपयोग, किसानों द्वारा अच्छे आनाज की बैग पेकेजिंग, सब्जियों की पैकेजिंग आदि के लिए किया जाता है। इससे व्यापारियों को अत्यधिक नुकसान होगा तथा प्लास्टिक ट्वाईन/यार्न जैसे पर्यावरण प्रतिकूल उत्पादों के उपयोग में वृद्धि होगी।

**घरेलू उद्योग के निवेदन**

- (1) प्रकटन विवरण से यह प्रमाणित होता है कि पटसन उत्पाद उपयुक्त विचाराधीन उत्पाद बनते हैं तथा इन्हें पाटन-रोधी नियमावली के अंतर्गत एक वस्तु ही माना जाना चाहिए। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी का प्रस्ताव इन्हें तीन विभिन्न वस्तुएं माने जाने का है।
- (2) विचाराधीन उत्पाद पटसन उत्पाद है, जिसमें पटसन यार्न/ट्वाईन (मल्टीपल फोल्डिड/केबिल्ड और एकल) हैसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स शामिल हैं। प्राधिकारी ने यह सही नोट किया है कि हालांकि जांच शुरू किए जाने के समय इसका वर्गीकरण अधिनियम, 1975 के अध्याय 53 और 63 के अंतर्गत किया गया था, जिसे आगे सीमा-शुल्क शीर्ष 5307, 5310 और 6305 के अंतर्गत उप-वर्गीकृत किया गया था।
- (3) यह भी देखा गया है कि सीमा-शुल्क के शीर्ष 5607 के अंतर्गत इसके वर्गीकरण में नेपाल से यार्न/ट्वाईन के आयातों को शामिल किया गया है। सीमा-शुल्क शीर्ष संख्या 5607 में ट्वाईन, कार्डेज, रस्से, केबिल्स चाहें वे लिपटे हुए हैं अथवा गुंथे हुए हैं अथवा नहीं और चाहे वे एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं अथवा नहीं, कोटिड, कवर्ड अथवा रबड से ढके हुए हैं और प्लास्टिक्स भी शामिल हैं। इसलिए जांच शुरू किए जाने के समय स्पष्ट रूप से सीमा-शुल्क के इस वर्गीकरण को शामिल नहीं किया जाता, तो यह निश्चित रूप से वर्तमान जांच का भाग बन सकता है। प्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से बताया था कि सीमा-शुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह उत्पाद के विवरण पर प्रचलित नहीं होता है।
- (4) ऐसा प्रतीत होता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यार्न, फैब्रिक और बैग को तीन विभिन्न वस्तुएं माने जाने का प्रस्ताव किया है। यदि ऐसा है, तो याचिकादाताओं का यह निवेदन है कि ऐसा करना उपयुक्त नहीं होगा। विधि और प्रथा की परिभाषा के भीतर यार्न, फैब्रिक और बैग एक वस्तु ही बनते हैं। ऐसा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा लागू विधिशास्त्र द्वारा स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है। विभिन्न पाटन-रोधी मामलों में विचाराधीन उत्पाद में अनेक विभिन्न प्रकार के उत्पादों को शामिल किया गया है, जबकि एक किस्म का उत्पाद, दूसरे किस्म के उत्पाद के लिए कच्चा माल था जिसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया गया था। इनमें पेरुसल्फर फिल्म, सोलर सेल्स, ग्लास फाईबर, कॉस्टिक सोडा, एचआर स्टील प्लेट उत्पाद, सीमलैस पाईप्स और ट्यूब्स, पॉलिएस्टर फिल्म और फोस्फोरिक एसिड शामिल हैं।
- (5) मापन के यूनिट के संबंध में प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों को भेजे गए पत्र में सही नोट किया है, जिसमें ऐसा उल्लेख किया गया है कि वर्तमान जांच में मापन का यूनिट भार है। यदि सूचना मापन के यूनिट के रूप में संख्याओं में दी जाती है, तो उसे समकक्ष भार में परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए। कि.ग्रा./मी.टन में सामान्य मूल्यवर्ग का उपागम, सभी प्रकार के उत्पादों की कीमत का मूल्यांकन और उपयुक्त तुलना करने की प्रक्रिया को सुकर बनाता है। इसलिए मूल्यांकन के यूनिट मी.टन को अपनाया गया है, जो कि उपयुक्त है। भारत में विनिर्मित पटसन उत्पाद तथा नेपाल और बंगला देश से निर्यातित उत्पाद समान उत्पाद बनते हैं।
- (6) प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में मेसर्ज ईस्ट इंडिया कमर्शियल कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज गोंडापारा जूट मिल्स की क्षति सूचना को शामिल किया है। लागत और क्षति संबंधी सूचना प्रदान करने वाली कंपनियों का हिस्सा अब 42% बनता है जो कि स्पष्ट रूप से प्रमुख अंश है तथा वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग के आधार की आवश्यकता को पूरा करता है। नियम 2 (ख) के संबंध में याचिकादाताओं का निवेदन है कि केवल अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 के बीच की अवधि में किए गए आयात ही नियम 2 (ख) के अंतर्गत पात्रता पर निर्णय लेने के लिए प्रासंगिक हैं। इसके अतिरिक्त याचिकादाता कंपनियों द्वारा केवल सीधे अथवा संबंधित प्रयोज्यताओं के माध्यम से किए गए आयात नियम 2 (ख) के अंतर्गत प्रासंगिक हैं। याचिकादाता कंपनियों द्वारा जांच अवधि के दौरान किए गए आयात या तो न्यूनतम हैं अथवा वे जांच अवधि से बाहर हैं। इसलिए प्राधिकारी ने सही किया है कि उन्होंने किसी भी याचिकादाता कंपनी को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर नहीं रखा है। रिकार्ड पर ऐसा कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है, जिससे पता चलता हो कि घरेलू उद्योग ने याचिकादाता कंपनियों को छांट कर चुना है।
- (7) भारतीय उत्पादन में याचिकादाता कंपनियों के हिस्से के बारे में विचार करते समय प्राधिकारी कृपया वर्तमान मामले के विशिष्ट तथ्यों पर विचार कर सकते हैं। भारत में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने वाले उत्पादकों की बहुत बड़ी संख्या है। प्रत्येक कंपनी का अपना विशिष्ट उत्पादन बहुत कम है। इस प्रकार याचिका उन उत्पादकों द्वारा दायर की गई है, जिनका अपना विशिष्ट पृथक उत्पादन, विशिष्ट कंपनी के उत्पादन से बहुताधिक है। वर्तमान परिस्थितियों में क्षति की सूचना देने वाली कंपनियों का हिस्से को फिर भी "अत्यधिक" माना जाना चाहिए।
- (8) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों के परिसरों पर जा कर उनके स्थल पर सत्यापन किया है। याचिकादाताओं का अनुरोध है कि निर्यातकों को भेजे गए विभिन्न संप्रेषणों, प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दिए गए उत्तरों और निर्यातकों को जारी की गई सत्यापन रिपोर्टों की प्रतियां उन्हें भी प्रेषित की जाएं। यदि कोई सूचना गोपनीय है, तो याचिकादाताओं का अनुरोध है कि उसके केवल अगोपनीय वृत्तान्त का संक्षिप्त विवरण उन्हें उपलब्ध कराया जाए। याचिकादाता गोपनीय सूचना देने का अनुरोध नहीं करते हैं। याचिकादाता ऐसी सूचना के केवल एनसीवी देने का ही अनुरोध करते हैं।

- (9) एमएस एक्सिल फार्मेट के संबंध में निवेदन है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े सार्वजनिक फाईल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त याचिकादाता का यह आग्रह है कि याचिकादाता एक्सिल फाईल में आंकड़े प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि जबकि याचिकादाता ने अपने लिखित निवेदनों में आंकड़ों की छंटाई करने की विधि का उल्लेख कर दिया है, प्रतिवादियों ने उस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।
- (10) घरेलू उद्योग को अत्यधिक संरक्षण देने के तर्क के संबंध में यह निवेदन है कि पाटन-रोधी शुल्क का प्रयोजन समान कार्य-क्षेत्र प्रदान करना है और इसे स्वतः संरक्षण नहीं मान लिया जाना चाहिए। बंगलादेश की लेखाकरण प्रणाली के संबंध में याचिकादाता यही दोहराता है कि बंगलादेश की लेखाकरण प्रणाली उपयुक्त रूप से सुव्यवस्थित है और यह भारत की प्रणाली के समान है। इसलिए ऐसी स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि निर्यातक लेखाकरण के उचित आंकड़े प्रदान नहीं कर सकते हैं। याचिकादाताओं का निवेदन है कि एसएएफटीए में प्रदान किए गए संरचनात्मक उपायों का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है। निर्यातकों ने कोई अन्य उपाय नहीं सुझाया है।
- (11) याचिकादाता यही दोहराते हैं कि निर्यातकों द्वारा दिए गए वित्तीय आंकड़े सुसंगत रूप से जांच अवधि से संबंधित नहीं हैं क्योंकि निर्यातकों का लेखाकरण वर्ष 16 जुलाई से 15 जून (नेपाल) और 1 जुलाई से 30 जून (बंगलादेश) तक होता है। वित्तीय विवरणों में कुछ "घटा" और "जमा" करके उन्हें पुनःसंरचित किया गया है और उनके लिए लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन नहीं किया गया है।
- (12) घरेलू उद्योग यह नोट करता है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए कार्य-प्रणाली अपनाई गई है। जबकि निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य की राशि घरेलू उद्योग को ज्ञात नहीं है, यह नोट किया जाता है कि निर्धारित किए गए पाटन मार्जिन की मात्रा सकारात्मक है और अत्यधिक है। याचिका और प्रकटन विवरण में निर्धारित किए गए पाटन मार्जिन की तुलना का एक विवरण दिया गया है, जिसमें ऐसा देखा गया है कि कुछ मामलों में निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत कम है। इसके अतिरिक्त निर्धारित किए गए कुछ पाटन मार्जिन न्यूनतम हैं। याचिकादाताओं का अनुरोध है कि प्राधिकारी कृपया इन पाटन मार्जिन की पुनरीक्षा करें। याचिकादाताओं ने अपनी याचिका में अत्यधिक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया था, जो कि पहले ही संतुलित आधार पर था। तथापि, याचिकादाता यह पाते हैं कि कुछ निर्यातकों द्वारा पाटन मार्जिन के किए गए दावे बहुत कम हैं। प्रासंगिक अवधि के दौरान जिन कीमतों पर सामग्री की आपूर्ति की गई थी, उसको ध्यान में रखते हुए यह संभव नहीं है कि पाटन मार्जिन इतना कम होगा। ऐसा प्रतीत होता है कि निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना अवश्विसनीय है। अत्यधिक निर्यात कीमत का दावा किए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। प्रकटन विवरण में यह भी देखा गया है कि केवल कुछ कंपनियों ने ही फैब्रिक की आपूर्ति की है, जबकि केवल एक कंपनी ने बैग्स की आपूर्ति की है। याचिकादाता को यह स्पष्ट नहीं होता है कि क्या इन कंपनियों ने वास्तव में भारत को किए गए अपने निर्यातों के बारे में पूरी और व्यापक सूचना दी है। इसलिए याचिकादाताओं का प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा किए गए पाटन मार्जिन दावों की पुनःजांच करें।
- (13) आयातों का बड़े हुए हिस्से का कारण बंगलादेश में प्रतिकूल बाजार स्थिति होना है। बंगलादेश के मामले में 8 मार्च, 2015 और 11 जुलाई, 2016 की दो प्रेस रिपोर्टों से स्पष्ट पता चलता है कि बंगलादेश में प्रतिकूल बाजार स्थिति के निरंतर बने रहने और वैश्विक मांग की कमी होने के कारण भारत जैसे देशों को अत्यधिक निर्यात किए जा रहे हैं। इन रिपोर्टों से भारतीय बाजार में 300 करोड़ रूपए मूल्य की वस्तुओं के परिसमापन होने का पता चलता है तथा भारत में बंगलादेश द्वारा अत्यधिक पाटन संकेन्द्रित करने की पुष्टि होती है। नेपाल में खपत अत्यधिक सीमित है और उनमें क्षमताओं की स्थापना करने का एक मात्र लक्ष्य केवल भारतीय बाजार है।
- (14) अरीहन्त मल्टी फाईबर के निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तरों से ऐसा पता चलता है कि नेपाल से उन्हें विभिन्न छूट और सब्सिडी प्राप्त हुई हैं। उन्हें आय कर दरों में पर्याप्त छूट प्राप्त है और वे विद्युत सब्सिडी तथा आय कर और पटसन मिल मशीनरी के अतिरिक्त कलपुर्जों के भंडार के आयातों पर मूल्य संवर्धन कर (वाट) सब्सिडी का लाभ भी प्राप्त करते हैं।
- (15) यदि क्षति का कारण सरकारी अधिप्राप्ति में मांग की कमी अथवा गिरावट है, तो ऐसा नहीं माना जा सकता है कि पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हो रही है। यदि मांग-पूर्ति में अंतर व्याप्त है, तो भी वह भारत में पाटन को यथोचित नहीं ठहरा सकता है। संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है और यह 700 करोड़ रूपए से भी अधिक मूल्य के बनते हैं जो कि बाजार का पर्याप्त हिस्सा है। यदि सिंथेटिक बैग्स मांग में गिरावट आने के लिए उत्तरदायी हैं, तो आयातों ने उसका पर्याप्त हिस्से तथा मौजूदा मांग के बढ़ते हुए हिस्से को अधिग्रहीत कर लिया है। यदि लागत में वृद्धि होने के बावजूद भी उत्पाद की कीमतें नहीं बढ़ सकी हैं, यह निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए कि आयात ही बाजार में कीमतों में वृद्धि होने को रोक रहे हैं।
- (16) बंगलादेश के लागत लाभ स्वतः पाटन को यथोचित नहीं ठहराते हैं। लागत लाभ प्राप्त होने के बावजूद भी बंगलादेश की पटसन मिलें अत्यधिक आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही हैं जो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को और बढ़ा रही हैं। सरकारी अधिप्राप्ति



आर्डर के आधार पर होती है जो कि घरेलू उद्योग पूरा करने में सक्षम है। जहां तक सैकिंग बैग्स का संबंध है, खुले बाजार में पर्याप्त बिक्रियां होती हैं। जांच अवधि में नेपाल से आयातों का बाजार हिस्सा 26% है, जो कि नगण्य नहीं है।

- (17) निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत बहुत कम है और घरेलू उद्योग के वैध हितों को संरक्षित करने के लिए घोर अपर्याप्त है। प्राधिकारी को वास्तविक कच्चे माल और प्रयोज्यताओं की खपत पर विचार करने की आवश्यकता है। अनेक वर्षों से कच्चे माल की खपत अनेक जटिल कारकों पर निर्भर करती है तथा यह घरेलू उद्योग की अक्षमता का परिणाम नहीं है। वास्तव में कच्चे माल और प्रयोज्यताओं के संबंध में उसकी कार्यकुशलता में कोई गिरावट नहीं आई है। क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए वास्तविक उत्पाद तथा अन्य किसी उत्पादन आधार की अनदेखी करना अनुपयुक्त होगा। प्राधिकारी को क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए उत्पादन की वास्तविक लागत का निर्धारण करने की आवश्यकता है और न कि उत्पादन की काल्पनिक निम्न लागत जिससे कि ऐसी कीमत निर्धारित की जा सके जिसकी तुलना आयात कीमत से नहीं की जा सकती है।
- (18) शुल्क के रूप को उस उद्देश्य को पूरा करना चाहिए जिसके लिए पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है और शुल्क इस तरीके से लगाया जाना चाहिए ताकि वह निष्फल नहीं हो। वर्तमान मामले में शुल्क का संयोजन रूप, शुल्क का अत्यधिक उपयुक्त रूप है। इसके अतिरिक्त संयोजन शुल्क (क) सम-मूल्य शुल्क और (ख) बेंचमार्क का संयोजन होना चाहिए। चूंकि इस जांच में तीन विभिन्न प्रकार के उत्पाद शामिल हैं, इसलिए उत्पाद के तीनों रूपों पर एक निर्धारित शुल्क लागू करना उपयुक्त नहीं होगा। इसके अतिरिक्त चूंकि शुल्क को खपाने की संभावना है, इसलिए याचिकादाताओं का प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे एक बेंचमार्क भी विनिश्चित करें। इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे शुल्क के ऐसे संयोजन स्वरूप की सिफारिश करें जिसमें प्राधिकारी कृपया एक सम मूल्य राशि विनिश्चित कर सकते हैं, जो कि शुल्क की न्यूनतम राशि होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त यदि बेंचमार्क से आयात कीमत की तुलना करने से सम मूल्य की तुलना में अधिक मात्रा में अंतर होने का पता चलता है, तो ऐसी मात्रा को शुल्क के रूप में प्रभारित किया जाना चाहिए। पाटन-रोधी शुल्क अमरीकी डालर में निश्चित किया जाए।

### **प्राधिकारी द्वारा जांच**

127. प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद, घरेलू उद्योग के आधार, क्षति का निर्धारण, पाटन मार्जिन का मूल्यांकन और पाटनरोधी शुल्क का स्वरूप पर विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट करते हैं और यह मानते हैं कि-

- (1) जांच की शुरुआत करते समय विचाराधीन उत्पाद में पटसन उत्पादों को शामिल किया गया है, जिनमें बंगलादेश और नेपाल से पटसन यार्न/ट्वाईन (मल्टीपल फोल्डिड/केबिल्ड और एकल) हैसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स शामिल हैं। हालांकि इन उत्पादों की किस्में पारस्परिक रूप से संबंधित हैं लेकिन उत्पादन और अंतः प्रयोग के रूप में इनमें भिन्नता है, साथ ही इनके विभिन्न सीमाशुल्क शीर्ष हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने इन तीनों उत्पादों को विभिन्न वस्तुएं माना है। प्राधिकारी ने इन तीन किस्मों के उत्पादन के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण पृथक रूप से किया है और से इन तीनों किस्मों के उत्पादों के लिए पृथक रूप से पाटनरोधी उपाय लागू करने की सिफारिश करते हैं। नेपाल से पटसन यार्न के मामले के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू करने के समय इसे विचाराधीन उत्पाद से बाहर नहीं रखा गया था, तथा निर्यातक की प्रश्नावली द्वारा आयातों की मात्रा को नोट करने तथा डीजीसीआईएस द्वारा आयातों की संपुष्टि होने पर इसे पाटनरोधी नियमावली के अनुसार उपायों के विचारार्थ शामिल कर लिया गया है। इस संबंध में इसके अतिरिक्त यह भी दोहराया जाता है कि जांच के दौरान यथा सत्यापित ऐसी वस्तुओं की मात्रा और कीमत को ध्यान में रखते हुए तीनों किस्मों के उत्पादों के पाटन का निर्धारण करने के लिए पृथक रूप से जांच की गई है।
- (2) घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में प्राधिकारी ने प्रकटन और प्रासंगिक उपरोक्त पैराओं में आयातों की मात्रा और उनके सापेक्षित अंश के बारे में बताया है। प्राधिकारी का यह मानना है कि नियमावली निर्दिष्ट प्राधिकारी को ये विवेकाधिकार प्रदान करती है कि वे ऐसे उत्पादक को जिसने उत्पाद के आयात किए हैं, पात्र अथवा अपात्र मान सकते हैं। प्राधिकारी ने मामले के तथ्यों के आधार पर यह उपयुक्त समझा है कि इन उत्पादकों को नियमावली के अंतर्गत पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माना जाए।
- (3) इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी का यह मानना है कि वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में यह मानना उपयुक्त होगा कि घरेलू उत्पादकों का वर्तमान गठन नियमावली में उल्लिखित घरेलू उद्योग की परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनता है। प्राधिकारी का यह मानना है कि नियमावली ऐसा विनिश्चित नहीं करती है कि घरेलू उद्योग से यह स्पष्ट होता हो कि समग्र घरेलू उत्पादक अथवा ऐसे घरेलू उत्पादक उसमें शामिल हैं, जिनका अंशदान 50 प्रतिशत से अधिक है। प्राधिकारी का यह भी मानना है कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि याचिकादाता ने कंपनियों को चुनने का रास्ता अपनाया है और न ही ऐसा कोई प्रमाण है जिससे यह पता चलता हो कि बाकी घरेलू उत्पादकों को क्षति नहीं हो रही है।
- (4) पाटन मार्जिन पर बांग्लादेश से प्रतिदर्श निर्यातकों की ओर से मै0 वर्ल्ड ट्रेड कंसलटेंट्स एंड एडवोकेट द्वारा, नेपाल के सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा वकील श्री राकेश सिन्हा और बांग्लादेश सरकार द्वारा किए गए निवेदनों के संबंध में प्राधिकारी ने उपरोक्त पैराओं में यह बताया है कि उन्होंने भारत को सकल निर्यात कीमत के साथ बिक्रियों के स्तर की लागत पर परिकलित

सामान्य मूल्य की तुलना की है और न कि कारखाना निर्यात कीमत पर। प्राधिकारी ने अपनी सुसंगत प्रथा के अनुसार उत्पादन की लागत पर उपयुक्त प्रतिलाभ प्रदान किया है।

- (5) बंगलादेश के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा निर्यात सब्सिडी पर समायोजन करने के दावे के संबंध में प्राधिकारी का यह मानना है कि ऐसा समायोजन विश्व व्यापार संगठन के प्रावधानों के अनुच्छेद 2.4 के अंतर्गत विनिश्चित रूप से प्रदान नहीं किया गया है और यह कि प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में कारखानागत निर्यात कीमत को सूचित करते समय विशेष रूप से यह बताया है कि विश्व व्यापार संगठन के अनुच्छेद 2.4 के अंतर्गत स्वीकार्य सभी समायोजनों पर ही विचार किया गया है।
- (6) क्षति का निर्धारण करने के संबंध में प्राधिकारी ने सरकारी बाजार में सैकिंग बैग्स की बिक्रियों के पृथकीकरण द्वारा कीमत और मात्रा का निर्धारण किया है।
- (7) एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा 28/3 विनिर्देशन के यार्न/ट्वाइन को बाहर रखने के संबंध में किए गए निवेदन तथा साथ ही उसके इस निवेदन को नोट किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा जून, 2015 से मिल के बंद होने के बारे में सूचित किया गया है, जबकि वह मिल संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति कर रही है, प्राधिकारी का यह मानना है कि उन्होंने मात्रा और कीमत क्षति, दोनों पहलुओं पर जांच अवधि (1.4.2014 से 31.3.2015 तक) के लिए क्षति निर्धारण किया है। इसके अतिरिक्त विचाराधीन उत्पाद में से किसी भी ग्रेड के यार्न/ट्वाइन को बाहर नहीं रखा गया है क्योंकि घरेलू उद्योग ने सभी ग्रेडों का उत्पादन किया है/उनका उत्पादन करने की क्षमता विद्यमान है।
- (8) क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए प्रयुक्त नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ के संबंध में प्राधिकारी ने एन आई पी का निर्धारण करने के लिए नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत प्रतिलाभ को अपनाने की अपनी सुसंगत प्रथा पर विचार किया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार, क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है तथा इसलिए कम क्षतिरहित कीमत के संबंध में याचिकादाताओं के तर्क स्वीकार्य नहीं हैं।
- (9) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद की मांग को पूरा नहीं कर सकता है। जबकि अनेक जांच में प्राधिकारी द्वारा एक प्रासंगिक प्राचल के रूप में देश में मांग पूर्ति में व्याप्त अंतर पर विचार नहीं किया गया है, यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षमताएं देश में उत्पाद की मांग से अत्यधिक विद्यमान हैं।
- (10) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि भारतीय मांग के प्रसंग में आयातों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में खपत के प्रसंग में विचाराधीन उत्पादों के आयातों में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, चूंकि आयातित उत्पाद की खपत सरकारी अधिप्राप्ति में नहीं होती है, इसलिए भारत में मांग में आयातों के हिस्से की जांच यदि सरकारी अधिप्राप्ति को बाहर रखने के बाद की जाए तो यह देखा जा सकता है कि उक्त हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जोकि लगभग 15 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 28 प्रतिशत हो गया है।
- (11) क्षति के आंकड़ों के प्रकटन के संबंध में प्राधिकारी ने सूचना की गोपनीयता पर विचार करते हुए वास्तविक अथवा सूचीबद्ध आंकड़े प्रकट किए हैं।
- (12) घरेलू उद्योग की जांच अवधि पश्चात लाभप्रदता के संबंध में प्राधिकारी का यह मानना है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान और क्षति अवधि के पश्चात अपनी सुसंगत प्रथा के अनुसार समस्त क्षति प्राचलों का विश्लेषण किया है तथा जांच शुरूआत करने संबंधी अधिसूचना में विशेष रूप से क्षति अवधि का उल्लेख किया है। साथ ही उपायों की सिफारिश करने के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर सभी परिकलन जांच अवधि के आंकड़ों पर आधारित हैं।
- (13) घरेलू उत्पादकों के बीच पारस्परिक प्रतिस्पर्धा होने के कारण क्षति होने के संबंध में प्राधिकारी का यह मानना है कि पाटनरोधी उपायों का प्रयास क्षति मार्जिन (यदि वह पाटन मार्जिन से कम है) को दूर करने के लिए बेहतर निदान प्रदान करना है, जिनमें क्षति रहित कीमत और पहुंच मूल्य घरेलू उत्पादकों के बीच गहन प्रतिस्पर्धा होने का कोई कारण नहीं है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी के ध्यान में ऐसा कोई प्रमाण नहीं लाया गया है कि किसी घरेलू उत्पादक ने कीमत में कटौती प्रवर्तित की हो। यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती सकारात्मक है।
- (14) शुल्क के स्वरूप के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमरीकी डॉलर के रूप में निर्धारित शुल्क को उपयुक्त पाया गया है और प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में भी इसी स्वरूप की सिफारिश की है।
- (15) डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े प्रदान करने के संबंध में प्राधिकारी का यह मानना है कि उन्होंने इन आंकड़ों को सार्वजनिक फाइल पर उपलब्ध करा दिया है।

- (16) यह नोट करते हुए कि मै0 सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लि0 ने दिनांक 17.10.2016 के अपने पत्र के माध्यम से संशोधित लागत के आंकड़े प्रदान किए हैं, प्राधिकारी ने इन संशोधित लागत आंकड़ों पर इसलिए विचार नहीं किया है क्योंकि उन्हें स्थल पर जांच करने के समय उन्हें प्रस्तुत नहीं किया गया था/उपलब्ध नहीं कराया गया था।
- (17) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय प्रदान किया था। प्राधिकारी मै0 एहयान जूट मिल्स लिमिटेड के निवेदनों को नोट करते हैं और उनका यह मानना है कि उन्होंने निर्धारित प्रपत्र के अनुसार तथा बढ़ाई गई तारीख के भीतर प्रस्तुत किए गए उत्तरों के आधार पर बंगलादेश के उत्तरों का प्रतिदर्श बनाया है। ऐसे किसी भी उत्पादक/निर्यातक को जिसने विलंबित चरण पर उत्तर प्रस्तुत किया है, केवल अवशिष्ट श्रेणी में शामिल करने पर विचार किया गया है।

### भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

128. प्राधिकारी प्रयोक्ताओं के अनुरोधों को नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लगाना किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयातों को प्रतिबंधित करना तथा उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करना नहीं है।

129. प्राधिकारी का यह भी मानना है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने की स्थिति में यद्यपि भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकता है परंतु भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में ऐसे पाटनरोधी उपायों से कमी नहीं आयेगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ को कम किया जा सकता है, जिससे घरेलू उद्योग की गिरावट रुक जायेगी और यह संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायक होगा। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति की दो अथवा उससे अधिक स्रोतों को बनाये रख सकते हैं।

### निष्कर्ष

130. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने तथा उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि-

- (1) संबद्ध देशों से संबंधित उत्पाद का पाटन है।
- (2) संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं और उनमें ह्रास कर रहे हैं।
- (3) घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में निवेश और नकदी प्रवाह पर लाभप्रदता प्रतिलाभ के रूप में गिरावट आई है।
- (4) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

### सिफारिशें

131. इसलिए प्राधिकारी ऐसी सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं कि नीचे शुल्क तालिका में वर्णित रूप में और तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निम्नलिखित पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

132. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को लागू करने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा नीचे तालिका के कालम 9 में निर्दिष्ट राशि के बराबर पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

### शुल्क तालिका

क्रमांक	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण*	विनिर्देशन	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	5307, 5310, 6305 तथा 5607	पटसन यार्न/ट्वाईन	सभी रूपों और विनिर्देशनों में	बंगलादेश	बंगलादेश	प्राईड जूट मिल	प्राईड जूट मिल	104.16	अमरीकी डालर/मी.टन
2.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड	आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड	19.30	अमरीकी डालर/मी.टन

3.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड	सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड	20.35	अमरीकी डालर/मी.टन
4.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड	अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड	20.35	अमरीकी डालर/मी.टन
5.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	शरीफ जूट मिल्स लिमिटेड	शरीफ जूट मिल्स लिमिटेड	152.85	अमरीकी डालर/मी.टन
6.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	109.59	अमरीकी डालर/मी.टन
7.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	हसन जूट मिल्स लिमिटेड	हसन जूट मिल्स लिमिटेड	Nil	अमरीकी डालर/मी.टन
8.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश			Nil	अमरीकी डालर/मी.टन
9.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	जनता जूट मिल्स लिमिटेड	जनता जूट मिल्स लिमिटेड	20.68	अमरीकी डालर/मी.टन
10.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश			Nil	अमरीकी डालर/मी.टन
11.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सिडलो टेक्सटाईल्स लिमिटेड	सिडलो टेक्सटाईल्स लिमिटेड	102.93	अमरीकी डालर/मी.टन
12.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश			127.48	अमरीकी डालर/मी.टन
13.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	102.93	अमरीकी डालर/मी.टन
14.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक**		97.19	अमरीकी डालर/मी.टन
15.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक**		351.72	अमरीकी डालर/मी.टन
16.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक/निर्यातक**		125.21	अमरीकी डालर/मी.टन
17.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त क्रमांक 1 से 16 में उल्लिखित से भिन्न कोई अन्य संयोजन		162.45	अमरीकी डालर/मी.टन
18.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त क्रमांक 1 से 16 में उल्लिखित से भिन्न कोई अन्य संयोजन		351.72	अमरीकी डालर/मी.टन
19.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त क्रमांक 1 से 16 में उल्लिखित से भिन्न कोई अन्य संयोजन		138.97	अमरीकी डालर/मी.टन
20.	- वही -	पटसन यार्न/ ट्वाईन	- वही -	बंगलादेश	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यधीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	162.45	अमरीकी डालर/मी.टन

21.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	बंगलादेश	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	351.72	अमरीकी डालर/मी.टन
22.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	बंगलादेश	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	138.97	अमरीकी डालर/मी.टन
23.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	बंगलादेश	कोई भी	कोई भी	162.45	अमरीकी डालर/मी.टन
24.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	बंगलादेश	कोई भी	कोई भी	351.72	अमरीकी डालर/मी.टन
25.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	बंगलादेश	कोई भी	कोई भी	138.97	अमरीकी डालर/मी.टन
26.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	नेपाल	नेपाल	अरीहंत मल्टी-फाईवर्स लिमिटेड	अरीहंत मल्टी-फाईवर्स लिमिटेड	24.61	अमरीकी डालर/मी.टन
27.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	नेपाल	नेपाल			35.25	अमरीकी डालर/मी.टन
28.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	नेपाल	नेपाल			Nil	अमरीकी डालर/मी.टन
29.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	नेपाल	नेपाल	श्री रघुपति जूट मिल्स लिमिटेड	श्री रघुपति जूट मिल्स लिमिटेड	24.61	अमरीकी डालर/मी.टन
30.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	नेपाल	नेपाल			35.25	अमरीकी डालर/मी.टन
31.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	नेपाल	नेपाल			Nil	अमरीकी डालर/मी.टन
32.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	नेपाल	नेपाल	स्वस्तिक जूट मिल्स प्राईवेट लिमिटेड	स्वस्तिक जूट मिल्स प्राईवेट लिमिटेड	15.36	अमरीकी डालर/मी.टन
33.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	नेपाल	नेपाल			8.18	अमरीकी डालर/मी.टन
34.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	नेपाल	नेपाल			34.20	अमरीकी डालर/मी.टन
35.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	नेपाल	नेपाल	बाबा जूट मिल्स प्राईवेट लिमिटेड	बाबा जूट मिल्स प्राईवेट लिमिटेड	26.07	अमरीकी डालर/मी.टन
36.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	नेपाल	नेपाल			33.73	अमरीकी डालर/मी.टन
37.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	नेपाल	नेपाल			6.30	अमरीकी डालर/मी.टन
38.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	नेपाल	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	28.72	अमरीकी डालर/मी.टन

39.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	नेपाल	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	8.18	अमरीकी डालर/मी.टन
40.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	नेपाल	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	38.90	अमरीकी डालर/मी.टन
41.	- वही -	पटसन यार्न/ट्वाईन	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	नेपाल	कोई भी	कोई भी	28.72	अमरीकी डालर/मी.टन
42.	- वही -	हैसियन फैब्रिक	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	नेपाल	कोई भी	कोई भी	8.18	अमरीकी डालर/मी.टन
43.	- वही -	सैकिंग बैग्स	- वही -	पाटन-रोधी शुल्क के अध्यक्षीन देश से भिन्न कोई अन्य देश	नेपाल	कोई भी	कोई भी	38.90	अमरीकी डालर/मी.टन

\* "पटसन उत्पाद" में पटसन यार्न/ट्वाईन (मल्टीपल फोल्डिड/केबिल्ड और एकल) हैसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स शामिल हैं।

\*\* अप्रतिदर्श उत्पादकों/निर्यातकों की सूची।

- (1) रहमान जूट स्पिनर्स प्राईवेट लिमिटेड
- (2) शमशेर जूट मिल्स
- (3) गोल्डन जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (4) पूरबी ट्रेडिंग
- (5) सोनाली अंश ट्रेडिंग (प्राईवेट लिमिटेड)
- (6) राजवाडी जूट मिल्स लिमिटेड
- (7) नोवापारा पैकेजिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (8) नोवापारा जूट मिल्स लिमिटेड
- (9) ऊषा जूट स्पिनर्स
- (10) बी.एस. जूट स्पिनर्स लिमिटेड
- (11) मदीना जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (12) नॉर्दर्न जूट
- (13) जूट स्पिनर्स लिमिटेड
- (14) नबाव अब्दुल मालिक जूट मिल्स (बीडी) लिमिटेड

133. इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) द्वारा यथा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़ कर सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।

#### आगे की प्रक्रिया

134. इस अंतिम जांच परिणाम के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण) के समक्ष दायर की जाएगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**New Delhi, the 20<sup>th</sup> October, 2016**FINAL FINDINGS**

**Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of “Jute products” viz- Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags from Bangladesh and Nepal.**

**No. 14/19/2015-DGAD.**—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules).

**A. Background of the case**

- Whereas Indian Jute Mills Association (IJMA) (hereinafter mentioned as "Petitioner") has filed an application before the Designated Authority (hereinafter mentioned as "the Authority") in accordance with ("the AD Rules") for initiation of an anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty on the imports of "Jute Products" viz,- (Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags) (hereinafter mentioned as "the Subject Goods") originating in or exported from Bangladesh and Nepal (hereinafter as "the Subject Countries").

**B. PROCEDURE**

The procedure as described herein below has been followed:

- The Authority under the AD Rules, received a written application from the petitioner, an association on behalf of domestic industry of subject goods, alleging dumping of subject goods originating in or exported from Bangladesh and Nepal and resultant injury to the domestic industry and requesting recommendations for imposition of antidumping duty on imports of the subject goods from the subject countries.
- The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with rule 5 sub-rule (5) of the AD Rules.
- On the basis of sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, injury to the domestic industry and a causal link between the alleged dumping and injury, the Authority initiated an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of subject goods from the subject countries and to recommend an amount of antidumping duty, which if levied on the Jute products viz,- Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags also called Product under consideration (PUC), would be adequate to remove the 'injury' to the domestic industry.
- The Authority issued a public notice dated 21st October, 2015 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
- The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and users association of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- The Authority provided a copy of the non-confidential version of application filed by the petitioner to the known exporters and the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to interested party whenever requested.
- The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters of subject goods in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules.

Corofin Jutex Corporation, Bangladesh	Shamsher Jute Mills Ltd., Bangladesh
Shinepukur Holdings Ltd., Bangladesh	World Trading Corporation, Bangladesh
Sonali Aansh Trading (Pvt) Ltd., Bangladesh	Abir International, Bangladesh
Atmmr Enterprise, Bangladesh	Alam Trade International, Bangladesh
Alif International, Bangladesh	Aliss International, Bangladesh
Amanat International, Bangladesh	Anss Corporation (Pvt) Ltd, Bangladesh
ABC Agency, Bangladesh	ACME Trade International, Bangladesh

Anika Overseas Discovery Service, Bangladesh	Arkay & Kayar Associates, Bangladesh
Asimpex Trading Corp. Ltd, Bangladesh	Amin Jute Products, Bangladesh
Bengulf Trading Co. Ltd., Bangladesh	Bengal Braided Rugs Ltd., Bangladesh
Blue Bell Enterprise, Bangladesh	Bonny International Ltd, Bangladesh
Bengal Jute & Burlap Agencies, Bangladesh	BBI Jute & Product Export Ltd, Bangladesh
Bag & Burlap International Ltd, Bangladesh	Bangladesh Allied Business Asso., Bangladesh
B.N. Trading, Bangladesh	Bankor International Corporation, Bangladesh
Banglar Annsh (Pvt) Ltd, Bangladesh	Bangladesh Jute Processing Co., Bangladesh
Beiico International Ltd., Bangladesh	Bhuiyan Int'l Corp, Bangladesh
Bulk Trade International, Bangladesh	Bizline Corporate Ltd., Bangladesh
Burlap World Ltd., Bangladesh	Brothers International, Bangladesh
B.desh Jute Diversification Center, Bangladesh	Bangladesh International Trade, Bangladesh
Beheshti Export & Import, Bangladesh	Bangladesh Export Limited, Bangladesh
CDR Trade International, Bangladesh	Commimpex, Bangladesh
Confident Jute & Bag Ltd., Bangladesh	Concrete Fibres International, Bangladesh
Consolidated Commodities, Bangladesh	Creation (Pvt) Ltd, Bangladesh
Corr-The Jute Works, Bangladesh	Crifoo Intertrade Ltd., Bangladesh
Corofin Jutex Corporation, Bangladesh	Cosmotic, Bangladesh
Dubai Jute & Bag Corporation, Bangladesh	Continental Trade Exchange Ltd., Bangladesh
Dipali Agncies, Bangladesh	Delca Bangladesh Ltd, Bangladesh
Dawan Export International, Bangladesh	Desh Bidesh Enterprise, Bangladesh
Dewan Trade International, Bangladesh	Eastern Trade International, Bangladesh
Erans Trade International Ltd., Bangladesh	Ecotrade International, Bangladesh
East Asian Business Associates, Bangladesh	Exim N. Trade, Bangladesh
Erab Limited, Bangladesh	Esses Exporters Ltd., Bangladesh
Enam & Sons, Bangladesh	Eehamm International Ltd., Bangladesh
Extra Pace Logistics Ltd, Bangladesh	Enam Express Limited, Bangladesh
Edge Trading, Bangladesh	Early Bird Corporation, Bangladesh
Faisal Trading Co., Bangladesh	Farhana Style Limited, Bangladesh
Fibres International Ltd., Bangladesh	Eshana Jute Products, Bangladesh
Food Grade Jute Traders, Bangladesh	Fibre Deals Limited, Bangladesh
Faimex Trade International, Bangladesh	Fair Trading Company, Bangladesh
Global Jute Goods, Bangladesh	Globe Solidarity Ltd., Bangladesh
Golden Jute Diversification Center Ltd., Bangladesh	Global Jute Trading Ltd., Bangladesh
H.F Exporters, Bangladesh	Hamona Trading Corporation, Bangladesh
Hanif Impex International, Bangladesh	Hossain Jute Trading Co., Bangladesh
HN Enterprise, Bangladesh	International Trade Exchange, Bangladesh
International Burlap Supplier, Bangladesh	Indus Enterprise, Bangladesh
Immense Trading House, Bangladesh	Jute Expo Trading Ltd., Bangladesh
Jute & Bags Export Corporation Bangladesh	Jute Heaven, Bangladesh
Jutex Bangladesh, Bangladesh	Jute Export Corporation, Bangladesh
Jainex International, Bangladesh	Jutex International, Bangladesh
Jahan Trader, Bangladesh	Jahan International Trading Co., Bangladesh
Jute Mate Packaging Co., Bangladesh	Jute Export Trading Corporation, Bangladesh
JBL International, Bangladesh	Jupiter Jute Leather Corporation Bangladesh
Jahan Enterprise, Bangladesh	Kiron Enterprise, Bangladesh
Knaf International, Bangladesh	Kingshuk Limited, Bangladesh
Khan Sons Interl (BD) Ltd,Bangladesh	Lupa International, Bangladesh
Lotus International , Bangladesh	Louis Dreyfus Co. Ltd., Bangladesh
Metropolitan Export Corp, Bangladesh	Lipton Jute Trade International,Bangladesh
Monami International Ltd.,Bangladesh	M.F International, Bangladesh



Maico Jute & Bag Corporation Bangladesh	Mask Associate (Pvt) Ltd., Bangladesh
Marium Enterprise, Bangladesh	Meem International, Bangladesh
Mowlik Trade & Services Ltd, Bangladesh	Monir Trading Corporation, Bangladesh
Mohajan Trade International, Bangladesh	M.R. Associates, Bangladesh
M. Rahman & Co., Bangladesh	M.H Trading, Bangladesh
Mikuni Corporation, Bangladesh	Mawada Traders, Bangladesh
Mart Overseas Ltd, Bangladesh	Monsur & Brothers, Bangladesh
Mee Trading Corporation, Bangladesh	M.M International, Bangladesh
Modern Import & Export, Bangladesh	Neptune Enterprise, Bangladesh
Narsingdi Jute Traders, Bangladesh	Natural Jute Products, Bangladesh
Natural Fibre Services Ltd, Bangladesh	New Agencies, Bangladesh
Orient Trade International, Bangladesh	Omega Fashion Limited, Bangladesh
Neety Enterprise, Bangladesh	Online Limited, Bangladesh
Prime Enterprise, Bangladesh	Rainbow Associates, Bangladesh
Passco Jute, Bangladesh	Relible Trade International, Bangladesh
Rose Corner (Pvt) Ltd., Bangladesh	Riimex Enterprise, Bangladesh
Rush Export International Ltd. Bangladesh	Rean Trade International, Bangladesh
R.E.B Agencies, Bangladesh	Rafique Trade International, Bangladesh
Raj Fibres Ltd, Bangladesh	Seatex International, Bangladesh
Swift Trade Impex, Bangladesh	Shathi Export International Ltd., Bangladesh
Sami Enterprise, Bangladesh	Shams Trade International Ltd, Bangladesh
Sealand Export International, Bangladesh	SWS Trade Lines (Pvt.) Ltd., Bangladesh
Sonali Aansh Trading (Pvt) Ltd. Bangladesh	Sagorika International, Bangladesh
Shyamol Bangla Jutex Ltd., Bangladesh	Sonali Fibres Trading Co., Bangladesh
Sea-Rock Consortiam, Bangladesh	Sonargaon Fibres, Bangladesh
Sonjes International, Bangladesh	SMSN Trade International, Bangladesh
Sadi Enterprise, Bangladesh	Skyland & Fam Ltd., Bangladesh
Saddat Trading Co. Ltd., Bangladesh	Samser Enterprise, Bangladesh
Sadia Jute Trading, Bangladesh	Shudepta Trade Co., Bangladesh
Sharifpur Trading Agency, Bangladesh	Sutapa Impex, Bangladesh
Sacks Export & Trading Intel., Bangladesh	S. Islam & Sons, Bangladesh
S.S Engineering Works, Bangladesh	S.S enterprise, Bangladesh
Takawa Mah Enterprise Ltd, Bangladesh	The Globe Traders, Bangladesh
The Golden Fibre Trade Center Ltd Bangladesh	Trade International, Bangladesh
Taurus Limited, Bangladesh	Trade Impex, Bangladesh
Tamara Trading Agencies Ltd. Bangladesh	Uni Exim, Bangladesh
Ujala Trading Corporation, Bangladesh	Vicar International, Bangladesh
Victory Enterprise Ltd. , Bangladesh	Varity Jute Trading Co., Bangladesh
Vertex International Ltd, Bangladesh	William Agencie, Bangladesh
Yakub Ali (Faridpur) Ltd, Bangladesh	Wizard Incorporation, Bangladesh
Bengal Carpet Ltd., Bangladesh	Saleh Carpet Mills Ltd., Bangladesh
Arku Industries Manufacturing Ltd., Bangladesh	Bangladesh Export Limited, Bangladesh
Lalmai Footwear Ltd., Bangladesh	Metropolitan Export Corporation, Bangladesh
Sonali Aansh Industries Ltd., Bangladesh	Tradewinde, Bangladesh
Afzal Jute Industries Ltd., Bangladesh	Beiico International Ltd., Bangladesh
Alijan Jute Mills Ltd., Bangladesh	B.R. Corporation, Bangladesh
Rupsa Import & Export Ltd., Bangladesh	William Agencies, Bangladesh
A.R.A Jute Mills Ltd., Bangladesh	ABC Agency, Bangladesh
Ahad Jute Mills Ltd., Bangladesh	Akij Jute Mills Ltd., Bangladesh
Al-Haj Aminuddin Jute Mills Ltd. Bangladesh	Alijan Jute Mills Ltd., Bangladesh
Anwar Jute Spinning Mills Limited Bangladesh	Aziz Fibres Ltd., Bangladesh
Bangladesh Jute Association Bangladesh	Bangladesh Jute Mills Corporation Bangladesh
B.S. Jute Spinners Ltd. , Bangladesh	Bengal Jute Industries Ltd., Bangladesh

Chittagong Jute Mfg. Co. Ltd. Bangladesh	Charmuguria Jute Mills Ltd. ,Bangladesh
Ferdaus Jute Mills Ltd., Bangladesh	Islam Khan Jute Mills Ltd. ,Bangladesh
Janata Jute Mills Ltd., Bangladesh	Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Keraniganj Jute Fibres Ltd., Bangladesh	Lytton Jute Mills Limited, Bangladesh
Karim Jute Spinners Ltd., Bangladesh	Metropolitan Exports Corporation Bangladesh
New Dacca Industries Limited Bangladesh	Nissan Jute Mills Limited, Bangladesh
Nawab Abdul Malek Jute Mills (BD) Ltd. Bangladesh	Mutual Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Northern Jute Manufacturing Co. Ltd. Bangladesh	Nowapara Jute Mills Ltd., Bangladesh
Popular Jute Mills Ltd., Bangladesh	Patuakhali Jute Mills Ltd., Bangladesh
Sadat Jute Industries Limited Bangladesh	Saddat Trading Co. Ltd., Bangladesh
Sayeed Jute Spinning Ltd., Bangladesh	Sagar Jute Spinning Mills Limited Bangladesh
Sarwar Jute Mills Ltd., Bangladesh	Shamsher Jute Mills Ltd., Bangladesh
Sharif Jute Mills Ltd., Bangladesh	Shihab Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Shyamol Bangla Jutex Ltd., Bangladesh	Shinepukur Holdings Limited. Bangladesh
Sidlaw Textile (Bangladesh) Ltd. Bangladesh	Sonali Aansh Industries Ltd., Bangladesh
Specialised Jute Yarn & Twine Mfg. Co. Ltd., Bangladesh	Supreme Jute and Knitex Limited Bangladesh
Transocean Fibres Processors (BD) Ltd. Bangladesh	Usha Jute Spinners Ltd. , Bangladesh
World Trading Corporation, Bangladesh	Victory Jute Products Ltd. , Bangladesh
Ambika, Nepal	Trans Trade Service, Nepal
Asahi Overseas Traders, Nepal	General Overseas Agency, Nepal
Ashok Trading Concern, Nepal	Ghorashyar Enterprises, Nepal
Atlantic Trading Concern, Nepal	Golchha Organization, Nepal
B.K. International, Nepal	Greentex Enterprises, Nepal
Baba Enterprises, Nepal	Gupta Enterprises, Nepal
Balaju Enterprises, Nepal	Him Interntaional (P) Ltd, Nepal
Bhudeo Khadya Udyog, Nepal	Indra Trade Concern, Nepal
Bijaya Enterprises, Nepal	Jalnex Enterprises, Nepal
Binit Enterprises, Nepal	Khatu International, Nepal
Brighter Industries (P) Ltd, Nepal	Laxmi Concern, Nepal
Chhagan Mall Traders, Nepal	Madan Lal Chiranjibi Lal
Chhyangle Trade Links, Nepal	Mahesh Overseas Enterprises, Nepal
Diamond Nepal Enterprises, Nepal	Nepal United Company (P) Ltd, Nepal
Digo International (P) Ltd, Nepal	New Trade Centre, Nepal
Dugar Brothers & Sons, Nepal	Paban Overseas Concern, Nepal
Dugar Organization, Nepal	R & R Enterprises Pvt. Ltd, Nepal
Exportex Trading, Nepal	Rajshree Enterprises, Nepal
Gaurav Impex, Nepal	Sangam International Enterprises, Nepal

9. In response to the initiation notification and subsequent extension to file questionnaire responses provided by the Authority on specific request of various exporters/producers/importers and also Government of Bangladesh, the following exporters/producers have filed questionnaire response along with certain submissions as well.

- (1) Sidlaw Textiles Ltd.
- (2) Sagar Jute Spinning Mills Ltd
- (3) Afil Jute Weaving Mills Ltd.
- (4) Janata Jute Mills Ltd.
- (5) Asha Jute Industries Ltd.
- (6) Pride Jute Mills Ltd.
- (7) Sharif Jute Mills Limited
- (8) Anwar Jute Spinning Mills Ltd.
- (9) Alijan Jute Mills Ltd.

- (10) Sonali Ansh Industries Ltd.
- (11) Hasan Jute Mills Ltd.
- (12) Rahman Jute Spinners Pvt. Ltd.
- (13) Nawab Abdul Malek Jute Mills Ltd.
- (14) Rahman Jute Mills Pvt. Ltd.
- (15) Shamsheer Jute Mills
- (16) Golden jute Industries Ltd.
- (17) Purabi trading
- (18) Sonali Ansh Trading (Pvt. Ltd.)
- (19) Rajbari Jute Mills Ltd.
- (20) Nowapara Packaging Industries Ltd.
- (21) Nowapara Jute Mills Ltd.
- (22) Usha jute Spinners
- (23) B.S. Jute Spinners Ltd.
- (24) Madina Jute Industries Ltd.
- (25) Northern Jute Manufacturing Co. Ltd.
- (26) Jute Spinners Ltd.

Following four producers/exporters from Nepal have filed questionnaire response along with certain submissions are:

- (1) M/s Arihant Multi-Fibers Ltd.
- (2) M/s Shree Raghupati Jute Mills Ltd.
- (3) M/s Swastik Jute Mills Pvt. Ltd.
- (4) M/s Baba Jute Mills Pvt. Ltd.

M/s Nepal Jute Mills and M/s Chandra Shiva Jute Mills Pvt. Ltd. requested to file the questionnaire after the onsite verification of exporters of Nepal. The Authority has rejected as the request as it was made at a very belated stage and that too post onsite verification.

10. Questionnaire was sent to the following known importers/users associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Ahmed Export, West Bengal	K.L.Jute Products Pvt.Ltd, West Bengal
	R. Harilal & Co.(Calcutta), West Bengal
Kamal Kumar Goyal West Bengal	J.K. Sons & Co., West Bengal
Navin Gupta West Bengal	Sheo Kumar Agarwal West Bengal
Ashim Kar & Industries Pvt. Ltd., West Bengal	Coastal Packagers Pvt. Ltd., West Bengal
Naresh Kumar Agarwal, West Bengal	Churiwal Commercial Co. (P) Ltd., West Bengal
Ai Champdany Industries Ltd., West Bengal	Ganges Jute Pvt.Ltd., West Bengal
Mohan Jute Ltd. West Bengal	Yucon Exports Private Ltd, West Bengal
H.R. International Limited West Bengal	Bhagwati Sales Agency, Maharashtra
S L Packaging Private Limited, West Bengal	Terai Overseas Ltd. West Bengal
Tarun Dokania, West Bengal	G M Jute Exports Co. West Bengal
Jayvardhan Bansal, West Bengal	Sandoz Merchants Pvt. Ltd., West Bengal
Ramiz Ahamed, West Bengal	Nirmal Khandelwal, West Bengal
Sarada Trading Company, West Bengal	Hooghly Infrastructure Private Limited West Bengal

Vijaykumar & Co Jute Pvt, West Bengal	Aditya Translink Pvt. Ltd., West Bengal
Romy Enterprise, Maharashtra	
Rajesh Trading Co., Haryana	Narendra Kumar Ruia Huf, West Bengal
Krishna Jute Sales, Haryana	Ramsaran & Sons, West Bengal
Anil Traders, Haryana	Ram Kishore Luhariwala And Ors West Bengal
L G W Limited, West Bengal	Khandelwal Jutex Private Limited West Bengal
Golden Floor Furnishing Pvt Ltd, New Delhi	Magnum Marketing, West Bengal
Shilpi Saha, West Bengal	Shree Udyog, West Bengal
Mira Goel, West Bengal	Industrial Associates (Jute ) Pvt Ltd West Bengal
Gopiram Gupta & Company Pvt Ltd West Bengal	Kailash Traders, Karnataka
Pratap Kumar Banerjee, West Bengal	Jindal Fibres Ltd, Punjab
Mohan Jute Bags Mfg Co, West Bengal	Vardhman Plastics Pvt. Ltd, West Bengal
Ganapati Rope Works, West Bengal	Indo Cotspin Ltd, Haryana
Shri Girirajji & Company, Madhya Pradesh	Abdul Mazed Sardar West Bengal
Sri Bajrang Jute Mills Ltd, West Bengal	Haryana Bardana Trading Co., Haryana
Impex Private Limited, West Bengal	Radha Krishna Jute Products Private Limited, West Bengal
Srinivasa Jute Mills (P) Ltd., Andhra Pradesh	SDJ International, West Bengal
Vivek & Company, West Bengal	Northbrook Jute Company Ltd, West Bengal
Goel Trading Company, West Bengal	Jain Associate, Assam
M.N. Associates, Madhya Pradesh	Ramesh Chandra Agarwal, West Bengal
Meghraj Madanlal Gattani, Rajasthan	JK Sons Jute Co. Private Limited, West Bengal
Global Exim Private Ltd, West Bengal	Franktex Enterprises Pvt.Ltd, West Bengal
MMB Jute Udyog, Madhya Pradesh	Jay Vardhan Bansal, West Bengal
Prabir Mitra, West Bengal	Shri Anand Jute Centre, Haryana
Sarifuddin Ahmed, West Bengal	Vishal Jute Private Limited, West Bengal
Shifa Impex, Gujarat	Tirupathi Packagers, Karnataka
Manoj Kumar Bajoria, West Bengal	Vivek Gupta, West Bengal
Satyendra Packaging Pvt. Ltd, Gujarat	Chem Worth, West Bengal
Terai Overseas Private Ltd, West Bengal	S.N. Brothers, Kerala
Chhaju Ram Nitin Kumar, Haryana	Balkrishan Gupta, West Bengal
Riviera Home Furnishings, Delhi	GM Jute Exports Co., West Bengal
Jaikrishandass Mall Jute Products (P) Ltd., Orissa	Jagrati Trade Services Pvt. Ltd. West Bengal
Reliance Jute Mills (International) Ltd, West Bengal	Bhagtara Jute Industries (P) Ltd, Maharashtra
Howrah Mills Company Ltd, West Bengal	Ramdev Industries Limited, Andhra Pradesh
Rama Trading Company, Delhi	Rajdhani Bardana Corporation, Rajasthan

The following Importers/user associations have filed response/Importer Questionnaire in response to the Initiation notification regarding filing of Importer Questionnaire Response.

- (1) M/s Ganiram Agarwal & Co. (through Lakshmi Kumaran & Shridharan)
- (2) M/s Costal Packagers (P) Ltd. (through Lakshmi Kumaran & Shridharan)
- (3) M/s Satyendar Packaging Pvt. Ltd.
- (4) M/s Unnati Overseas
- (5) M/s Sarvamangla Pratishthan

- (6) M/s Navin International
- (7) M/s LGW Limited
- (8) M/s Shree Udhyog
- (9) M/s Meghraj Madan Lal Gattani
- (10) M/s Ramsaran & Sons
- (11) M/s Industrial Associates
- (12) M/s Gurudayal Enterprises
- (13) M/s Chiranjilal Gaurishankar & Co.
- (14) M/s SL Packaging Ltd.

11. Further legal submissions were filed by the following:

- i. Jute Products Importers Association, India
- ii. AP Mesta Twine Mills Association
- iii. Indian Jute Mills Association

12. Keeping in view the request made by various exporters/ importers, Government of Bangladesh that enormous data is to be compiled, the Authority granted sufficient extension in time to file response to the questionnaire.
13. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by all interested parties. The public file was inspected by a number of interested parties a number of times. Interested parties, who requested inspection and copies of the documents from the public file, were provided with the same.
14. The Authority accepted the confidentiality claims, wherever warranted after due examination and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on a confidential basis, which was made available through public file.
15. Further information was sought from the petitioner and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of present investigation. Onsite verification of data filed by producer/exporter of Bangladesh and Nepal was also done in August, 2016.
16. Investigation was carried on for the period 1st April, 2014 to 31st March, 2015 (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or 'POI') with injury analysis covering the period from 2011-12 to POI.
17. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigation, and the said information was obtained from the DGCI&S and has been adopted for the purpose of the present investigation.
18. The Authority has examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III of the AD Rules to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
19. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 26<sup>th</sup> July 2016 which was attended by various parties including the representatives from the Government of Bangladesh and Nepal. The all parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of these views for mutual exchange with opposing interested parties for filing rejoinders thereafter by others.
20. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts were disclosed by the Authority on 11<sup>th</sup> October, 2016 to the concerned interested parties. Comments were requested by 17<sup>th</sup> October, 2016. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding.
21. Various Average Exchange rates for the POI are considered as
  - 1 US \$= Rs 61.69
  - 1 US \$= 77.2 BDT
  - 1 RS = NRS 1.6

22. \*\*\* represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the rules.

**A. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

23. The product under consideration in the present investigation is 'Jute Products' comprising of Jute yarn/twine (multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags.

**Views of the Domestic Industry:**

24. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to the product under consideration (PUC) and like article:
- The product under consideration is "jute products" comprising of Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags. Other types of jute goods are beyond the scope of the present investigation.
  - The import of product is allowed under Open General License (OGL) policy and there are no restrictions on the imports of the subject goods.
  - There is no difference in the subject goods produced by the domestic industry and exported from subject countries. The two are comparable and technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
  - Merely because the three jute products are classified under separate custom classifications, they cannot be implied to be three different PUCs. To facilitate ease of investigation the injury information has been provided separately for the three forms of the product. However, the three should be treated as one product. The products only constitute an incremental process from one to the other.
  - The interested parties have not established how unit of measurement is likely to prejudice the investigation. The yarn is in measured meters while the fabric is in measured sqm, therefore for uniformity kilogram has been used.
  - The PUC has been defined correctly. As against the allegation that the PUC cannot contain both raw material and products higher in the value chain, it is submitted that the raw material for all three products is raw jute, which is not a part of PUC. The product under consideration is jute products all three of which have a common manufacturing process that emanates from raw jute. The slight incremental processes do not qualify them into three different PUCs under present circumstances.

Moreover, a raw material and end product is not precluded from forming part of one PUC. For instance in WTO cases of Chicken Meat and Chicken products, both Chicken i.e. the raw material and the products form part of the same PUC.

**Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

25. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to the product under consideration (PUC) and like article:
- There is no explanation in the petition as to how all the import volumes and prices use "kilograms" (weight) as units as opposed to "square meter" (area) which is the standard of measurement as per first schedule of the Act.
  - The PUC has been incorrectly defined as one product i.e. Jute yarn is raw material for other two i.e. Hessian Fabrics and Jute sacking bags. The PUCs cannot contain both raw material and products higher in the value chain at the same time. This is unprecedented and unreasonable. The Authority should re-define the PUC.
  - The imports of product under consideration from Bangladesh are not being dumped or causing injury. The subject imports are supplementing the domestic industry and penetrating the segment of the market that Indian Jute Industry is incapable to cover due to capacity constraints.
  - Petitioner has not included CBC while making injury analysis although this product is being regularly imported in India.

**Examination of Authority**

26. The product under consideration in the present investigation is "Jute Products" comprising of Jute Yarn/twine (multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags. At the time of initiation the classification was considered under Chapter 53 and 63 of the 1975 Act and further sub-classified under custom heads 5307, 5310 and 6305. It was stated that the said customs classification is however only indicative and is in no way binding on the scope of the present investigation. However, it is later noted from the data filed by producers/exporters from Nepal that the exports of yarn/twine have also been made by exporters/ producers of the product from Nepal under Custom

heading no. 5607, which covers Twine, Cordage, Ropes and Cables whether or not Plaited or Braided and whether or not impregnated, coated, covered or sheathed with rubber and plastics.

27. The Authority notes that Jute is a natural and an eco-friendly fiber, which comes from the inner bark of plants. The broad usages of jute include packaging, geo-textiles, protection of rooting plants, making of cloths, bags, wrapping, boot and shoe lining, fuse yarns, aprons, canal and motor linings, ropes, strings, upholstery foundation, curtains and furnishing fabrics etc. Further, Jute can also be mixed with wool for fine yarn and fabric production.
28. Raw jute in the form of bales is processed in jute mills to produce products like jute yarn/twine, hessian fabric, sacking bags, and other products. The manufacturing process of Jute entails different stages such as selection of jute for a batch, piecing up, softening and lubricating, conditioning or piling, breaker carding, finisher carding, first drawing, second drawing, third drawing and spinning
29. The PUC can be produced by different quality/grade of raw jute, can have different count mentioned as pound/ply specification and can even have different unit of measurement. In the letter dated 6th November, 2015 sent to the interested parties it was mentioned that the unit of measurement in the present investigation is in weight. In case the information is supplied in numbers as a unit of measurement, it should be converted into equivalent weight. The above approach of common denomination in kg/MT facilitates evaluation of price and appropriate comparison for all product types. Therefore, the unit of measurement i.e. MT adopted is appropriate.
30. As regards the definition of the product under consideration, the Authority notes that the raw material of all three products type under PUC is raw jute. From raw jute, first jute yarn/twine is produced. This jute yarn can either be sold in the market or processed further to make fabric and bag. Producers in India, Nepal and Bangladesh produce significant volume of the products from raw jute stage. Some producers produce fabric and bag from purchased yarn while some are integrated backwards being composite.
31. With regard to like article in India, Rule 2(d) provides as follows:
 

*“Rule 2(d) relating to the definition of “like article” specified that “like article” means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation, or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the article under investigation.”*
32. The petitioners claimed that the subject goods exported from subject countries into India are comparable to the goods produced by the domestic industry. Jute products produced by the domestic industry and imported from subject countries are comparable in terms of physical and chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Consumers can use and are using the two interchangeably. The two are technically and commercially substitutable and hence, should be treated as ‘like article’ under the AD Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the petitioner companies in India are treated as ‘like article’ to the subject goods being imported from the subject countries.
33. For the purpose of evaluating dumping margin, comparison of constructed normal value with ex-factory export price has been made amongst similar product types of Product under consideration. The same approach has been adopted for producers/ exporters from Nepal as the basis on information made available in the questionnaire responses and on site data verification.

## **B. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

34. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

*“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.”*

### **Views of the Domestic Industry:**

35. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to domestic industry and standing:
  - a. The petitioner is Indian Jute Mills Association on behalf of 17 petitioner companies. At the time of filing the petition there were 15 petitioner companies which comprised 36% market share. Subsequently injury information of two other companies namely East India Commercial Co. Ltd and Gondalpara Jute Mill (unit of Murlidhar Ratanlal Exports Ltd) have been filed. Therefore the share of these petitioner companies in total production of PUC becomes 42%.
  - b. The production of the petitioner companies constitutes a major proportion in Indian production.

- c. As per established position of law the Authority may, in its discretion include a producer who is either related to the producer/exporter of the subject goods or has imported the subject goods, within the scope of the domestic industry.
- d. The following nineteen companies that have shut down as on 11th June, 2015 namely:
  - i. Delta Limited (Unit: Delta Mill)-Delta Jute Mills Ltd.
  - ii. National Jute Mfg Co. Ltd (Unit: Khardah)
  - iii. Essem Jute Industries Ltd
  - iv. Tirupati Jute Industries Ltd
  - v. The Calcutta Jute Mfg Co. Ltd
  - vi. Prabartak Jute Mills Ltd
  - vii. RDB Textiles Ltd (Unit: Victoria Jute Works)
  - viii. Kanknarrah Co. Ltd
  - ix. Naffar Chandra Jute Mills Ltd
  - x. WB Agro Text Corpn Ltd (Unit: Bharat Jute Mills)
  - xi. Hooghly Mills Co. Ltd (Unit: Hooghly Jute Mills)
  - xii. New Central Jute Mills Co. Ltd
  - xiii. The Naihati Jute Mills Co. Ltd
  - xiv. Aditya Translink Pvt. Ltd
  - xv. Weaverly Jute Mills Pvt. Ltd
  - xvi. AI Champdany Industries Ltd (Unit: Anglo India Jute Mills Co. Ltd)
  - xvii. Murlidhar Ratanlal Exports Ltd (Unit: Hastings Jute Mill)
  - xviii. Northbrook Jute Co. Ltd
  - xix. Murlidhar Ratanlal Exports Ltd (Unit: India Jute Mill)
- e. The petitioner companies' production constitutes a major proportion of Indian production. A major proportion is a significant and important share and not necessarily more than 50% share. This is evidenced by practice of Designated Authority in various cases.
- f. There is no selective choosing. Companies having significant production have been considered to be petitioner companies.
- g. The major proportion is being proved only on the basis of the petitioners' share, excluding the supporters. The information on supporters has been given to see who is supporting and whether the support is more than the opposition or not. This is a specific legal requirement under Article 5.4.

#### **Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

36. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to domestic industry and standing:
  - a. There is no evidence or name of the nineteen companies that shut down as a result of imports.
  - b. Most of the petitioners are importers and therefore they do not have standing. Market intelligence provides that except Hukumchand Jute Mills, Naihati Jute Mills Co. Ltd, Bowreah Jute Mills Private Ltd, Murlidhar Ratanlal Exports Limited (Unit: India Jute Mills) and Murlidhar Ratanlal Exports Limited (Unit: Hastings Jute Mills) all others are importers.
  - c. Petitioners have erroneously mentioned that only Gloster and Budge Budge have imported. The standing should be reanalyzed after removing these two companies.
  - d. The volume of imports of the petitioners and their share in production should also be disclosed.
  - e. 36% does not constitute major proportion as per Rule 2(b).
  - f. The petitioners have done cherry picking as only 15 companies have been chosen where there are 91 mills and 31 members from the petitioning association.
  - g. Supporters should be distinguished from petitioners while determining major proportion of production.



- h. More than 10 petitioner companies directly imported PUC from Bangladesh and petitioner has itself admitted to imports by two companies.
- i. The petitioner does not have standing and total production of 36% disqualifies them to be an industry as per AD rule of WTO

### **Examination of Authority**

37. The Authority notes that the application was filed by Indian Jute Manufacturers Association (IJMA) on behalf of the domestic industry of the product under consideration. 34 members were producers of the product under consideration. At the time of filing the petition, 15 companies who sought imposition of anti-dumping duty provided their injury information. Further, 14 producers of the product under consideration supported the petition and imposition of anti-dumping duty. The production of these 15 petitioner companies constituted 36% of total domestic production of the subject goods.
38. The production share of 15 petitioner companies along with 14 supporting companies constituted 56% in Indian production of the product under consideration.
39. Two other producers viz M/s East India commercial Co Ltd and M/S Gondapara Jute Mills further provided costing data and injury data. After inclusion of the above two companies the share of the domestic industry becomes 42%. The details are as under:

SN	Petitioner companies	SN	Supporter companies
1	Birla Corporation Ltd	1	Agarpara
2	Budge Budge Co. Ltd.	2	Jagatdal
3	Gloster Ltd.	3	Sunbeam Vaniya Pvt Ltd (SVPL)
4	Hooghly Infrastructure Private Limited	4	The Empire Jute Company (EJC)
5	Ludlow Jute & Specialities Ltd.	5	The Hooghly Mills company Limited
6	The Naihati Jute Mills Co. Ltd.	6	Auckland International Limited
7	Bally Jute Company Limited	7	East India Commercial Co. Ltd
8	Bowreah Jute Mills Pvt. Ltd.	8	ShriBajrang Jute Mills Limited
9	India Jute Mills	9	Chattisgarh Jute Industries
10	Reliance Jute Mills (INTL) Ltd	10	Vijai Shree Limited
11	Caledonian Jute & Industries Ltd.	11	Nellimarla Jute Mill Co. Ltd.
12	Hastings	12	Mahadeo Jute
13	Victoria- RDB - Adhunik	13	AI Champdany Industries Limited
14	Kamarhatty Co. Ltd.	14	The Mahabir Jute Mills Ltd
15	Cheviot Co. Ltd		

40. The authority notes as follows:

- a. In a situation where a domestic producer has imported the product under consideration or is related to an exporter of importer of the product under consideration, there is no automatic bar of such domestic producer under 2(b) for being treated as "domestic industry". It is Authority's discretion in such cases to treat such domestic producer as a domestic industry by applying discretion on a case by case basis.
- b. the Authority has considered that imports made in investigation period alone (which is April, 2014 - March, 2015 in the present case) are relevant for the purpose of deciding eligibility under Rule 2(b);
- c. the Authority considers that in case a domestic producer has bought jute yarn from a trader and such trader has provided jute yarn produced in Bangladesh or Nepal to such domestic producer, such procurement of yarn by a producer does not disqualify them from being treated as domestic industry under Rule 2(b), if it is not related to the trader. The Authority notes in this regard that whereas some producers are completely backward integrated from raw jute stage, some are partially and some are completely dependent on purchased yarn for production of fabric;
- d. the volume of jute yarn produced in subject countries and procured by these producers from the domestic market in any case is quite low and should not disqualify them from being treated as domestic industry;
- e. The Authority notes that during POI 3 petitioner companies viz. Kamarhatty Co. Ltd., Ludlow Jute & Specialties Ltd., and Cheviot Co. Ltd. have imported Jute yarn to an extent of 90, 25.42, and 1225 MT from Bangladesh respectively. The imports constitute 0.01%, 0.0001%, and 0.14%, of their production respectively. Imports by AI - Champdany Industries Ltd., the supporter are 668 MT but not of PUC. These import volume are extremely minimal to warrant exclusion of the 3 petitioning companies from the scope of Domestic Industry or not to consider the fourth company i.e. AI- Champdany Industries Ltd. eligible as a supporter. M/s Gloster, and Budge-

Budge has also made small imports of PUC but outside the POI. Hence none of the petitioner companies have been excluded from the scope of Domestic Industry.

- f. Rule 2(b) defines domestic industry as domestic producers as a whole. The Authority has included as many as possible producers of the like product in India. Merely because one producer has produced some fabric/ bag out of jute yarn produced in subject countries, the same should not disqualify such domestic producer from being treated as domestic industry.

41. In view of the above, the authority has not treated any domestic producer as ineligible domestic industry merely because such company has bought some small volume of jute yarn produced in subject countries from the domestic market.

42. At the stage of initiation, standing of the Petitioner was as follows

	Number of producers	Production (MT)	Share in Indian production
Companies giving injury information	15	436017	36%
Companies supporting the imposition	14	232463	19%
Other producers	64	535220	45%
Total	93	1203700	

43. Post initiation, two companies have filed complete injury information. Thus, share of Petitioner companies who have provided injury information, share of companies who have supported companies and share of other producers is as follows

	Number of producers	Production	Share in Indian production
Companies giving injury information	17	514985	42.78%
Companies supporting the imposition	13	195473	16.24%
Other producers	63	493242	40.98%
Total	93	1203700	100

44. It is thus seen that the share of petitioner companies who have provided injury information constitutes 42.78% of Indian production. Further, share of companies who have supported the petition constitutes 16.24% of Indian production. Thus, the Petition is now supported by those producers whose collective output constitutes 59.02 % of Indian production. Thus, share of companies who have provided injury information constitutes 42.78% which constitutes a significant share in terms of Indian production of the product under consideration. These companies collectively constitutes domestic industry under Rule 2 (b). The Authority has not undertaken any selective sampling to undertake injury assessment. Domestic industry has been defined as per Authority's consistent past practice and considering the information on record of the authority.

45. As regards alleged cherry picking of the constitution of the domestic industry, the Authority notes that domestic industry is representative of entire industry and need not necessarily constitute the entire Indian production. At present there are 17 petitioner companies who constitute domestic industry. The authority has considered each and every company who has provided its injury data and included the same within the scope of the domestic industry. Further, there is no evidence provided by any interested party that Petitioner has selectively provided data of some companies and has resorted to cherry picking of the data.

46. In view of the information on record and after careful consideration legal provisions, the Authority holds that the petitioner companies satisfy the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules, i.e. the requirement of standing and scope of the domestic industry under the Rules. The petitioner companies are therefore held to constitute domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

47. Domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry. Further, the application is deemed to have been made on behalf of the domestic industry, as it is supported by those domestic producers whose collective output constitutes more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application. This requirement is explicitly satisfied by the petitioners.

**C. CONFIDENTIALITY**

48. With regards to confidential information Rule 7 provides as follows:

- 7. Confidential information-** (1) *Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*
- (2) *The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*
- (3) *Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*

**Views of the Domestic Industry:**

49. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality:

- a. Petitioners have claimed only such information as confidential, confidentiality of which is protected under the law.
- b. The annual reports are readily available and can be seen on the websites.
- c. The petitioners have provided sufficient non-confidential summaries of the information provided on confidential basis except for those which are not susceptible to summarization, unlike the responding interested parties who have resorted to excessive confidential information.

**Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

50. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:

- a. The IVA parameters are either confidential or not given at all or given in indexed form.
- b. Annual reports which are not in public domain have not been given.
- c. There is excessive confidentiality which does not adhere to confidentiality requirements under Rule 7 of the AD Rules and Trade Notice 1.

**Examination of Authority:**

51. The Authority holds that the information provided by interested parties on confidential basis meets the sufficiency requirement of the confidentiality claim, and has accepted the confidentiality claims wherever warranted. An information being considered confidential has not been disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available such non-confidential versions of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

**D. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS****Views of the Domestic Industry:**

52. Following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:

- a. Notice of initiation establishes that all requirements were fully met.
- b. There is no requirement to provide injury information for each types of the product under consideration.
- c. Under any circumstances the respondents are not authorized for access to such excel files. Such import data should instead be provided from the association to the Designated Authority.
- d. the methodology used for segregation of imports is that:

The product under consideration has been identified where the item description reads as Hessian Fabric, Sacking Bags and Jute Yarn, within the product under consideration, wherever the unit of measurement is SQM, it has been converted in weight (kgs or MT), and the unit of measurement other than sqm or in weight has been considered as N-PUC.

- e. Performa IV A part II i.e. Jute Product excluding government procurement clearly shows only open market operations.
- f. All parameters related to Government protection are applicable to only a part of PUC.
- g. There is no evidence to prove adverse effect on employment in Bangladesh, whereas the employment of Indian Jute sector is already adversely affected.
- h. The accounting standards of Bangladesh are very well developed. The Institute of Chartered Accountants of Bangladesh (ICAB) and The Institute of Cost and Management Accountants of Bangladesh (ICMAB) can be said to be reflecting the accounting standards of the country. The exam of ICMAB is said to be one of the toughest exams. ICMAB also includes in its curriculum subjects like Principles of Accounting, Business Communication and Office Management, Intermediate Financial Accounting, Cost Accounting etc which are comparable to the Indian system.
- i. In fact ICMAB is a member of various international accounting bodies such as International Federation of Accountants (IFAC), Confederation of Asia Pacific Accountants (CAPA), South Asian Federation of Accountants (SAFA) and International Accounting Standard Board (IASB).
- j. Moreover the DGAD does not demand financial or accounting information of a new kind. The formats required by DGAD can at best amount to being rearrangement of the already existing costing and financial information of a company. The request of Bangladesh Government to circumvent the submission of quality data should be denied.
- k. As per Article 11(a) of SAFTA, constructive remedies refer specifically to consultations and undertakings. Consultations were conducted and there were no requests of price undertaking by the subject country and therefore it can't be looked into.
- l. A level playing field will be ensured by imposition of antidumping duties.
- m. A level playing field will ensure better prices and be encouraging to the farmers.
- n. There are reservations to dumped imports and not imports per se.
- o. The interested party has given no reason or evidence to show how the said rules have been violated.
- p. The financial data furnished by exporters does not refer to the POI consistently as the exporters' accounting year is 16th July to 15th July (Nepal) and 1st July to 30th June. Financial statements have been constructed by doing some 'minus' and 'plus' and not by following accounting principles.

#### **Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

53. Following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:

- a. The initiation itself is bad in law and on this ground the investigation must be terminated.
- b. The petitioners have not separately provided data related to market share, domestic sales, and imports volumes of three product categories.
- c. Raw and sorted import data should have been provided to respondents in MS-Excel format.
- d. There is no explanation provided for the method of sorting import data from raw import data and a similar explanation of the raw jute import statement provided.
- e. No clear indication as to which set of profits/losses indicated in the Proforma IVA reflects the open market operations by the domestic producers.
- f. There is no requirement of additional protection as the Indian Government is already actively protecting the Indian producers of jute goods by setting prices for raw jute, statutorily mandating the use of indigenously made jute bags for packaging food items pursuant to compulsory jute packaging order under JPMA and procuring a bulk of the indigenously made sacking bags at a cost plus formula based pricing.
- g. Any shock on export performance of Jute sector in Bangladesh will have a deteriorating effect on employment situation.
- h. Quality data cannot be given in questionnaire as Bangladesh's accounting and financial reporting systems are still not as well developed as per DGAD. Bangladesh has limited experience in a complex field of anti-dumping.
- i. As per Article 11(a) of SAFTA, constructive remedies should be looked into.
- j. The balance of trade is heavily inclined in favour of India and imposition of antidumping duties will worsen the situation.
- k. The trade gap situation will worsen as Indian imports are much more than Bangladesh imports.

- l. The duties will affect fair competition and hurt the consumers.
- m. The farmers will be discouraged to plant crops of this environment friendly product.
- n. Bangladesh had promptly lifted a temporary ban on export of jute products on friendly concerns raised by India. This should be reciprocated.
- o. The petitioners at the hearing made generalized submissions and no specifics on the issues raised by the respondents.
- p. Rules 8 and 9(2) have not been followed.
- q. To ensure undue profit margin, Indian mills are importing Bangladeshi Low Quality Raw Jute in Huge Quantity which is being used to produce sacking. Therefore, imports are helping Indian Jute Mills.
- r. Jute is a common heritage of India and Bangladesh and imposition of antidumping duties will impede growth of this industry.

### Examination of Authority

54. As regards the initiation, the Authority notes that all relevant procedures were carried out and all laid down requirements with regard to initiation of investigation have been followed in the present case. The product under consideration is Jute products and the petitioners have provided information of 3 product types separately for injury assessment, to be carried out for the like article produced and sold by the domestic industry.
55. As regards the contention that raw and sorted import data must've been provided by the petitioner in MS Excel format for making the same available to the other interested parties, the Authority notes that DGCIS data has been placed in the public file.
56. As regards explanation of method of sorting data by petitioner, the Authority notes that the petitioner gave explanation in its written submissions. None of the interested parties have offered comments thereon. The Authority has undertaken analysis for individual determinations on the basis of data provided by producers/exporters.
57. As regards the contention that there is no clarity on profit/losses position of the domestic industry for open market operations, the Authority has done a separate and detailed analysis in this finding. Further, petition contained separate information with regard to different market segments
58. As regards the contention that no additional protection is needed to the domestic industry, the Authority notes that Anti-dumping duties only ensure a level playing field to correct unfair trade practice. It should not be perceived as a protection *per se*.
59. As regards the contention of adverse impact of anti-dumping duty on Bangladesh, any duty, if applied, would not amount to restriction of imports *per se* from subject countries. The Authority holds that this will only make the imports available at a fair price.
60. As regards the issue of Bangladesh's accounting and financial reporting systems, the authority notes that the subject exporters have provided relevant information which was also verified for sampled exporters. The Authority provided sufficient extension in time and guidance whenever requested to enable producer/exporter to file the information.
61. As regards exploring constructive remedies, the authority notes that constructive remedies suggested in SAFTA have been considered, to the extent feasible
62. As regards concerns of balance of trade, the Authority reiterates that Anti-dumping duties are endeavored to provide a level playing field and fair competitive practices.
63. As regards compliance with Rule 8 and 9, it is clarified that authority has, during the course of investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the interested parties upon which present disclosure based.
64. The authority carried out on the spot investigation at the premises of the exporters concerned with consent of the person concerned.

### E. NORMAL VALUE (NV), EXPORT PRICE (EP) AND DUMPING MARGIN (DM)

65. Under section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

*The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic*

*market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -*

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

#### **Views of the Domestic Industry:**

66. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to normal value export price and dumping margin:

- a. After making relevant efforts the petitioners have not been able to get any documentary information/evidence of price of subject countries. Normal value has therefore been determined considering constructed value approach.
- b. Export price has been determined considering volume and value of imports for the period of investigation as per DGCI&S data transaction wise. The exchange rate has been considered on the basis of notifications issued by Ministry of Finance. For fair comparison the export price has been adjusted for expenses such as ocean freight, commission, port expenses, bank charges, inland freight and insurance.
- c. The adjustments have been made based on market information and general experience on the basis of most conservative estimates.
- d. Dumping margin has been determined as per normal value and export price and is not only de-minimis but also significant and substantial.
- e. Since normal value is constructed on the basis of domestic industry consumption norms, the consumption norms are business sensitive information that is confidential and not amenable to summarization. The consumption norms of the domestic industry are never disclosed in the non-confidential version.
- f. The exports price provided is consistent with the practice of the Designated Authority.
- g. “Best Available Information” standard will apply even to a market economy country. India and Bangladesh are among the top five jute producing countries of the world. Therefore, in the present case it is even more appropriate to construct the normal value on the basis of domestic industry’s data.
- h. There is no legal basis that efforts made have to be proved in detail. However, if the Authority requires the petitioners can explain the efforts made and how they failed.
- i. The Authority can take consumption norms as per best information available to it.
- j. With respect to allegedly inflated raw material costs for Hessian fabrics, the Authority may examine as it considers it prudent.
- k. Mere statement that Bangladesh prices are higher than normal value does not amount to substantiated evidence.
- l. As regards the petition for countervailing duty on imports of Jute Products from Bangladesh is concerned, the domestic industry received a letter by Authority dated 11th April, 2016, wherein it was provided that based on pre-initiation consultations with Government of Bangladesh, it was agreed to keep the above mentioned Countervailing Duty petition in abeyance. It was postponed to be reconsidered based on outcome of the ongoing antidumping investigation. Therefore the same should be taken into account as regards subsidy received by Bangladesh Jute exporters.

#### **Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

67. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to normal value export price and dumping margin:

- a. The petitioners have not provided consumption norms for normal value.

- b. There is no evidence for adjustments of export price as claimed.
- c. Normal value cannot be constructed for a market economy country.
- d. There is no positive evidence for the basis of adoption of costs and there is no specification of the so called efforts made and how they failed.
- e. The consumption norms of the participating exporters should be considered while determining the normal value.
- f. The raw material costs for Hessian Fabric is inflated which has inflated the dumping margin. Normal values as constructed for Hessian Fabric must be rejected.
- g. The basis of export price determination is erroneous and without any evidence.
- h. The exporter has cited 2 cases viz. Government of Andhra Pradesh & Ors. v. K. Brahmanandam & Ors. and Guatemala- Anti-Dumping investigation regarding Portland cement from Mexico.
- i. Since the costs of raw jute, labour and other factors of cost are lower in Bangladesh as compared to India, the claims of normal value as per the petition are false.
- j. Bangladesh prices are higher than normal value.

### **Examination of Authority**

68. The authority for the purpose of evaluating dumping margin has undertaken comparisons at the level of product types i.e. Jute Yarn/ Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags separately for an apple to apple comparison and holds that these be accorded separately.

69. The Authority notes that under section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975, normal value means:

*"The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -*

*(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin."*

70. Since a large number of producers/exporters for Bangladesh have responded, the Authority has undertaken sampling as per the relevant provisions relating to sampling is Article 6.10 of the Anti-Dumping Agreement (WTO) and Rule 17 (3) of the Custom Tariff Rules, 1995 are as follows:

**Article 6.10:** *"The authorities shall, as a rule, determine an individual margin of dumping for each known exporter or producer concerned of the product under investigation. In cases where the number of exporters, producers, importers or types of products involved is so large as to make such a determination impracticable, the authorities may limit their examination either to a reasonable number of interested parties or products by using samples which are statistically valid on the basis of information available to the authorities at the time of the selection, or to the largest percentage of the volume of the exports from the country in question which can reasonably be investigated.*

*6.10.1 Any selection of exporters, producers, importers or types of products made under this paragraph shall preferably be chosen in consultation with and with the consent of the exporters, producers or importers concerned.*

*6.10.2 In cases where the authorities have limited their examination, as provided for in this paragraph, they shall nevertheless determine an individual margin of dumping for any exporter or producer not initially selected who submits the necessary information in time for that information to be considered during the course of the investigation, except where the number of exporters or producers is so large that individual examinations would be unduly burdensome to the authorities and prevent the timely completion of the investigation. Voluntary responses shall not be discouraged."*

**Rule 17 (3):** “The designated authority shall determine an individual margin of dumping for each known exporter or producer concerned of the article under investigation:

*Provided that in cases where the number of exporters, producers, importers or types of articles involved are so large as to make such determination impracticable, it may limit its findings either to a reasonable number of interested parties or articles by using statistically valid samples based on information available at the time of selection, or to the largest percentage of the volume of the exports from the country in question which can reasonably be investigated, and any selection, of exporters, producers, or types of articles, made under this proviso shall preferably be made in consultation with and with the consent of the exporters, producers or importers concerned:*

*Provided further that the designated authority shall, determine an individual margin of dumping for any exporter or producer, though not selected initially, who submit necessary information in time, except where the number of exporters or producers are so large that individual examination would be unduly burdensome and prevent the timely completion of the investigation.”*

Keeping in view of the above, the Authority had undertaken sampling of 26 exporters questionnaires filed by various producers/exporters from Bangladesh in response to the antidumping investigation initiated on 21.10.2015. The sampling has been done by selecting exporters with different quantum of exports to India. Based on the sampling following 12 producers/exporters were firmed up as a sample after seeking views of all concerned cooperative producers/exporters. The onsite verification was undertaken for all these 12 sampled producers/exporters during August 2016.

#### **Sampled Producers/exporters**

- (1) Sidlaw Textiles Ltd.
- (2) Sagar Jute Spinning Mills Ltd
- (3) Afil Jute Weaving Mills Ltd.
- (4) Janata Jute Mills Ltd.
- (5) Asha Jute Industries Ltd.
- (6) Pride Jute Mills Ltd.
- (7) Sharif Jute Mills Limited
- (8) Anwar Jute Spinning Mills Ltd.
- (9) Alijan Jute Mills Ltd.
- (10) Sonali Aansh Industries Ltd.
- (11) Hasan Jute Mills Ltd.
- (12) Rahman Jute Spinners Pvt. Ltd.

M/s Afil Jute Weaving Mills Ltd. and M/s Rahman Jute Spinners Pvt. Ltd. though presented their data for verification but did not submit cost record for verification and hence have been taken under residual category.

71. The Authority has accorded individual dumping margins to all the sampled producers/exporters. In the case of Nepal, all 4 cooperative producers/ exporters have been considered for individual assessment. For the non-sampled producers/exporters, weighted average dumping margin of the sampled producers/exporters is accorded to the non-sampled producers/exporters separately for 3 product types. For the residual category non cooperative producers/exporters, highest dumping margin from the individual evaluations done for sampled producers/exporters or highest normal value along with least price of exports from DGCIS data has been considered. The non-sampled producers/exporters are as under:

- (1) Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd.
- (2) Shamsher Jute Mills Ltd.
- (3) Golden Jute Industries Ltd.
- (4) Purabi Trading
- (5) Sonali Aansh Trading (Pvt.) Ltd.
- (6) Rajbari Jute Mills Ltd.
- (7) Nowapara Packaging Industries Ltd.
- (8) Nowapara Jute Mills Ltd.



(9) Usha jute Spinners Ltd.

(10) B.S. Jute Spinners Ltd. (BSJSL)

(11) Madina Jute Industries Ltd.

(12) Northern Jute Manufacturing Company Limited

(13) Jute Spinners Ltd.

(14) M/s Nawab Abdul Malek Jute Mills (BD) Ltd. Though this producer/exporter requested to be a part of the sample during the onsite verification visit to Dhaka, and the data is verified onsite, the authority has not considered it appropriate to include this producer/exporter and in the sample it is treated in the non-sampled category.

72. For the purpose of computing Injury Margin, the Authority has considered Average export price for the 3 product types i.e. Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags separately. The landed values for the three product types are separately compared with the 3 Non Injurious Price for an apple to apple comparison. The authority notes that since there are no domestic sales for almost all producers/exporters in the sample the dumping margin determination has been done on the basis of the NV evaluated on verified cost of production.

**Determination of Normal Value (NV) for all sampled exporters of Bangladesh:**

\$ below implies US\$

**(1) Pride Jute Mill**

The producer/exporter exported 2355 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	10 - 20

**(2) Asha Jute Industries Ltd.**

The producer/exporter exported 915 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level,

normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	0 - 10

**(3) Sonali Ansh Industries Ltd.**

The producer/exporter exported 789 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\* \$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	0 - 10

**(4) Alijan Jute Mills Ltd.**

The producer/exporter exported 27 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\* \$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\* \$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	0 - 10

The producer/exporter is related to M/s Sonali Aansh Industries Ltd. and hence same weighted average Dumping margin at \*\*\*\$/MT (0 – 10 %) is accorded to both.

**(5) Sharif Jute Mills Ltd.**

The producer/exporter exported 1295 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\* \$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	20 - 30

**(6) Anwar Jute Spinning Mills Ltd.**

The producer/exporter exported 1572 MT of Jute Yarn to India during POI at a weighted average FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	10 - 20

**(7) Hasan Jute Mills Ltd.**

The producer/exporter exported both Jute Yarn and Sacking Bags to India during POI and also sold the same in domestic market.

**Exports to India**

Product	Quantity (MT)	Gross EP (\$/MT)
Yarn	870	***
Bags	935	***
<b>Total</b>	1,805	***

**Domestic Market Sales**

There are no third country sales but sales in domestic market as under:

Product	Quantity MT	Gross SP (\$/MT)
Yarn	378	***
Bags	756	***

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine and Sacking Bags. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*/MT, and Sacking Bags at \*\*\*/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Products exported to India, which comes to \*\*\*/MT and \*\*\*/MT respectively.

The Authority notes that since the sales to India and domestic market are not identical, weighted average Cost of Production has been referenced for computation of Normal Value.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	-0 to -10
Sacking Bags	***	***	***	-20 to -30

**(8) Janata Jute Mills Ltd.**

The producer/exporter exported 1312 MT of Jute Yarn and 6.996 MT Hessian Fabric to India during POI at weighted average FOB price \*\*\*/MT and \*\*\*/MT respectively.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine and Hessian Fabric. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn and Hessian Fabric at \*\*\*/MT, and \*\*\*/MT respectively.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*/MT, and \*\*\*/MT respectively.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	0 to 10
Hessian Fabric	***	***	***	-0 to -10

**(9) Sidlaw Textiles Ltd.**

The producer/exporter exported both Jute Yarn (7473 MT) and Sacking Bags (2758 MT) to India during POI at weighted average FOB of \*\*\*\$/MT and \*\*\* \$/MT respectively.

There are no domestic sales.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine and Sacking Bags. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn and at \*\*\*\$/MT, and Sacking Bags at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Products exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT and \*\*\*\$/MT respectively.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	0 - 10
Sacking Bags	***	***	***	10 - 20

**(10) Sagar Jute Spinning Mills Ltd.**

The producer/exporter exported 6068 MT of Jute Yarn to India during POI at an FOB Price of \*\*\*\$/MT.

The producer/exporter provided consolidated data on cost of production for all qualities and types of Product Under Consideration (PUC) exported to India i.e. Jute Yarn/Twine. Accordingly weighted average cost of production has been determined for the PUC exported i.e. Jute Yarn at \*\*\*\$/MT.

The weighted average Normal value has been computed by adding \*\*\* profit to the weighted average cost of production (net of interest) of the Product Under Consideration exported to India, which comes to \*\*\*\$/MT.

The Authority notes the submissions made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh that the Authority must make comparison of Export price and Normal value at the same level, normally at the ex-factory level. As the financial data provided by the exporters does not enable working out of exfactory cost of production, the 'Normal Value' established on the basis of cost of production viz cost of sales basis as already communicated in the disclosure has been compared with the gross export price to India and dumping margin appropriately modified in this final finding as below.

PUC	Weighted average Normal Value (\$/MT)	Weighted Average Gross FOB Export Price (\$/MT)	Dumping Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range %
Jute Yarn/Twine	***	***	***	20 - 30

As M/s Sidlaw Textiles Ltd. and Sagar Jute Spinning Mills Ltd. are related on account of common directors, a common weighted average Dumping margin has been be accorded to them at \*\*\*\$/MT (10 – 20%).

If any product type viz. Yarn/Twine, Sacking Bag or Hessian Fabric has not been exported by any sampled producer/exporter, dumping margin and injury margin as determined for residual category of producers/exporters has been accorded to such producer/exporter for the product type not exported to India during POI.

Any producer/Exporter who has not exported during POI can apply for review as per rule 22 of AD rules.

**(11) Non Sampled category of producers/exporters**

The Authority has considered the weighted average dumping margin and injury margin evaluated on the basis of individual dumping margins and injury margins determined for the producers/exporters of the sampled category. This weighted average dumping margin and injury margin is accorded to the non-sampled category of producers/exporters for

Yarn/Twine and Sacking Bag. In case of Hessian Fabric, as the only producer/exporter is *de minimis*, the Authority has accorded the dumping margin and injury margin as determined for the residual category of producers/exporters to the non-sampled producers/exporters as per the methodology even mentioned above.

PUC	Dumping Margin (\$/MT)	Injury Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range (%)	Injury Margin Range (%)
Jute Yarn/Twine	***	***	10 - 20	20 - 30
Sacking Bag	***	***	10 - 20	10 - 20
Hessian Fabric	***	***	60 - 70	40 - 50

(12) **Residual/Non cooperative producers/exporters of Bangladesh**

For recommending the Anti-Dumping Duty as per lesser duty rule, the Authority has referenced highest dumping margin and injury margin amongst the sampled producers/exporters in respect of Jute Yarn/Twine and Sacking Bags. In case of Hessian fabric, as the only producer/exporter in the sampled category is *de minimis* and the remaining producers/exporters in the sampled category have not exported Hessian Fabric during POI to India, the Authority has constructed the normal value for Hessian Fabric for residual/non cooperative producers/exporters based on the weighted average cost of production of the Domestic Industry, as also correlated with the normal value of the only sampled exporter, from Bangladesh. The weighted average export price of Hessian Fabric to India as per the DGCIS data during POI has been adopted for the purpose of evaluating dumping margin and injury margin for this product type for the residual category producers/exporters. The dumping margin and injury margin are as under:

PUC	Dumping Margin (\$/MT)	Injury Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range (%)	Injury Margin Range (%)
Jute Yarn/Twine	***	***	20 - 30	30 - 40
Sacking Bag	***	***	10 - 20	10 - 20
Hessian Fabric	***	***	60 - 70	40 - 50

**NORMAL VALUE OF PRODUCERS/EXPORTERS OF NEPAL**

(i) **Arihant Multi-Fibres Ltd.**

The Authority notes that M/s Arihant Multi-Fibres Ltd. has exported all 3 product types of PUC to India. Further there have been sales of all 3 product types in the domestic market and export of some quantities of two product types i.e. Yarn/Twine and Hessian Fabric to third countries also. The weighted average cost of production for the three product types i.e. Yarn/Twine, Sacking Bags and Hessian Fabric have been evaluated at, \*\*\*\$/MT, \*\*\*\$/MT and \*\*\*\$/MT respectively. As the product type is quite diversified and keeping in view that quantities of sales are small both in domestic market and third country, the Authority has applied a reasonable profit of \*\*\* on the weighted average cost of production (net of interest) to construct the normal value which comes to \*\*\*\$/MT, \*\*\*\$/MT, and \*\*\*\$/MT respectively. The details of sales of PUC in POI by the Producer/Exporter are as below.

**Sales to India**

PUC	India	
	Qty (MT)	Price (NRS/KG)
Twine/Yarn	1117.4	***
Sacking Bags	12694.721	***
Hessian (overall)	5403.18	***

The Authority notes the submissions made by producers/exporters from Nepal on comparison between normal value and export price to India stating double counting of adjustments. The Authority has considered the same and has undertaken comparison between the normal value constructed on the basis of weighted average cost of production at cost of sales level along with appropriate return with the gross FOB export price to India during POI. The dumping margin have been revised accordingly as below.

Product	NV (\$/MT)	Gross FOB EP to India \$/MT	DM \$/MT	DM Range%
Yarn	***	***	***	0 - 10
Hessian	***	***	***	-0 to -10
Sacking Bags	***	***	***	0 to 10

(ii) **Shree Raghupati Jute Mills Ltd.**

The Authority notes that M/s Shree Raghupati Jute Mills Ltd. has exported all 3 product types of PUC to India. Further there have been sales of all 3 product types in the domestic market and export of some quantities of two product types i.e. Yarn/Twine and Hessian Fabric to third countries also. The weighted average cost of production for the three product types i.e. Yarn/Twine, Sacking Bags and Hessian Fabric have been evaluated at \*\*\*\$/MT, \*\*\* \$/MT and \*\*\*\$/MT respectively. As the product type is quite diversified and keeping in view that quantities of sales are small both in domestic market and third country, the Authority has applied a reasonable profit of \*\*\* on the weighted average cost of production (net of interest) to construct the normal value which comes to \*\*\*\$/MT, \*\*\*\$/MT, and \*\*\*\$/MT for Twine, Sacking Bags and Hessian respectively. The details of sales of PUC in POI by the Producer/Exporter are as below.

**Sales to India**

PUC	India	
	Qty (MT)	Price (NRS/KG)
Twine/Yarn	1467.6	***
Sacking Bags	8554.5	***
Hessian (overall)	3253.03	***

The Authority notes the submissions made by producers/exporters from Nepal on comparison between normal value and export price to India stating double counting of adjustments. The Authority has considered the same and has undertaken comparison between the normal value constructed on the basis of weighted average cost of production at cost of sales level along with appropriate return with the gross FOB export price to India during POI. The dumping margin have been revised accordingly as below.

Product	NV (\$/MT)	Gross FOB EP to India \$/MT	DM \$/MT	DM Range%
Yarn	***	***	***	0 - 10
Hessian	***	***	***	0 - 10
Sacking Bags	***	***	***	0 - 10

M/s Arihant Multi-Fibres Ltd. is principal shareholder in M/s Shree Raghupati Jute Mills Ltd. and thereby the 2 producers/exporters are related, hence same weighted average dumping margin has been accorded to both at \*\*\*\$/MT, \*\*\*\$/MT and \*\*\*\$/MT for Yarn/Twine, Sacking Bag and hessian Fabric respectively.

(iii) **Swastik Jute Mills Pvt. Ltd.**

The Authority notes that the Producer/Exporter has exported 5688.26 MT of 3 types of PUC to India comprising of 1995.2 MT of Sacking Bags, 2519.8 MT of Hessian Fabric and 1173.26 MT of Yarn/Twine.

Product	Qty MT	Fob \$/MT
Yarn	1,173.26	***
Hessian	2,519.80	***
Sacking Bags	1,995.20	***

The domestic sales of producer/exporter in POI are only \*\*\* NRS. As the domestic sales are quite low and there are no third country sales, constructed Normal Value methodology has been adopted.

The Weighted Average Cost of Production for the 3 product types i.e. Yarn/Twine, Sacking Bags and Hessian Fabric has been evaluated as \*\*\* \$/MT, \*\*\*\$/MT, and \*\*\*\$/MT and \*\*\* profit has been added to compute the weighted average Normal Value as \*\*\*\$/MT, \*\*\*\$/MT and \*\*\*\$/MT respectively. Based on the above the Dumping Margin is evaluated as under.

The Authority notes the submissions made by producers/exporters from Nepal on comparison between normal value and export price to India stating double counting of adjustments. The Authority has considered the same and has undertaken

comparison between the normal value constructed on the basis of weighted average cost of production at cost of sales level along with appropriate return with the gross FOB export price to India during POI. The dumping margin have been revised accordingly as below.

Product	NV (\$/MT)	Gross FOB EP to India \$/MT	DM \$/MT	DM Range%
Yarn	***	***	***	0 - 10
Hessian	***	***	***	0 - 10
Sacking Bags	***	***	***	0 - 10

(iv) **BABA Jute Mills Pvt. Ltd.**

The producer/exporter has exported all 3 product types i.e. Twine, Sacking Bags, and Hessian Fabric to India. The producer/exporter has mentioned that they have exported Twine/HVC and not Yarn. The domestic sales of Twine and HVC in domestic market is 768.16 MT and 1520.500 MT to India. The domestic sales of sacking bags and Hessian Fabric in domestic market are quite small i.e. 8.7 MT and 15.32 MT respectively as compared to 586.4 MT and 909.5 MT to India respectively and is thus small for comparison. The authority in view of heterogeneity in the products in domestic and export market for twine has to adopt 'Normal Value', for all three product types Hessian Fabric, Twine and Sacking Bags, by adding \*\*\* profit on the weighted average Cost of Production (net of interest) computed separately. NV comes to \*\*\*/MT, \*\*\*/MT and \*\*\* \$/MT for Twine, Sacking Bag and Hessian Fabric respectively.

Product	Qty MT	Fob \$/MT
Yarn	1,520.50	***
Hessian	909.50	***
Sacking Bags	586.41	***

The Authority notes the submissions made by producers/exporters from Nepal on comparison between normal value and export price to India stating double counting of adjustments. The Authority has considered the same and has undertaken comparison between the normal value constructed on the basis of weighted average cost of production at cost of sales level along with appropriate return with the gross FOB export price to India during POI. The dumping margin have been revised accordingly as below.

Product	NV (\$/MT)	Gross FOB EP to India \$/MT	DM \$/MT	DM Range%
Yarn	***	***	***	0 - 10
Hessian	***	***	***	0 - 10
Sacking Bags	***	***	***	0 - 10

M/s Nepal Jute Mills and M/s Chandra Shiva Jute Mills Pvt. Ltd. requested to file the questionnaire after the onsite verification of exporters of Nepal. The Authority has rejected the request as the same was made at the terminal stage of investigation that too post onsite verification. M/s Nepal Jute Mills and M/s Chandra Shiva Jute Mills Pvt. Ltd. have therefore been treated in residual category.

(v) **Residual/Non cooperative producers/exporters of Nepal**

For recommending the Anti-Dumping Duty as per lesser duty rule, the Authority has adopted highest dumping margin and injury margin from the data of the cooperating producers/exporters for evaluating dumping margin and injury margin for producers/exporters in residual category in respect of Yarn/Twine, sacking bag and hessian fabric. The dumping margin and injury margin are as under:

PUC	Dumping Margin (\$/MT)	Injury Margin (\$/MT)	Dumping Margin Range (%)	Injury Margin Range (%)
Jute Yarn/Twine	***	***	0 - 10	40 - 50
Sacking Bag	***	***	0 - 10	10 - 20
Hessian Fabric	***	***	0 - 10	0 - 10



**DETERMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**

73. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
74. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by Indian Jute Mills Association (IJMA) on behalf of their member, whose commands a major proportion of total production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules the petitioners companies has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination the cost and injury information of the petitioner, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

**Views of the Domestic Industry:**

75. Following submissions have been made by domestic industry with regard to determination of injury and causal link:
- a. A significant part of the product under consideration is consumed by the Govt. sector, wherein the imported product does not compete with the domestic industry. Therefore the petitioners have segregated sales made by the domestic industry to Govt. sector.
  - b. The imports from the subject countries have increased significantly despite decline in demand for the product in the Country.
  - c. The imports have increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption in India.
  - d. Imports are preventing the price increase that would have occurred in the absence of dumped imports.
  - e. The demand for the subject goods significantly declined in the POI. However, imports from subject countries have increased.
  - f. Sales of the domestic industry declined significantly in the POI.
  - g. The production and capacity utilization has moved in tandem with the demand of the goods. Production has significantly declined in the POI.
  - h. The profitability of the domestic industry has significantly declined over the injury period and was negative during 2013-14 and the POI.
  - i. Owing to the above factors, ROI and the cash profits of the domestic industry have substantially declined over the injury period and have become negative in the POI.
  - j. The injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports. The landed price of imports is below the level of cost and therefore preventing the domestic industry from increasing its prices to the level of increase in costs.
  - k. There is significant difference between the prices offered by the domestic industry and producers from the subject countries. Resultantly, domestic industry lost significant sales volumes, which is a direct consequence of dumped imports from the subject countries;
  - l. Imported product is undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry has been prevented from increasing its prices to the extent of cost increases ;
  - m. Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are a result of dumped imports;
  - n. Market share of the imports from the subject countries increased significantly. As a direct consequence, the market share of the domestic industry has declined.
  - o. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has deteriorated due to presence of dumped imports.
  - p. The price suppression effect of dumped imports from subject countries has resulted in significant losses to the domestic industry.
  - q. Growth of the domestic industry became negative in respect of a number of parameters.
  - r. There is no change in patterns of consumption, trade restrictive practices, condition of competition between foreign and domestic producers, developments in technology.

- s. Although domestic industry has exported product under consideration, it has provided costing and pricing information for domestic sales separately. There is no injury due to such exports.
- t. The increased share of imports is due to adverse market situation in Bangladesh. In case of Bangladesh two press reports of 8th March 2015 and 11th July, 2016 clearly show that due to adverse market conditions in Bangladesh and lack of global demand, heavy exports are being made to countries like India. These reports reveal liquidation of goods worth Rs. 300 crores in the Indian market and establish focused dumping by Bangladesh into India.
- u. Consumption in Nepal is extremely limited and the capacities have been set up only to target Indian market.
- v. The exporters' questionnaire response of Arihant Multi-Fibres shows various exemptions and subsidies received from the Government of Nepal. They enjoy substantial income tax rate exemption, electricity subsidies and income tax and VAT subsidies on imports of Store Spares of Jute Mill Machinery.
- w. There is no requirement to provide injury margin at the stage of petition.
- x. The NCV Annexures show losses on all three parameters. Therefore there are no accounting errors as alleged.
- y. Any injury due to government procurement has been segregated as required by the law. Any issue of corruption has no effect on determination of injury in the present case.
- z. When there are other causes of injury the dumping need not be the sole or principle cause of injury. In the EC case of Brother Industries v. Council, the Court of Justice has said that the fact that an industry's difficulties are in part attributable to causes other than dumping is not a reason for depriving it of protection against injury caused by dumped imports. In various cases such as Sinochem v. Council, Petrорub and Republica v. Council, Moser Baer v. Council, the European Community has followed the approach that one or more of the other factors are not such, so as to 'break the causal link' between the dumping and injury. In fact it is widely accepted that if a causal link exists between dumped import and material injury to an industry then it is not obvious how that link could be broken merely by the existence of other injurious factors.
- aa. Even if there is a demand supply gap, that cannot be met by dumped imports.
- bb. The imports from subject countries have increased and constitute more than 700 crores which amount to a substantial market share.
- cc. As regards the undercutting only a range has been given. There is nothing to conclude the interested parties' allegation.
- dd. The domestic industry may not be the total Indian production.
- ee. The substitution by synthetic bags is responsible for decline in demand. However imports have taken away substantial portion of existing demand.
- ff. Increase in wages is the part of normal wage increases and are not peculiar to a particular company or industry. If cost of production has increased due to natural factors such as increase in raw material prices or increase in wages, the petitioner are requested to increase their selling price proportionately. In fact, the rules clearly recognize this and provide that the authority shall examine that the imports are preventing price increases. The plausible reason for increase in prices could be many, such as increase in raw material prices, increase in utility prices, increase in wages, increase in interest rates etc. whatever may be the reason for increase in cost of production, the rule clearly recognizes and provides that whether imports have prevent the domestic industry from raising its prices. If so, it must considered that dumping is causing injury to the domestic industry.
- gg. If product prices could not be increased despite increase in cost, it must be concluded that imports are preventing the price increases in the market.
- hh. There is no steep reduction in exports by the domestic industry.
- ii. Cost advantages of Bangladesh do not justify dumping per se. Despite having cost advantages the Bangladesh Jute Mills are enjoying huge subsidies which are further fuelling the injury being suffered by the domestic industry.
- jj. If exchange rate has fluctuated, it is true for both raw material and finished product. While finished product are fully susceptible to exchange fluctuations, the raw material cost are susceptible to exchange fluctuations only to the extent of domestic industry exposе to imports. However, a significant proportion of cost of production of domestic industry is not impacted by exchange fluctuations.
- kk. None of the petitioning companies have been fine by the competition commission of India.
- ll. There was no ban on Govt. quota over the injury period. A future possibility is immaterial to the present case.
- mm. Petitioners have claimed injury on the basis of economy performance of the participating companies. The same was not impacted due to such factors relating to Punjab crackdown.

- nn. The so-called protection by Government is in a limited sector and does not impact product under consideration as a whole.
- oo. Government procurement is on order basis which the domestic industry is able to fulfill. There are substantial sales in the open market as far as sacking bags are concerned.
- pp. The percentage of Nepal in the POI is 26% which is not insignificant.

#### **Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties**

76. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- a. No details of injury margin were provided in the petition.
- b. The petition has accounting errors as the total profit/loss shows profit while cash profit and profit before interest and tax show losses. This is an error as the latter two profits are higher in quantum as additions are made to the actual profit.
- c. There are other factors responsible for injury to domestic industry. The sales to government and the corruption among the petitioners have caused injury and should be given equal weightage. Hot Rolled Steel products from Japan are relied upon in this regard.
- d. All the import volumes are in tandem with the domestic demand.
- e. Subject countries imports have a limited market share and therefore they cannot cause injury.
- f. A uniform price undercutting cannot give rise to such wide fluctuations in losses.
- g. The Authority should conduct injury determination based on data of the domestic market rather than the data that represents only a fraction of the domestic producers of the like product.
- h. The trend comparing profits/losses and import volumes reflect that there is no injury as a result of the imports for the subject countries. That there are other market-factors at play.
- i. There is increased use of synthetics bags as a substitute of sacking bags by user industries as is evidenced by audit reports of Birla Corporation and Cheviot Company Ltd.
- j. There is a sudden and sharp increase in wages if the Audit reports of Birla Corporation, Ludlow Jute & Specialties Ltd are seen.
- k. The audit reports of Birla Corporation, Gloster Ltd, Naihati Jute Mills Co. Ltd, Ludlow Jute and Specialties Ltd show that the production of raw jute declined leading to rise in prices and resulting in increased costs and losses.
- l. The injury is due to dilution of Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packaging Commodities) Act, 1987 [JPMA] as it adversely affects the monopoly of the domestic industry as users have shifted to other alternatives for packing materials.
- m. The domestic industry has acknowledges a steep reduction in exports by domestic industry.
- n. Bangladesh Jute Mills enjoy cost advantages.
- o. The injury is also due to fluctuations in exchange risk and mitigation measures.
- p. In 2014 Competition Commission of India fined Jute mills and gunny trade bodies for unfair trade practices.
- q. There is a threat of ban on jute sector in the Government quota.
- r. The Punjab crack down on mills is one of the important reasons for crisis being faced by Jute sector.
- s. The domestic industry is suffering injury due to sales at government controlled prices.
- t. Indian Government is protecting the Indian producers of jute and any duty will be a setback to free market operations.
- u. Indian jute mills are unable to meet the whole of Government's requirements and hence they are hardly a seller for sacking bags in open market.
- v. The injury is due to other factors such as inadequate supply of raw jute, shortage of skilled man power, raise in labor wages, higher tax and depreciation, dilution of government procurement, inability to meet whole of government's requirements, and because more than 70% of the domestic sales are at government controlled prices.
- w. The percentage of imports from Nepal is too insignificant to cause injury to the domestic industry.
- x. Nepal does not export jute Yarn to India. Therefore there should not be any cumulative assessment with respect to yarn from Nepal.

- y. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Antidumping Rules and considering the submissions made by the other interested parties.
- z. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
- aa. Imports should be historically analyzed for five years instead of merely considering nine months. (April 2014-December 2014)
- bb. The decrease in government consumption in India in the POI is the reason for low domestic sales.
- cc. Information on cost and normal value of PUC in subject countries, export price of PUC to India and other markets, price at which PUC's are being sold in Indian domestic market, historical analysis in terms of Domestic production of PUC by IJMA members before India started importing goods and after India started importing goods from Bangladesh, domestic sale of PUC by IJMA members before and after India started importing goods from Bangladesh, Individual product specific analysis of all the PUCs, historical product specific profit and loss analysis of all the IJMA members and historical audited balance sheet and other financial statements has not been provided.
- dd. The imports from Bangladesh too insignificant to dictate price of domestic market in India.
- ee. Any injury to the domestic industry is due to capacity constraints and emergence of new market demands for import quality yarn and Hessian only available in Bangladesh and not due to dumped imports.
- ff. 70% of Indian production is mandatorily assured by Government and therefore the Bangladeshi PUC is not affecting domestic industry with regard to price or profit or financially.
- gg. There is no price undercutting by the exporters of PUC from Bangladesh. The prices are competitive due to lower price of superior raw material and lower cost of labor in Bangladesh.
- hh. JPMA has been diluted due to inability and inefficiency of the IJMA and non-IJMA manufacturers in meeting the domestic demand.
- ii. Injury is inflicted owing to Punjab Government's decision to slash government order from 7,00,000 bales to 300,000 bales as poor quality, inferior and second hand bags were supplied by Indian mills.
- jj. Imposition of antidumping duties will widen the trade imbalance.
- kk. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Antidumping rules states as under:-
- ll. (iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
- mm. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not.
- nn. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments in the submissions.

#### **Examination by the Authority**

- 77. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Antidumping Rules and considering the submissions made by the other interested parties.
- 78. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped

imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

79. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Antidumping rules states as under:-

(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

80. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not.

81. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments in the submissions.

### **Cumulative assessment**

82. With regard to cumulative assessment Annexure II (iii) to the Rules provides as follows:

*In cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article or where the export of individual countries less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.*

83. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to parameters in Annexure II (iii) to the Rules. It was observed that:

- a. The margins of dumping of product under consideration from each of the subject countries are more than the de-minimis limit;
- b. The volume of imports of product under consideration from each of the subject countries is more than de minimis;
- c. Imports from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
- d. As regard export of Yarn/Twine from Nepal, the Authority notes that at time of initiation, while the export of Yarn /Twine from Nepal was not reported by the Domestic Industry, the initiation notification did not exclude yarn/twine. The cooperative exporters from Nepal stated quantum of Yarn/Twine in their Questionnaire response which was verified on site by Authority. It was noted that Yarn/Twine as a product type of the PUC and was exported under different customs head. The Authority has considered all product type under PUC within the scope of investigation.
- e. The authority notes that the notice of initiation clearly stated that the customs classification is merely indicative and not binding on the scope of the product under consideration. In case imports of one type of the product have been reported in different classification, the same cannot be excluded for the present purpose only because the petition did not include imports under this different customs classification, particularly when the questionnaire responses of the responding exporters and physical verification by the authority shows imports of jute yarn into India.

84. In view of the above, the Authority holds that it would be appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product.

**Injury to the domestic industry in open market**

85. The Authority notes the submissions made by various interest parties to make injury analysis by excluding the sales in the protected Government market as there can be no competition by the imports in this domain. The Authority notes that there has been some decline in demand of the Product under consideration over the injury period. It needs to examine whether with the falling demand the market share of domestic industry and the subject countries remains the same or undergo a significant change. In open market demand has declined over the injury period but market share of imports has increased as compared to base year of the injury period whereas the market share of Domestic Industry has declined. Import from subject countries have increased from the base year of the injury period though it declined as compare to proceeding year POI. Price undercutting for sacking bag is positive in open market from Bangladesh but marginally negative in case of Nepal in POI, although it is positive in the earlier injury period.
86. The authority notes that the interested parties agree that the imports of the product under consideration specifically sacking bag are limited only in open market. As far as Govt. procurement is concerned, the imports from subject countries does not compete with the domestic industry. Therefore as per foregoing para, the authority considers to examine injury to the domestic industry by considering overall performance as also by restricting to the open market.

**Assessment of Demand**

87. For this purpose, demand or apparent consumption of the product in India is taken as the sum of domestic sales of the Indian producers and imports from all sources. It is seen that the demand of the subject goods declined over the injury period. However, imports have increased significantly. It is also seen that the Indian industry can meet the entire demand of the subject goods in India.

**(i) Indian demand (including Govt. procurement)**

<b>Demand total -Jute product</b>	<b>Unit</b>	<b>2011-12</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>POI</b>
Imports from Subject Countries	MT	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72, 539
Other Countries	MT	64	2,299	1,250	170
Domestic industry sales	MT	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
Other producers sales	MT	7,40,580	7,11,510	7,24,885	8,15,541
Demand	MT	14,32,360	14,92,084	14,69,694	14,78,961
Trend	Index	100	104	103	103

**(ii) Indian demand (excluding Govt. procurement)**

<b>Demand total -excluding</b>	<b>Unit</b>	<b>2011-12</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>POI</b>
Imports from Subject Countries	MT	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
Other Countries	MT	64	2,299	1,250	170
Domestic industry sales	MT	2,92,395	2,62,713	2,58,755	2,17,077
Other producers sales	MT	4,48,003	3,59,061	3,33,642	2,40,789
Demand	MT	8,66,506	8,07,607	7,55,840	6,30,575
Trend	Index	100	93	87	73

88. It is seen that the demand of the product in the country decreased over the injury period. There was a noticeable fall in demand for the product under consideration in the current POI. Further, whether Govt. procurement is excluded or included, the same pattern of decline in demand is seen.

**Volume Effect of Dumped Imports - Import Volumes and Share of Subject Country**

89. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject countries and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S data. The import volumes of the subject goods and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

<b>Particulars</b>	<b>Unit</b>	<b>2011-12</b>	<b>2012-13</b>	<b>2013-14</b>	<b>POI</b>
Subject Country Imports	MT	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
Bangladesh	MT	78,032	1,38,442	1,06,713	1,21,470
Nepal	MT	48,013	45,092	55,480	51,069
Other Country	MT	64	2,299	1,250	170
Total Imports	MT	1,26,108	1,85,833	1,63,443	1,72,709

Share of subject countries in India					
Bangladesh	%	62%	74%	65%	70%
Nepal	%	38%	24%	34%	30%
Import in relation in demand	%	9%	12%	11%	12%
Imports in relation to Indian production	%	21%	30%	27%	34%

Demand total -Jute product	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Imports from Subject Countries	MT	1,26,044	1,83,534	1,62,193	1,72,539
Other Countries	MT	64	2,299	1,250	170
Domestic industry sales	MT	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
Other producers sales	MT	7,40,580	7,11,510	7,24,885	8,15,541
Demand	MT	14,32,360	14,92,084	14,69,694	14,78,961
Trend	Index	100	104	103	103
Share in demand					
Bangladesh	%	5.45%	9.28%	7.26%	8.21%
Nepal	%	3.35%	3.02%	3.77%	3.45%
Other Country	%	0.00%	0.15%	0.09%	0.01%
Domestic industry	%	39.49%	39.86%	39.56%	33.18%
Other producers	%	51.70%	47.69%	49.32%	55.14%

90. The analysis of the above indicates the following:

- Imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms as compared to the base year.
- Imports from the subject countries cumulatively constitute 99% of imports during POI.
- Whereas imports from subject countries increased, imports from third countries have been negligible.
- Imports from the subject countries increased significantly in relation to production in India.
- Imports from the subject countries increased significantly in relation to consumption of the product in India as compared to the base year.

#### **Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

91. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

*“With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.”*

92. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### **Price Undercutting**

93. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from each of the subject countries and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level. This comparison shows that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject countries were imported into the Indian market at prices which were materially lower than the selling prices of the domestic industry. The table below shows the level of price undercutting from each of the subject countries:

Bangladesh- Hessian Fabric					
Price undercutting		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed Value	Rs./MT	43715	61640	50130	44097
Price undercutting	Rs./MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	18	93	138
Price undercutting %	%	****	****	****	****
Trend	Range	30-40	5-15	20-30	30-40

Bangladesh- Sacking Bag					
Price undercutting		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	93	91
Landed Value	Rs. /MT	48078	51580	49118	50380
Trend	Index	100	107	102	105
Price undercutting	Rs. /MT	****	****	****	(***)
Trend	Index	100	44	27	-6
Price undercutting %	%	****	****	****	(***)
Price undercutting	Range	10-20	5-10	2-12	(0-10)

<b>Bangladesh-Jute Yarn</b>					
Price undercutting		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed Value	Rs. /MT	38144	40000	42378	43463
Trend	Index	100	105	111	114
Price undercutting	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	104	182
Price undercutting %	%	****	****	****	****
Price undercutting	Range	10-20	10-20	10-20	15-25

Nepal –Hessian Fabric					
<b>Price undercutting</b>		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed Value	Rs. /MT	59113	93639	59463	64162
Trend	Index	100	158	101	109
Price undercutting	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	-560	193	182
Price undercutting %	%	****	(***)	****	****
Price undercutting	Range	10-20	(30-40)	10-20	15-25



Nepal –Sacking Bag					
<b>Price Undercutting</b>		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	93	91
Landed Value	Rs. /MT	47391	55411	47932	51574
Trend	Index	100	117	101	109
Price undercutting	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	-13	41	-22
Price undercutting %	%	****	(***)	****	(***)
Price undercutting	Range	10-20	(1-10)	10-20	(1-10)

Nepal -Jute Yarn					
<b>Price Undercutting</b>		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Selling price	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed Value	Rs. /MT	34,454	35,070	39,881	44,899
Trend	Index	100	102	116	130
Price undercutting	Rs. /MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	117	92	114
Price undercutting %	%	****	****	****	****
Price undercutting	Range	20-30	20-30	20-30	20-30

### **Price Underselling**

94. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. For this purpose, the cost of sales determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. The landed price of imports considered for the purpose of price undercutting has also been adopted for the purpose of determining price underselling. Comparison of weighted average cost of sales of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

<b>Hessian Fabric- Bangladesh</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	99	111	118
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed value	Rs./ MT	43715	61640	50130	44097
Trend	Index	100	141	115	101
<b>Sacking Bag- Bangladesh</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	115	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****

Trend	Index	100	100	93	91
Landed value	Rs./ MT	48078	51580	49118	50380
Trend	Index	100	107	102	105
<b>Jute yarn- Bangladesh</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	110	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed value	Rs./ MT	38,144	40,000	42,378	43,463
Trend	Index	100	105	111	114
<b>Hessian Fabric –Nepal</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	99	111	118
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed value	Rs./ MT	59,113	93,639	59,463	64,162
Trend	Index	100	158	101	109
<b>Sacking- Bag Nepal</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	115	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	93	91
Landed value	Rs./ MT	47,391	55,411	47,932	51,574
Trend	Index	100	117	101	109
<b>Jute yarn- Nepal</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	110	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed value	Rs./ MT	34,454	35,070	39,881	44,899
Trend	Index	100	102	116	130

**Price Suppression and Depression & Undercutting**

95. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices or whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree and prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the Table below. It is seen that whereas both the cost of production and selling price increased over the period, the increase in the cost of production was more than the increase in selling price. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market.

**Hessian Fabric**

<b><u>Hessian Fabric –Total</u></b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	99	111	118
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed Value	Rs./ MT	43715	61640	50130	45160
Trend	Index	100	141	115	103
<b>Sacking Bag –Total</b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	115	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	101	104	113
Landed Value	Rs./ MT	48078	51580	49118	50380
Trend	Index	100	107	102	105
<b>Price Suppression and Depression (open Market) –Sacking bag –Bangladesh</b>					
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	115	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	93	91
Landed Value	Rs./ MT	48,078	51,580	49,118	50,380
Trend	Index	100	107	102	105
<b><u>Price Suppression and Depression &amp; Undercutting - (Jute yarn) Bangladesh</u></b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	110	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed value	Rs./ MT	38,144	40,000	42,378	43,463
Trend	Index	100	105	111	114

<b><u>Price Suppression and Depression &amp; Undercutting (Hessian Fabric) Nepal</u></b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	99	111	118
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	102	108	114
Landed Value	Rs./ MT	59,113	93,639	59,463	64,162
Trend	Index	100	158	101	109
<b><u>Price Suppression and Depression &amp; Undercutting (Sacking Bag Open Market ) Nepal</u></b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	115	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	100	93	91
Landed Value	Rs./ MT	47,391	55,411	47,932	51,574
Trend	Index	100	117	101	109
<b><u>Price Suppression and Depression &amp; Undercutting (Jute yarn) Nepal</u></b>					
Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	110	122
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Trend	Index	100	106	110	126
Landed value	Rs./ MT	34,454	35,070	39,881	44,899
Trend	Index	100	102	116	130

**Injury Margin in POI**

Bangladesh	Landed Value	NIP	Injury Margin	Injury Margin
Injury Margin	\$/MT	\$/MT	\$/MT	%
Jute Yarn/Twine	*****	*****	*****	25 - 35
Sacking Bags	*****	*****	*****	0 - 10
Hessian Fabric	*****	*****	*****	45 - 55

Nepal	Landed Value	NIP	Injury Margin	Injury Margin
Injury Margin	\$/MT	\$/MT	\$/MT	%
Jute Yarn/Twine	*****	*****	*****	20 - 30
Sacking Bags	*****	*****	*****	0 - 10
Hessian Fabric	*****	*****	*****	0 - 10

**Conclusion on Volume and Price Effect of Imports**

96. There has been a significant increase in dumped imports over the injury period in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Imports undercut the prices of the domestic industry. The price undercutting was resulting in price suppression. Whereas both the cost of production and selling price increased over the period, the increase in the cost of production was more than the increase in selling price. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market, thus leading to deterioration in profits.

**Impact on Economic Parameters of the Domestic Industry**

97. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth and the ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

**Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales**

98. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization is as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Capacity-Plant	MT	8,37,872	8,48,613	8,77,962	8,95,411
Indexed		100	107	112	112
Production-Plant	MT	6,32,756	6,33,803	6,35,169	5,23,458
Indexed		100	102	104	86
Production-PUC	MT	601,774	628,289	608,154	514,985
Capacity Utilization	%	76%	75%	72%	58%
Sales volume total	MT	5,65,672	5,94,741	5,81,366	4,90,711
Sales volume open market	MT	2,51,873	2,12,879	2,30,405	1,91,400

99. It is seen that

- The production of the domestic industry declined sharply in the POI.
- As a result of decline in production, the capacity utilization of the domestic industry declined substantially in the POI.
- The sales of the domestic industry have considerably declined over the injury period. Further, since the domestic industry has sold the product under consideration both in open market as well as in Govt. procurement, and further since the imports of the product under consideration have not been made directly for Govt. procurement, the sales volumes of the domestic industry have been separately examined for open market. It is seen that there was significant decline in the sales volumes of the domestic industry in the open market.

100. It is noted that the performance of the domestic industry deteriorated in respect of production, sales and capacity utilization.

**Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit –Total**

101. The cost of sales, selling price, profit/loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analyzed as follows:

Domestic Operations		2011-12	2012-13	2013-14	POI
Cost of Sales	Rs./ MT	****	****	****	****
Selling Price	Rs./ MT	****	****	****	****
Profit/ (Loss) per unit	Rs./ MT	***	(****)	(****)	(****)
Profit/ (Loss) – Total	Rs. Lacs	***	(****)	(****)	(****)

Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	(****)	****
Profit before Interest and Tax	Rs. Lacs	****	****	(****)	*****
Return on Investment	%	****	****	(****)	****

102. The Authority notes that:

- Both, the cost of sales and the selling price, increased over the injury period.
- The increase in selling price was lower than the increase in cost, thus, leading to decline in profitability as compared to the base year.
- The domestic industry was earning profits during 2011-12. The profitability however deteriorated thereafter.
- Return on investment over the injury period has shown the same trend as that of profits. Return on investment decreased till 2013-14 and then became marginally positive in POI.
- Cash profits have also shown the same trend cash profits decreased till 2013-14 and then became positive in POI.

### **Market Share**

103. The effects of the dumped imports on the market share in demand of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Domestic Industry	%	39.49	40.06	40.24	33.30
Subject countries-Imports	%	8.80	11.86	9.50	11.35
Other domestic producers	%	51.70	47.93	50.18	55.34

104. It is seen from the above table that the market share of the domestic industry has declined and that of the subject countries has increased as compared to base year. The market share of the domestic producers as a whole has increased.

### **Employment, Wages and Productivity**

105. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
No. of Employees	Nos.	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	109	116	111
Wages	Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	106	122	112
Wages / Unit	Rs./ MT	*****	*****	*****	*****
Indexed		100	109	119	136
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Productivity per day	MT	***	***	***	***

106. It is noted that employment with the industry declined in period of investigation as compared to 2013 - 14. Wages paid have increased over the injury period. Productivity per day have declined in period of investigation as compare to base year.

### **Inventory**

107. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Opening Stocks	MT	***	***	***	***
Closing Stocks	MT	***	***	***	***
Average Stocks	MT	30,484	26,145	29,786	32,290
Indexed		100	86	98	106

108. It is seen that inventories with the domestic industry increased significantly.

#### **Magnitude of Dumping**

109. It is noted that imports from each of the subject countries are entering the country at dumped prices and that the margin of dumping are above de-minimis limits.

#### **Ability to raise capital investment**

110. The Authority notes that given declining demand of the product in the country, there are no further investments in the industry. Further, current investments itself are not performing well and the domestic industry is suffering negative return on investment.

#### **Growth**

111. The data relating to growth of the domestic industry is shown in the following table:

Growth	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI
Production	Y/Y		4%	-3%	-15%
Domestic Sales	Y/Y		5%	-2%	-16%
Cost of sales	Y/Y		7%	6%	8%
Selling price	Y/Y		2%	4%	9%
Profit/Loss	Y/Y		-116%	-321%	-41%
ROI	Y/Y		-15.14%	-5.74%	5.90%
Cash Profit	Y/Y		-93%	-514%	-103%

112. The Authority notes that growth of the domestic industry was adverse both in terms of volume and price parameters. Growth with regard to sales, production, profits, return on investments and cash flow was negative during the entire period of injury.

#### **Factors affecting Domestic Prices**

113. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing price undercutting as well as price underselling in the Indian market. The authority notes that the prices of the product under consideration in general should move in tandem with the prices of key raw materials and the domestic industry has been fixing its prices considering these input prices and landed price of imports.

114. The injury margin determined for subject countries, during POI as follows:

SN	Sampled Producer/Exporter	PUC	NIP	Landed price	Injury margin		
					Amount	%	Range
			(\$/MT)	(\$/MT)	(\$/MT)		%
BANGLADESH							
1	Pride Jute Mill	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	40 – 50
2	Asha Jute Industries Ltd.	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	30 – 40
3	Sonali Ansh Industries Ltd	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	40 – 50
4	Alijan Jute Mills Ltd.	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	40 – 50
5	Sharif Jute Mills Ltd.	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	30 – 40
6	Anwar Jute Spinning Mills Ltd	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	20 – 30
7	Hasan Jute Mills Ltd.	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	35 – 45
		Sacking Bags	***	***	***	***	15 – 25
8	Janata Jute Mills Ltd	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	0 – 10
		Hessian Fabric	***	***	***	***	-40 to – 50

9	Sidlaw Textiles Ltd	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	5 – 15
		Sacking Bags	***	***	***	***	10 – 20
10	Sagar Jute Spinning Mills Ltd	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	20-30
11	Non Sampled Producer/ exporters	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	20 - 30
		Sacking Bags				***	10 – 20
		Hessian Fabric	***	***	***	***	40 – 50
12	Residual Producer/Exporter	Jute Yarn/Twine	***	***	***	***	30 – 40
		Sacking Bags	***	***	***	***	10 – 20
		Hessian Fabric	***	***	***	***	40 - 50
NEPAL							
1	Arihant Multi-Fibres Ltd	Yarn	***	***	***	***	30-40
		Hessian	***	***	***	***	5-15
		Sacking Bags	***	***	***	***	-0 to -10
2	Shree Raghupati Jute Mills Ltd.	Yarn	***	***	***	***	25 - 35
		Hessian	***	***	***	***	0 - 10
		Sacking Bags	***	***	***	***	0 - 10
3	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	Yarn	***	***	***	***	40 - 50
		Hessian	***	***	***	***	5 - 15
		Sacking Bags	***	***	***	***	0 - 10
4	BABA Jute Mills Pvt. Ltd.	Yarn	***	***	***	***	15 - 25
		Hessian	***	***	***	***	5 – 15
		Sacking Bags	***	***	***	***	0 - 10
5	Residual Producers/Exporters	Yarn	***	***	***	***	40 - 50
		Hessian	***	***	***	***	10 – 20
		Sacking Bags	***	***	***	***	0 – 10

115. The Authority holds that the dumped imports from subject countries have led to both volume and price effect on the domestic Industry. There has been price suppression and undercutting leading to adverse impact on profit ability.

#### **Causal link**

116. The Authority has examined other factors listed under the Anti-dumping Rules which could have contributed to injury to the domestic industry for examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry.

#### **Imports from third countries**

117. The Authority has examined import data of the subject goods obtained from DGCI&S on transaction-wise basis. It is noted that imports from third countries are negligible and could not have caused claimed injury to the domestic industry.

#### **Contraction in demand**

118. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown some decline over injury period. However, whereas demand for the product under consideration has declined, imports from subject countries have increased.

#### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

119. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

#### **Developments in technology**

120. The Authority notes that the existing technology and process adopted by the domestic industry is comparable with foreign producers as regards production of the final product.

#### **Changes in pattern of consumption**

121. The domestic industry is producing the subject goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.



**Export performance**

122. Domestic industry does not have significant exports of the product under consideration. In any case, the authority has considered only domestic operations. Thus, the information relating to the domestic industry considered for the injury examination is on account of domestic operations only.

**Performance of the domestic industry with respect to other products**

123. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

**Productivity of the domestic industry**

124. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has followed the same trend as production. Deterioration in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

**Factors establishing causal link**

125. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. The volume of imports has increased significantly in absolute terms and in relation to production and consumption in India.
- b. The imports were undercutting the domestic prices. Whereas the cost of production and selling price of the domestic industry increased over the injury period, the increase in selling price was lower than the increase in cost of production. Thus, the imports were suppressing the prices of the domestic industry in the market.
- c. The imports of the product under consideration are causing price suppression and are preventing the domestic industry from raising the prices. Consequently, profits, cash flow and ROI has declined.
- d. Imports of the product under consideration increased significantly. Resultantly, the production, sales volumes, capacity utilization and market share of the domestic industry has suffered.
- e. The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price and volume related economic parameters.
- f. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry. For the purpose the Authority has considered best consumption norms of the raw materials & utilization. The Authority has segregated and excluded injury suffered by the domestic industry due to other factors, in accordance the provisions of Annexure-III to the Rules.

**126. Post disclosure Comments****(a) Views of the exporters/subject countries**

- i. **The Government of Bangladesh** has mentioned that as per Article 4(1)(i) of the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariff and Trade 1994 and Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules of India "when producers are related to the exporter or importers or are themselves importers of the allegedly dumped product, the term 'domestic industry' may be interpreted as referring to the rest of the producers." The Designated Authority has mentioned in paragraph 38 € of the said Disclosure Statement that during POI 3 petitioner companies viz. Kamarhatty Co. Ltd. Ludlow Jute and Specialties Ltd. and Cheviot Co. Ltd. have imported Jute Yarn from Bangladesh Therefore, these 3 petitioner companies should be excluded from the list of companies forming the domestic industry.
- ii. The comparison made by Designated Authority for Dumping Margin is violation of Para 6(i) of Annexure-1 of Anti-dumping Rules. Designated Authority must make comparison of Export price and Normal Value at the same level, normally at the ex-factory level. In this regards it has been noted that Designated Authority has worked out Normal Value by adding 5% profit of the weighted average cost of production for the product under consideration (PUC) export to India on gross basis whereas the Export Price has been worked out on ex-factory basis. This is inconsistent with Article 2.4 of the WTO Anti-dumping Agreement. As per the Disclosure Statement, to arrive at the Dumping Margin, the Designated Authority has not made comparison between Normal Value and Export Price on same level of trade. It is requested that the Designated Authority must made necessary amendments in its workings at Final Findings by making comparison at the same level.
- iii. There is no direct link between import of jute products from Bangladesh and profit loss incurred by Indian Jute Industry. After the POI the import from Bangladesh has increased gradually but the Indian Jute Industry has not incurred any loss in last 2 years. The authority shall consider the profitability of Indian Jute mills in last 2 years despite increasing imports.

- iv. **M/s. World Trade Consultants & Advocates (WTC)** on behalf of Pride Jute Mill Ltd., Bangladesh, Asha Jute Industries Ltd., Bangladesh, Sonali Ansh Industries Ltd., Bangladesh, Alijan Jute Mills Ltd., Bangladesh, Sharif Jute Mills Ltd., Bangladesh, Anwar Jute Spinning Mills Ltd., Bangladesh, Hasan Jute Mills Ltd., Bangladesh, Janata Jute Mills Ltd., Bangladesh, Sidlaw Textiles Ltd., Bangladesh, Sagar Jute Spinning Mills Ltd., Bangladesh have submitted that for arriving at the dumping margin for the above mentioned 10 producers/exporters, the Designated authority has calculated the Export Price and Normal Values and the methodology to arrive at the same has been explained in para 71 of the said Disclosure Statement.
  - v. In the said para the authority has explained that in respect of 10 sampled exporters the export price has been worked out on ex-factory basis after deducting Packing cost, Inland Freight, Handling Charges, Credit Cost and Bank charges (wherever applicable to the concerned exporter. The Normal Value has been based on weighted average cost of production plus 5% profit of respective exporter. The confidential version of Disclosure Statement clearly shows that the Designated Authority has adopted gross cost of production of product under consideration (PUC) and added 5% profit. The same has been compared with ex-factory export price after making adjustments for (Packing, Inland Freight, Handling, Credit cost and Bank Charges). Such a comparison made by Hon'ble Designated Authority is violation of Para 6(i) of Annexure-1 of Anti-Dumping Rules.
  - vi. The Authority must make comparison of Export price and Normal Value at the same level, normally at the ex-factory level. In this regards in has submitted that Authority has worked out Normal Value by adding 5% profit the weighted average cost of production of the product under consideration (PUC) exports to India on gross basis whereas the Export Price has been worked out on ex-factory basis. This is inconsistent with Article 2.4 of the WTO Agreement. As per the Disclosure Statement, to arrive at the Dumping Margin, the DA has not made comparison between Normal Value and Export Price on same level of trade. It is requested that the DA must made necessary amendments in its workings at Final Findings stage by making comparison at same level.
  - vii. In order to encourage exports and support the producers, Government of Bangladesh provides cash subsidy on exports of Jute Products @7.5% for Yarn/Twine & 10% Sacking Bags. The impact of cash subsidy has been duly recognized in the profit/loss of the companies in their audited reports as part of income. This issue was discussed and explained in detail during the course of verification and relevant supporting data/information was provided to the verification team. The Disclosure Statement has not considered the impact of subsidy neither in cost nor in arriving at ex-factory export price. Subsidy can either be considered as part of cost and accordingly cost may be adjusted to account for subsidy or else the Hon'ble Designated Authority may add subsidy as part of export price to arrive at ex-factory export price. The Anti-dumping investigation is not a CVD (Anti-Subsidy investigation) investigation, hence non consideration of impact of subsidy in cost or export price is clear violation of DGAD practices and WTO agreement. In the past the Authority has never ignored the impact of subsidy in calculating ex-factory export price.
  - viii. The above two issues may be addressed while working out the dumping margins for participating samples exporters and revised Disclosure Statement be issued so that we may be able to file our comments on the same.
  - ix. Through letter dated 17/10/2016, **M/s. Sagar Jute Spinning Mills Ltd.** Bangladesh have submitted revised appendix 5, 6, 7, 8, 8A, 8B requesting to accept the same.
  - x. **M/s. Ahyon Jute Mills Limited**, Bangladesh have mentioned that they have filed response through their advocate but they are not in the list of interested parties.
  - xi. **The producers/exporters of Nepal** have stated that the Authority has erroneously evaluated Dumping Margin as adjustments made for evaluating ex-factory Export Price are also included in the weighted average cost of production. The Dumping Margin after correction would become deminimis; and investigation be terminated. The profit of % taken over weighted average cost of production is improper and not reasonable which should be as per actual data in terms of para 4 to Annexure I of AD Rules.
  - xii. NIP has been computed erroneously and has been kept confidential and therefore no comments can be made. At a marginal level of Imports of 5.8%, 5.72% and 2.64% of Yarn/Twine, Hessian Cloth and Sacking Bag respectively no injury is likely to the Domestic Industry. Further Yarn/Twine dumping was never alleged by Indian Jute Mills Association, still it has been included in initiation. Submissions to exclude were made earlier by the producer/exporter of Nepal. Majority of the petitioning companies have imported and therefore they cannot be part of Domestic Industry.
  - xiii. Nepal Jute Industry is already suffering due to electricity outages and strikes and imposition of ADD will ruin the Jute industry of Nepal.
- (b) Submissions by the Importers/Users/User Associations**
- i. M/s. LKS on behalf of Jute Products Importers Association have submitted that the Authority must re-define the PUC as PUCs cannot contain both a raw material and products higher in the value chain at the same time.

- ii. Standing based on production and import figures, particularly of Ludlow, Kamath, Budge Budge, Bally, Gloster and RDB among others must be reassessed. There is no difference between 'directly importing' and 'indirectly importing' as is being posed in the disclosure statement.
  - iii. 42.78% share of production firstly does not constitute a major proportion and secondly is a share representative of all three categories of products taken together, which is inappropriate as share should be determined for all three product categories separately.
  - iv. Petitioner has resorted to cherry picking of companies based on performance. Further supporting companies should not be considered while determining major proportion of production.
  - v. Not providing transaction wise relied upon import statistics in raw and sorted form to the interested parties; the standard weight used for conversion of other units of measurements into weight; and the basis of sorting the data is against the judgment of Hon'ble Delhi High Court in Sandisk Corporation where it was held that it is obligatory for Designated Authority to share all material with interested parties.
  - vi. Rate of return should be based on a historical rate and the Authority must clarify as to how the same has been arrived at.
  - vii. The domestic industry is unable to prove its claim that it can meet entire demand of India.
  - viii. There is hardly any increase in imports in relation to the Indian demand.
  - ix. Price suppression is self-inflicted in case of open market and non-existent in case of Jute Yarn. In relation to sacking bags from Bangladesh price suppression has been assessed for both total and open market but not in case of Nepal. This should be resolved.
  - x. Authority should disclose the indexed figures of assessment of economic parameters and allow respondents to comment on the same.
  - xi. The volume of imports is in tandem with the industry's demand.
  - xii. Imports hold a very small market share and are incapable of having a negative impact on the domestic producers.
  - xiii. Inter se competition between the domestic producers and domestic industry is also a cause of injury which has not been taken into consideration by Authority.
  - xiv. Injury to the domestic producers is on account of other factors like sales to the Government, alleged corruption and rise in wages, all of which has not been adequately addressed and explained by the Authority.
  - xv. The mere presence of Government in the market procuring such high quantities distorts the market and sets the price for merchant market operations.
  - xvi. M/s. Meghraj Madanlal Gattani has submitted that as per point 33 sub-point (d) of the disclosure, nineteen companies that have shut down as on 11<sup>th</sup> June, 2015 but jute Industries had misguided the Authority because from that date till year end we had purchased Jute products from many mills shown as closed down. Purchase bills are evidenced.
  - xvii. None of Jute Industries in India manufacture Jute Twine in multiple folds (28 LBS X 3 PLY). Some Jute Industries producing Jute Twine in multiple folds from 8 LBS to 20 LBS only, and also Jute Twine in multiple folds (28 LBS X 3 PLY) is not manufactured in Nepal. So, we have to purchase from Bangladesh Jute Industries only.
  - xviii. The Jute Industries of India be binded to produce Jute Twine in multiple folds (28 LBS X 3 PLY) one third (1/3) of their annual capacity. Or requested not to impose Anti-Dumping Duty especially on Jute Twine in multiple folds (mainly 28 LBS X 3 PLY).
  - xix. If Anti-Dumping Duty is levied on Jute Twine in multiple folds (28 LBS X 3 PLY) then it will create havoc in the market, 80% is used by farmers for good grains bag packaging, vegetables packaging, etc., it will harm the Traders badly and increase the use of Non Environment Friendly i.e. Plastic Twine/Yarn.
- (c) **Submissions by the domestic industry**
- i. The disclosure statement establishes that the Jute products constitute appropriate product under consideration and should be treated as one article under the AD Rules. Designated Authority has however proposed to treat them as three different articles.
  - ii. The product under consideration is Jute Products which comprises of Jute Yarn/twine ((multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags. The Authority has rightly noted that although at the time of initiation classification was considered under Chapter 53 and 63 of the 1975 Act, further sub-classified under custom heads 5307, 5310 and 6305.

- iii. Classification under Custom Heading 5607 has also been observed to include imports of yarn/twine from Nepal. Custom heading no. 5607, covers Twine, Cordage, Ropes and Cables whether or not Plaited or Braided and whether or not impregnated, coated, covered or sheathed with rubber and plastics. Therefore, even if this custom classification was not included expressly at the time of initiation, it can certainly form part of the present investigation. The authority had clearly stated that the customs classification is merely indicative and product description prevails.
- iv. It appears that the Designated Authority has proposed to treat yarn, fabric and bag as three different articles. If so, Petitioners submit that the same will not be appropriate. Yarn, fabric and bag constitute one article within the meaning of law and practice. This is clearly established by the jurisprudence applied by the Designated Authority. In various anti-dumping cases PUC included a number of different types of products, wherein one product type was raw material for another product type included within the scope of the product under consideration. These include Persulphates, Solar Cells, Glass Fiber, Caustic Soda, HR Steel Flat Products, Seamless Pipes and Tubes, Polyester Film, and Phosphoric Acid.
- v. As regards the unit of measurement the Authority has rightly noted that in the letter sent to the interested parties it was mentioned that the unit of measurement in the present investigation is in weight. In case the information is supplied in numbers as a unit of measurement, it should be converted into equivalent weight. The approach of common denomination in kg/MT facilitates evaluation of price and appropriate comparison for all product types. Therefore, the unit of measurement i.e. MT adopted is appropriate. The Jute products produced in India and that exported from Bangladesh and Nepal constitute like products.
- vi. The Authority has included the injury information of M/s. East India Commercial Co. Ltd and M/s. Gondapara Jute Mills in the present investigation. Share of companies who provided costing & injury information now constitute 42%, which is clearly a major proportion and satisfies the standing requirement in the present case. As regards Rule 2(b), Petitioners submit that only imports made between April, 2014 to March, 2015 are relevant for deciding eligibility under Rule 2(b). Further, imports made by the petitioning companies directly or through related entities alone are relevant under Rule 2(b). Any imports made by the petitioner companies are either minimal in the POI or outside the POI. Therefore, the Authority has rightly not excluded any petitioner companies from the scope of the domestic industry. There is no evidence on record to prove that the domestic industry has cherry picked the petitioner companies.
- vii. While considering the share of petitioning companies in Indian production, the authority may kindly consider the peculiar facts of the present case. There are a very large number of producers of the product under consideration in India. Individual production of each company is quite small. Thus, petition has been made by those producers whose individual production is quite significant having regard to individual company production. Under the present circumstances, the share of those companies who provided injury information should nevertheless be considered as "significant".
- viii. The Designated Authority has conducted onsite verification at the premises of foreign producers/exporters. Petitioner requests a copy of various communications sent to the exporters, replies filed by the responding exporters and verification report issued to the exporters. If there is any information which is confidential, petitioner requests only a non-confidential summary. Petitioner is not requesting confidential information. Petitioner is requesting only NCV of these information.
- ix. With regard to MS Excel format, DGCI&S data has been placed in the public file. Further the petitioner stresses that Petitioner is not obliged to provide data in excel files. The Authority has noted that even when the method of sorting data was provided by the petitioner in the written submissions the respondents did not offer any comments on the same.
- x. With regard to argument of excessive protection to domestic industry, it is submitted that anti-dumping duty is only to ensure a level playing field and should not be perceived as protection per se. As regards the accounting system of Bangladesh, Petitioner reiterates that the accounting system of Bangladesh is appropriately well developed and comparable to that of India. Therefore, it cannot be accepted that exporters cannot provide proper accounting data. The petitioners submit that there is no violation of the constructive remedies provided in SAFTA. The exporters have not come out with any other remedy.
- xi. The petitioner reiterates that financial data furnished by exporters does not refer to the POI consistently as the exporters' accounting year is 16th July to 15th July (Nepal) and 1st July to 30th June. Financial statements have been constructed by doing some 'minus' and 'plus' and not by following accounting principles.
- xii. The domestic industry notes that the methodology adopted for determination of normal value. While the amount of normal value determined is not known to the domestic industry, it is noted that the quantum of dumping margin determined is positive and significant. A statement comparing the dumping margin determined in the petition and in the disclosure statement. It is seen that the dumping margin determined in some of the cases are quite low. Further, few dumping margins determined are de-minimus. Petitioners request the authority to kindly review these dumping margins. Petitioners had determined significantly high dumping margin in the petition,

which was already on conservative basis. Petitioners however find that the dumping margins claimed by some of the exporters are quite low. Considering the price at which the material was supplied during the relevant period, it is not possible that the dumping margin would be so low. It appears that the information provided by the exporters is unreliable. Possibility of claiming significantly high export price is not ruled out. It is also seen from the disclosure statement that only a few companies have supplied fabric, while only one company has supplied bags. Petitioners are unclear whether these companies have actually reported completely and comprehensively their exports to India. The petitioners therefore request the authority to kindly re-verify the dumping margins claimed by the responding exporters.

- xiii. The increased share of imports is due to adverse market situation in Bangladesh. In case of Bangladesh two press reports of 8th March, 2015 and 11th July, 2016 clearly show that due to adverse market conditions in Bangladesh and lack of global demand, heavy exports are being made to countries like India. These reports reveal liquidation of goods worth Rs. 300 crores in the Indian market and establish focused dumping by Bangladesh into India. Consumption in Nepal is extremely limited and the capacities have been set up only to target Indian market.
- xiv. The exporters' questionnaire response of Arihant Multi-Fibres shows various exemptions and subsidies received from the Government of Nepal. They enjoy substantial income tax rate exemption, electricity subsidies and income tax and VAT subsidies on imports of Store Spares of Jute Mill Machinery.
- xv. Even if injury is due to the lack or decline of demand in the Government procurement sector then it does not undermine the material injury being caused due to dumped imports. Even if there is a demand supply gap, that cannot be justify dumping in India. The imports from subject countries have increased and constitute more than 700 crores which amount to a substantial market share. Even if the substitution by synthetic bags is responsible for decline in demand, imports have taken away substantial portion of and increasing share of existing demand. If product prices could not be increased despite increase in cost, it must be concluded that imports are preventing price increases in the market.
- xvi. Cost advantages of Bangladesh do not justify dumping per se. Despite having cost advantages the Bangladesh Jute Mills are enjoying huge subsidies which are further fuelling the injury being suffered by the domestic industry. Government procurement is on order basis which the domestic industry is able to fulfill. There are substantial sales in the open market as far as sacking bags are concerned. The percentage of market share of imports from Nepal in the POI is 26% which is not insignificant.
- xvii. The non-injurious price determined is too low and grossly inadequate to protect the legitimate interests of the domestic industry. The Authority is required to consider actual raw material and utilities consumption. Consumption of raw materials over the years depends on a number of complex factors and is not a result of inefficiency of the domestic industry. In fact there was no deterioration in its efficiencies with regard to raw materials and utilities. It would be inappropriate to ignore actual production and adopt any other production basis for determination of non-injurious price. The Authority is required to determine actual cost of production and not a notional lower cost of production in order to determine a price which can't be compared with the import price in order to assess injury margin.
- xviii. The form of duty should serve the purpose for which anti-dumping duty is imposed and the duty should be imposed in a manner where it does not become futile. Combination form of duty is the most appropriate form of duty in the present case. Further, this combination duty should be a combination of (a) an ad-valorem duty and (b) a benchmark. Since there are three different products involved, imposing one fixed duty on the three forms would not be appropriate. Further, since there is possibility of absorption of duty, the petitioners request the authority to also specify a benchmark. The Authority is therefore requested to recommend combination form of duty wherein Authority may kindly specify an ad valorem amount which should be the minimum amount of duty. Further, in case comparison of import price with the benchmark shows a higher quantum of difference as compare to ad valorem, such high quantum should be charged as duty. The anti-dumping duty be expressed in US\$.

#### 127. Examination by Authority

The Authority notes the submissions made by various interested parties on the Product under Consideration, Domestic Industry's standing, injury assessment, dumping margin evaluation and form of Anti-Dumping Duty, and holds as under;

- i. The PUC in initiation is considered as jute products comprising of Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags from Bangladesh and Nepal. Though these product types are interrelated but are differentiated in terms of production and end usage with different custom headings. It is clarified that the authority has treated the three products as different articles. The Authority has assessed the dumping margin and injury margin for the 3 product types separately and recommends levy of Anti-dumping measures separately for these 3 product types. As regards Jute Yarn from Nepal, the Authority notes that the same was not excluded from the PUC in initiation and having noted the quantum of imports through the exporter's questionnaire and confirmation of imports by DGCIS, has included the same for consideration of measures as per AD Rules. In this regard it is further reiterated that the investigation on dumping assessment has

been done separately for the three product types taking into account volume and price of such goods as verified during the investigation.

- ii. As regards standing of the Domestic Industry, the Authority has stated the quantum of imports and their relative proportion in the disclosure and in the relevant foregoing paras. The Authority holds that the Rules confer a discretion onto the Designated Authority to treat a producer who is importing the product as eligible or not. The Authority has on basis of the facts of the case has considered it appropriate to consider these producers as eligible domestic industry under the rules.
- iii. Further the Authority holds that in the facts and circumstances of the present case, it would be appropriate to hold that the present constitution of the domestic producers constitute domestic industry within the meaning of the Rules. The Authority holds that the rules do not specify that the term domestic industry implies only domestic producers as a whole or those domestic producers whose share is beyond 50%. The Authority also holds that there is no evidence that the petitioner has resorted to cherry picking of companies, nor there is any evidence that remaining domestic producers are not suffering injury.
- iv. As regards submission on dumping margin made by M/s World Trade Consultants & Advocates on behalf of the sampled exporters from Bangladesh, by the cooperating producers/exporters of Nepal through their Advocate Shri Rakesh Sinha and Government of Bangladesh, the Authority as stated in foregoing paras has undertaken comparison of 'Normal Value' computed at cost of sales level with the gross export price to India and not at exfactory export price. The Authority has provided a reasonable return on the cost of production as per its consistent practice.
- v. As regards claim on adjustment on export subsidy by the producers/exporters of Bangladesh, the Authority holds that this adjustment is not specifically provided under Article 2.4 of WTO provisions and that the Authority while reporting exfactory export price in the disclosure statement had categorically stated that all adjustments as admissible under Article 2.4 of WTO have only been considered.
- vi. As regards injury assessment the Authority has undertaken assessment on price and volume by segregating the sales of sacking bags to the government market.
- vii. The Authority noting the submission regarding exclusion of Yarn/Twine of 28/3 specification by an interested party and also its submission that since June 2015 the Mills reported as closed by Domestic Industry are supplying the subject goods, holds that it has carried out the Injury assessment for the POI (01.04.2014 to 31.03.2015) on both volume and price injury aspects. Further no grade of Yarn/Twine has been excluded from PUC as Domestic Industry has produced/has capability to produce all grades.
- viii. As regards return on capital employed used to determine NIP, the Authority has considered its consistent practice of adopting 22% return on capital employed to determine NIP. Further, the Authority has determined NIP as per Annexure-III to the Rules and therefore contentions of the petitioners with regard to low NIP are not accepted.
- ix. Some interested parties have contended that the industry cannot meet demand for the product in the Country. While demand-supply gap in the Country has not been considered as a relevant parameter by the Authority in several investigations, it is noted that the capacities for the product under consideration are in excess of demand for the product in the Country.
- x. Some interested parties have contended that there is hardly any increase in imports in relation to the Indian demand. The Authority notes that imports of the product under consideration have increased in relation to consumption in India. Further, since the imported product is not consumed in Government procurement, if share of imports in demand in India is examined after excluding Government procurement, it is seen that the said share has increased significantly from about 15% to about 28%.
- xi. As regards disclosure of injury data, the authority has disclosed actual or indexed data, considering confidentiality of information.
- xii. As regards post POI profitability of Domestic industry, the Authority holds that it has analyzed all injury parameters during POI and past injury period trend as per its consistent practice and injury period mentioned specifically in the initiation notification. Also all computations on dumping margin and injury margin for recommending measures are based on the POI data.
- xiii. Regarding injury due to *inter se* competition amongst domestic producers the Authority holds that the Anti-dumping measures are endeavor to provide mitigation at best up to the injury margin (if the same is less than dumping margin), in which the NIP and landed value are not a phenomena of intense competition amongst domestic producers. Further no evidence has been brought to Authority's notice on any domestic producer triggering the price undercutting. It is also important to note that the price undercutting due to dumped imports from subject countries is positive.

- xiv. As regards form of duty, the Authority notes that fixed duty in US \$ form has been found to be appropriate and the Authority has recommended the same in this finding as well.
- xv. As regards providing the DGCIS data, the Authority holds that it has placed the same in public file.
- xvi. Noting that M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd. has provided the revised cost data through their letter dated 17.10.2016, the Authority has not considered the revised cost data as the same was not produced/made available during onsite verification.
- xvii. The Authority provided sufficient time to the producers/exporters of the subject countries to file response. The Authority notes the submissions by M/s Aghan Jute Mills Ltd. and holds that it sampled the responses from Bangladesh on the basis of responses filed as per prescribed format and within the extended date. Any producer/exporter who filed response at a belated stage has been considered only in the residual category.

### **Indian Industry's Interest & other issues**

128. The Authority notes the submissions of users and holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the India market, which is in the general interest of the country, Imposition of antidumping measures is not to restrict imports from the subject countries in any way, and to affect the availability of the products to the consumers.

129. The Authority also holds that though in the event of imposition of anti-dumping duties the price level of product in India may be affected but fair competition in the Indian market will not be reduced by such anti-dumping measures. On the contrary, the anti-dumping measures may mitigate the unfair advantage gained by dumping practices, which would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.

### **Conclusions**

130. Having examined the contention of various interested parties and on the basis of the analysis as above, the Authority concludes that:

- (i) There is dumping of product concerned from the subject countries.
- (ii) Imports from subject countries are undercutting and suppressing the prices of the domestic industry.
- (iii) Performance of domestic industry has deteriorated in the terms of profitability return on investments and cash flow.
- iv) Injury to domestic industry has been caused by dumped imports.

### **Recommendations**

131. Having concluded as above the Authority considers it necessary to recommend following definitive Anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner as described in the duty table given below.

132. The Authority recommends the imposition of Anti-dumping duty equal to lesser of the margin of dumping and margin of injury keeping in view the lesser duty rule. Accordingly the Anti-dumping duty equal to the amount indicated in Column 9 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods originating in or exported from subject countries.

**Duty Table**

S. N.	Heading/ Subheading	Description of Goods*	Specifications	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	5307, 5310, 6305 and 5607	Jute Yarn/ Twine	In all forms and specifications	Bangladesh	Bangladesh	Pride Jute Mill	Pride Jute Mill	104.16	US\$/MT
2.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Asha Jute Industries Ltd	Asha Jute Industries Ltd	19.30	US\$/MT
3.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sonali Ansh Industries Ltd	Sonali Ansh Industries Ltd	20.35	US\$/MT
4.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Alijan Jute Mills Ltd	Alijan Jute Mills Ltd	20.35	US\$/MT
5.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sharif Jute Mills Ltd	Sharif Jute Mills Ltd	152.85	US\$/MT

S. N.	Heading/ Subheading	Description of Goods*	Specifications	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit
6.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Anwar Jute Spinning Mills Ltd	Anwar Jute Spinning Mills Ltd	109.59	US\$/MT
7.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Hasan Jute Mills Ltd	Hasan Jute Mills Ltd	Nil	US\$/MT
8.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh			Nil	US\$/MT
9.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Janata Jute Mills Ltd	Janata Jute Mills Ltd	20.68	US\$/MT
10.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh			Nil	US\$/MT
11.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sidlaw Textiles Ltd.	Sidlaw Textiles Ltd.	102.93	US\$/MT
12.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh			127.48	US\$/MT
13.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sagar Jute Spinning Mills Ltd	Sagar Jute Spinning Mills Ltd	102.93	US\$/MT
14.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		97.19	US\$/MT
15.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		351.72	US\$/MT
16.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		125.21	US\$/MT
17.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in SN-1 to 16 above		162.45	US\$/MT
18.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in SN-1 to 16 above		351.72	US\$/MT
19.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in SN-1 to 16 above		138.97	US\$/MT
20.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	162.45	US\$/MT
21.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	351.72	US\$/MT
22.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	138.97	US\$/MT
23.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Bangladesh	Any	Any	162.45	US\$/MT
24.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Bangladesh	Any	Any	351.72	US\$/MT



S. N.	Heading/ Subheading	Description of Goods*	Specifications	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit
25.	-do-	Sacking Bags	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Bangladesh	Any	Any	138.97	US\$/MT
26.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Arihant Multi-Fibres Ltd	Arihant Multi-Fibres Ltd	24.61	US\$/MT
27.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal			35.25	US\$/MT
28.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal			Nil	US\$/MT
29.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	24.61	US\$/MT
30.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal			35.25	US\$/MT
31.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal			Nil	US\$/MT
32.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	15.36	US\$/MT
33.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal			8.18	US\$/MT
34.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal			34.20	US\$/MT
35.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	26.07	US\$/MT
36.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal			33.73	US\$/MT
37.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal			6.30	US\$/MT
38.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	28.72	US\$/MT
39.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	8.18	US\$/MT
40.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	38.90	US\$/MT
41.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Nepal	Any	Any	28.72	US\$/MT
42.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Nepal	Any	Any	8.18	US\$/MT

S. N.	Heading/ Subheading	Description of Goods*	Specifications	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit
43.	-do-	Sacking Bags	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Nepal	Any	Any	38.90	US\$/MT

\*“Jute Products” comprising of Jute Yarn/twine (multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags.

\*\* List of non-sampled producers/exporters:

- (1) Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd.
- (2) Shamsher Jute Mills Ltd.
- (3) Golden Jute Industries Ltd.
- (4) Purabi Trading
- (5) Sonali Aansh Trading (Pvt.) Ltd.
- (6) Rajbari Jute Mills Ltd.
- (7) Nowapara Packaging Industries Ltd.
- (8) Nowapara Jute Mills Ltd.
- (9) Usha jute Spinners Ltd.
- (10) B.S. Jute Spinners Ltd. (BSJSL)
- (11) Madina Jute Industries Ltd.
- (12) Northern Jute Manufacturing Company Limited
- (13) Jute Spinners Ltd.
- (14) M/s Nawab Abdul Malek Jute Mills (BD) Ltd.

133. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act.

#### Further Procedure

134. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority